नई दिल्ली । सोमवार, 25 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :139 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा ने ईरान के पक्ष में लिया बड़ा फैसला...
@ विचार जनस्वास्थ्य पर बाजार का बढ़ता कब्जा...
@ व्यापार मजबूत एसआईपी निवेश और विदेशी निवेशकों की ...

संक्षिप्त खबर

अमेरिका में भी हैं बेवकूफ लोग : मार्को रुबियो

नई दिल्ली। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो 4 दिवसीय भारत यात्रा का रविवार को दूसरा दिन है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में रुबियो ने भारतीयों के खिलाफ की जाने वाली नस्लीय टिप्पणियों को बेवकूफ लोगों की हरकत बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक स्वागत करने वाला देश है। अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नस्लीय टिप्पणियों पर पूछे गए सवाल के जवाब में रुबियो ने कहा, 'मैं इस पर क्या कहूं, यह समझ नहीं पा रहा हूं, लेकिन मैं ऐसी टिप्पणियों को बेहद गंभीरता से लेता हूं। उन्होंने कहा कि दुनिया के हर देश में कुछ बेवकूफ लोग होते हैं। यहां भी ऐसे लोग हैं और अमेरिका में भी कुछ लोग लगातार मूर्खतापूर्ण टिप्पणियां करते रहते हैं, लेकिन अमेरिका लोगों का स्वागत करने वाला देश है। दुनियाभर से आए लोगों ने यहां आकर खुद को अमेरिकी समाज में ढाला है और देश की प्रगति में बड़ा योगदान दिया है।'

इबोला का प्रकोप: भारतीय नागरिकों को कांगो और युगांडा न जाने की सलाह

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्थिति को 'अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने रविवार को अपने नागरिकों को सलाह दी है कि जो लोग वर्तमान में कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान में रह रहे हैं या वहां यात्रा पर जा रहे हैं, वे वहां की स्थानीय स्वास्थ्य एजेंसियों द्वारा जारी की गई सलाह का सख्ती से पालन करें और विशेष एहतियात बरतें। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इस स्थिति को 'अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' (पीएचईआईसी) घोषित किया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक एडवायजरी में कहा, 'डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो और अन्य प्रभावित देशों में बदलती स्थिति को देखते हुए और डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों के अनुसार, भारत सरकार सभी भारतीय नागरिकों को सलाह देती है कि वे अगली सूचना तक डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-जरूरी यात्रा से बचें।' मंत्रालय ने बताया कि भारत में

बुंडिबुग्यो वायरस स्ट्रेन के कारण होने वाली इबोला बीमारी का कोई भी मामला सामने नहीं आया है।

अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) ने आधिकारिक तौर पर बुंडिबुग्यो स्ट्रेन इबोला वायरस बीमारी के मौजूदा प्रकोप को 'महाद्वीपीय सुरक्षा के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित कर दिया है। इसके अलावा, डब्ल्यूएचओ आईएचआर आपातकालीन समिति ने 22 मई को प्रवेश बिंदुओं पर रोग निगरानी को मजबूत करने के लिए अस्थायी सिफारिशें जारी कीं ताकि बुंडीबुग्यो वायरस का पता चलने वाले क्षेत्रों से आने वाले अस्पष्टीकृत बुखार वाले यात्रियों का पता लगाया जा सके, उनका आकलन किया जा सके, रिपोर्ट किया जा सके और उनका प्रबंधन किया जा सके और साथ ही बुंडीबुग्यो वायरस का पता चलने वाले क्षेत्रों की यात्रा को हतोत्साहित किया जा सके।

बयान के अनुसार, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो और युगांडा की सीमा से लगे देश, जिनमें दक्षिण सूडान भी शामिल है, बीमारी फैलने के उच्च जोखिम पर माने जा रहे हैं। इबोला रोग एक वायरल हेमोरेजिक बुखार है, जो इबोला वायरस के 'बुंडीबुग्यो' स्ट्रेन के संक्रमण के कारण होता है। यह एक गंभीर बीमारी है, जिसमें मृत्यु दर काफी अधिक होती है। वर्तमान में बुंडीबुग्यो स्ट्रेन के कारण होने वाले इबोला रोग की रोकथाम या उपचार के लिए किसी भी टीके या विशिष्ट उपचार को मंजूरी नहीं दी गई है।

उत्तर कन्नड़ में नदी में डूबने से सात महिलाओं समेत आठ की मौत

पीएम मोदी ने किया मुआवजे का ऐलान

एजेंसी ■ कर्नाटक

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले की थट्टे हक्कालु नदी में आठ लोगों की डूबने से मौत हो गई, जिनमें सात महिलाएं शामिल हैं। यह हादसा भटकल के पास हुआ, जिसके बाद प्रशासन और बचाव दल ने बड़े पैमाने पर खोज अभियान शुरू किया। राहत कार्य जारी है।

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले की थट्टे हक्कालु नदी में तेज बहाव में बह जाने से एक ही परिवार के आठ लोगों की डूबने से मौत हो गई। इनमें सात महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं, दो लोग लापता बताए जा रहे हैं। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

इस दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दुख जताया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रत्येक मृतक के सबसे नजदीकी परिजन को पांच लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की।

दो लोग अब भी लापता

पुलिस सूत्रों के अनुसार, शिराली गांव के लगभग 14 लोग नदी में मीठे पानी की सीप (मसल्स) इकट्ठा करने के लिए उतरे

थे, जो स्थानीय समुदायों की ओर से नदी किनारे किया जाने वाला एक मौसमी काम है।

इस दौरान वे पानी के स्तर का सही अंदाजा लगाए बिना नदी के गहरे हिस्से में चले गए। जब पानी का बहाव अचानक तेज हुआ तो एक या दो लोग बहने लगे। इसके बाद कुछ अन्य लोग उन्हें बचाने के लिए नदी में कूद गए, जिससे और अधिक लोग तेज बहाव की चपेट में आ गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अब तक आठ शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि दो लोग अभी भी लापता हैं।

मृतकों में कौन-कौन शामिल हैं?

मृतकों की पहचान उमेश मनजुनाथ नाइक (40 वर्षीय), लक्ष्मी महादेव नाइक (42 वर्षीय), लक्ष्मी जतप्पा नाइक (30 वर्षीय), लक्ष्मी अप्पन्ना नाइक (60 वर्षीय), लक्ष्मी शिवराम नाइक (49 वर्षीय), ज्योति मस्तम्मा नाइक (34 वर्षीय), मालती नाइक (38 वर्षीय) और मस्तम्मा नाइक (60 वर्षीय) के रूप में हुई है।

दो लोगों को बचा लिया गया है, जिनमें नागरत्ना और महादेवी शामिल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाव दल, पुलिस टीम और स्थानीय लोग लगातार नदी में सघन खोज अभियान चला रहे हैं। मृतक भटकल तालुक के शिराली गांव के निवासी बताए जा रहे हैं।

व्हाइट हाउस के पास फिर फायरिंग, ट्रम्प अंदर मौजूद थे

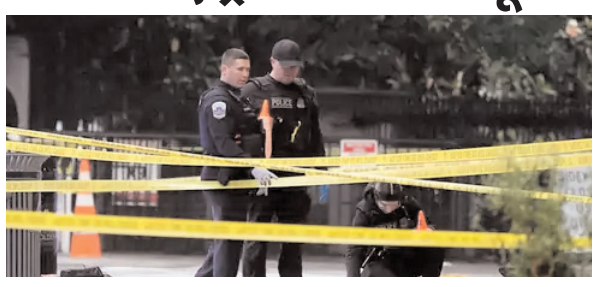

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी में एक संदिग्ध शख्स ने व्हाइट हाउस के पास करीब 30 राउंड फायरिंग की। भारतीय समयानुसार यह घटना शनिवार रात करीब 3:30 बजे से सुबह 5 बजे के बीच हुई। घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे।

रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के पास संदिग्ध हमलावर ने सिक्योरिटी चेकपॉइंट पर गोलियां चलाईं, जहां यूएस सीक्रेट सर्विस के अधिकारी तैनात थे।

अफसरों की जवाबी कार्रवाई में हमलावर को गोली लगी। हॉस्पिटल ले जाने पर उसकी मौत हो गई। युवक की पहचान 21 साल के नासिर बेस्ट के तौर पर हुई है। वह अमेरिका के मैरीलैंड राज्य का रहने वाला था।

इस गोलीबारी में एक आम नागरिक भी गोली लगने से घायल हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि अभी यह साफ नहीं है कि उसे हमलावर की गोली लगी या जवाबी फायरिंग के दौरान चोट पहुंची। घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना से कुछ दिन पहले ही राष्ट्रपति ट्रम्प की बेटी को भी हत्या की धमकी मिली थी। इस मामले में एक इराकी युवक को गिरफ्तार किया गया था। वह ईरानी सेना से जुड़ा हुआ था।

ईरान का अमेरिका को यूरेनियम सौंपने से इनकार

ये मौजूदा डील का हिस्सा नहीं, ट्रम्प ने कल कहा था- इसे लेकर रहेंगे

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपना हाईली एनरिच्ड यूरेनियम भंडार अमेरिका को नहीं सौंपेगा। मीडिया के मुताबिक, एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने कहा है कि मौजूदा शुरुआती समझौते में परमाणु मुद्दा शामिल ही नहीं है।

सूत्र के मुताबिक, ईरान के परमाणु कार्यक्रम और यूरेनियम भंडार पर बातचीत बाद में अंतिम समझौते के दौरान होगी। फिलहाल ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है कि यूरेनियम देश से बाहर भेजा जाएगा।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कल कहा था कि अमेरिका ईरान को हाईली एनरिच्ड यूरेनियम रखने नहीं देगा। उन्होंने कहा था कि हम उसे हासिल करेंगे, इसे ईरान को नहीं रखने देंगे।

हाल के दिनों में कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ईरान अपना यूरेनियम भंडार छोड़ने को तैयार हो गया है। हालांकि अब ईरानी पक्ष ने इन खबरों को खारिज कर दिया है।

अमेरिका ईमानदार नहीं- ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने आसिम मुनीर से मुलाकात में कहा कि अमेरिका ईमानदारी नहीं दिखा रहा, ईरान अपने अधिकारों पर समझौता नहीं करेगा।

ईरान वार्ता में इजराइल की भूमिका घटी- न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प सरकार ने ईरान वार्ता में इजराइल की भूमिका सीमित कर दी, जिससे प्रधानमंत्री नेतन्याहू को बड़ा राजनीतिक झटका लगा।

ट्रम्प की बेटी को हत्या की धमकी- एफबीआई ने इवांका ट्रम्प को कथित हत्या की धमकी देने वाले इराकी नागरिक मोहम्मद बाकेर साद दाऊद अल-सादी को गिरफ्तार किया है। अमेरिका बढ़ा-चढ़ा बात कर रहा- रूसी अधिकारी मिखाइल उल्यानोव ने कहा कि अमेरिका ईरान वार्ता का डेवलपमेंट बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा, जबकि असली हालात उतने सकारात्मक नहीं हैं।

भारत में पेट्रोल-डीजल फिर महंगा- मिडिल ईस्ट संकट और क्रूड ऑयल महंगा होने से भारत में पेट्रोल-डीजल कीमतें फिर बढ़ीं, दिल्ली में पेट्रोल 99.51 रुपए और डीजल 92.49 रुपए पहुंचा।

यूसीसी की कोई भी पाबंदी वनवासी समाज पर लागू नहीं होगी : अमित शाह

एजेंसी ■ नई दिल्ली

'धरती आबा' बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर दिल्ली के लाल किला मैदान में आयोजित 'जनजाति संस्कृति समागम' में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हुए। 'जनजाति सुरक्षा मंच' और वनवासी कल्याण आश्रम के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर से बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान जनजातीय संस्कृति, परंपरा और अधिकारों को लेकर कई अहम संदेश दिए गए।

संबोधन में अमित शाह ने कहा कि पूरा देश भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष को हर्षोल्लास के साथ मना रहा है। अगर दुनिया में सबसे ज्यादा टिकाऊ और सस्टेनेबल जीवन मॉडल किसी ने विकसित किया है, तो वह भारत के जनजातीय समाज ने किया है। जनजातीय समाज प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीता है और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

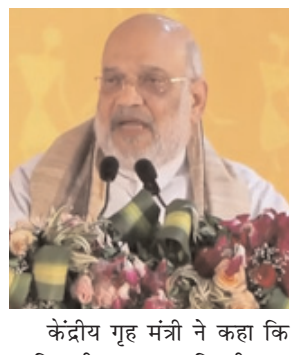

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति की पूजा करता है और यही प्रकृति पूजा सनातन परंपरा से जुड़ाव का सबसे बड़ा आधार है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे धर्म और संस्कृति को जोड़ने का संकल्प लेकर जाएं ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रहें।

अमित शाह ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने हर व्यक्ति को अपने मूल धर्म में समान अधिकार के साथ जीने का अधिकार दिया है। लालच या दबाव डालकर किसी का जबरन धर्म परिवर्तन नहीं कराया जा सकता।

इंदौर हनीट्रैप में छत्तीसगढ़ के डीआईजी का नाम

4 राज्यों के कारोबारी-नेता-अफसरों के 100 आपत्तिजनक वीडियो मिले, ब्लैकमेल कर करोड़ों की वसूली

एजेंसी ■ इंदौर/रायपुर

मध्य प्रदेश के इंदौर में सामने आए हनीट्रैप-2 मामले ने एक बार फिर 2019 के चर्चित सेक्स स्कैंडल की यादें ताजा कर दी हैं। इस बार मामला मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात और दिल्ली तक पहुंच गया है।

मामले में नेताओं, अफसरों और कारोबारियों से जुड़े 100 से ज्यादा आपत्तिजनक वीडियो मिलने का दावा किया गया है। इंदौर क्राइम ब्रांच का दावा है कि वीडियोज में कई प्रभावशाली नेता, बड़े कारोबारी और छत्तीसगढ़ पुलिस के डीआईजी रैंक के अधिकारी भी शामिल हैं। मामले में गिरफ्तार श्वेता विजय जैन, रेशू चौधरी और अलका दीक्षित से पूछताछ में लगातार बड़े खुलासे हो रहे हैं। पुलिस को रेशू चौधरी के मोबाइल और अन्य डिजिटल डिवाइस से बड़ी संख्या में आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं।

जांच एजेंसियों के अनुसार इन वीडियो के जरिए रसूखदार लोगों को ब्लैकमेल कर करोड़ों रुपए की वसूली की गई। वहीं, कुछ वीडियो बेचने की

तैयारी किए जाने की भी आशंका जताई जा रही है।

प्लानिंग के साथ चलाया जा रहा था रैकेट

जांच में सामने आया कि पूरा रैकेट प्लानिंग के साथ संचालित किया जा रहा था। भोपाल से श्वेता विजय जैन नेटवर्क ऑपरेट करती थी, जबकि रेशू चौधरी टारगेट्स से संपर्क साधने और उन्हें जाल में फंसाने का काम करती थी। जांच के दायरे में मध्य प्रदेश के एक विधायक, मालवा-निमाड़ के कुछ नेता और एक पूर्व अधिकारी बताए जा रहे हैं। वहीं छत्तीसगढ़ के डीआईजी रैंक के अधिकारी, दिल्ली के वरिष्ठ नेता और गुजरात के एक उद्योगपति का नाम भी सामने आया है। पुलिस को जानकारी मिली है कि दिल्ली के एक नेता से 4 करोड़ रुपए वसूलने की साजिश रची गई थी।

कारोबारी से मारपीट के बाद खुला मामला

मामले का खुलासा तब हुआ, जब इंदौर के कारोबारी हितेंद्र उर्फ चिंटू ठाकुर ने शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि 28 अप्रैल को सुपर कॉरिडोर पर अलका दीक्षित और उसके साथियों ने उसके साथ मारपीट की और आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी दी।।

प्रशासनिक और राजनीतिक संरक्षण की जांच

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें जयदीप, लाखन चौधरी, पत्रकार जितेंद्र पुरोहित और हेड कॉन्स्टेबल विनोद शर्मा भी शामिल हैं। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इस पूरे नेटवर्क को किसी प्रशासनिक या राजनीतिक संरक्षण का लाभ तो नहीं मिल रहा था। मामले में आगे और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

छत्तीसगढ़ पुलिस महकमें में चर्चाएं

इंदौर में हनीट्रैप कांड के खुलासे के बाद छत्तीसगढ़ पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। इंदौर सिंडिकेट के जाल में फंसे डीआईजी रैंक के अधिकारी को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। आखिर वह अधिकारी कौन है, इसे लेकर विभाग में अटकलों का दौर जारी है।

आरआर ने एमआई को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाई

जोफ्रा आर्चर का बल्ले और गेंद से दमदार प्रदर्शन

एजेंसी ■ मुंबई

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में जगह बना ली है। वानखेड़े स्टेडियम में रविवार को खेले गए मुकाबले में आरआर ने मुंबई इंडियंस (एमआई) को 30 रन से हराकर प्लेऑफ में जगह बनाई। आरआर ने एमआई को हराकर चौथा स्थान हासिल किया है। राजस्थान के 14 मैचों में 8 जीत के साथ 16 अंक हो गए हैं।

आरआर के दिए 206 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी एमआई 9 विकेट पर 175 रन ही बना सकी। आरआर की जीत के हीरो जोफ्रा आर्चर रहे, जिन्होंने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया।

राजस्थान रॉयल्स ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 205 रन बनाए थे। आरआर के लिए विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने सर्वाधिक 38 रन की पारी खेली। 26 रन की इस पारी में जुरेल ने 2 छक्के और 3 चौके लगाए। जोफ्रा आर्चर ने 15 गेंदों पर 32 और दासुन शनाका ने 15 गेंदों पर 29 रन की पारी खेली। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 17 गेंदों पर 27 रन बनाए थे। इसके अलावा, डोनोवन फरेरा ने 15 गेंदों

पर 18, रवींद्र जडेजा ने 11 गेंदों पर नाबाद 19 और नांद्रे बर्गर ने 3 गेंदों पर नाबाद 10 रन बनाए थे। एमआई के लिए चाहर ने 4 ओवर में 43 रन देकर वैभव सूर्यवंशी और डोनोवन फरेरा का अहम विकेट लिया। शार्दुल ठाकुर ने 4 ओवर में 41 रन देकर 2 विकेट लिए। विल जैक्स ने 2 ओवर में 12 रन देकर 1, एम गजनफर ने 3 ओवर में 45 रन देकर 1, कॉर्बिन बोश ने 4 ओवर में 38 रन देकर 1 विकेट लिए।

206 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमआई की शुरुआत बेहद खराब रही। रोहित शर्मा शून्य, नमन धीर 6, और रयान रिकल्टन 12 रन बनाकर आउट हो गए। तिलक वर्मा भी 3 रन बनाकर आउट हो गए। 38 रन पर 4 विकेट खो चुकी एमआई को सूर्यकुमार यादव और विल जैक्स ने संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी की। जैक्स 18 गेंदों पर 33 रन बनाकर पांचवें विकेट के रूप में आउट हुए। इस समय स्कोर 11.3 ओवर में 101 रन था। कप्तान हार्दिक पांड्या ने छठे विकेट के लिए सूर्यकुमार यादव के साथ 48 रन की साझेदारी की। हार्दिक ने 15 गेंदों पर 34 रन बनाकर आउट हुए। लगातार गिरते विकेटों के बीच सूर्यकुमार यादव ने अर्धशतक लगाया। वह 42 गेंदों पर 60 रन बनाकर आउट हुए। सूर्या ने अपनी पारी में 4 छक्के और 3 चौके लगाए। इनके अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चला।

अब छोटे शहरों से चमकेंगे बड़े सितारे, अलीगढ़ में 13,000 स्क्वायर मीटर में तैयार विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खेल क्रांति को नई गति देते हुए योगी सरकार अलीगढ़ मंडल को एक ऐसी सौगात देने जा रही है, जो आने वाले वर्षों में प्रदेश की खेल प्रतिभाओं की दिशा बदल देगी। 13,000 स्क्वायर मीटर में बना 57 करोड़ से अधिक की लागत से ओलंपिक स्टैंडर्ड इन्डोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अब बनकर पूरी तरह तैयार है।

सीएम योगी आदित्यनाथ जल्द ही इसे जनता को समर्पित करेंगे। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह परिसर अलीगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए नई उम्मीद और नए अवसरों का केंद्र बनने जा रहा है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि यह मंडल का पहला ऐसा विश्वस्तरीय इन्डोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स है, जहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खेल सुविधाएं विकसित की गई हैं।

योगी सरकार की मंशा केवल स्टेडियम बनाना नहीं, बल्कि गांवों, कस्बों और छोटे शहरों की प्रतिभाओं को ऐसा मंच देना है, जहां से वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना सकें। इस विशाल खेल परिसर की सबसे बड़ी खासियत इसका राष्ट्रीय स्तर का स्विमिंग पूल है। अत्याधुनिक तकनीक से तैयार यह पूल भविष्य में राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन का केंद्र बन सकता है। अब तक बड़े शहरों पर निर्भर रहने वाले अलीगढ़ मंडल के तैराकों को अपने ही शहर में उच्च स्तरीय अभ्यास और प्रतियोगिताओं का अवसर मिलेगा।

कॉम्प्लेक्स में आधुनिक मल्टीपर्पज हॉल भी बनाया गया है, जहां विभिन्न इनडोर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सकेंगी। बैडमिंटन और बास्केटबॉल कोर्ट को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। इसके साथ ही बिलियर्ड्स रूम और हाईटेक जिम की सुविधा भी खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई गई है। पेशेवर प्रशिक्षण और फिटनेस को ध्यान में रखते हुए तैयार यह परिसर खिलाड़ियों को बड़े शहरों जैसी सुविधाएं देगा। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को केवल अभ्यास केंद्र नहीं, बल्कि बड़े खेल आयोजनों के लिए एक सम्पूर्ण स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित किया गया है। दर्शकों की सुविधा के लिए अत्याधुनिक स्पेक्टेटर गैलरी बनाई गई है, जहां बड़ी संख्या में लोग बैठकर प्रतियोगिताओं का आनंद ले सकेंगे। इसके अलावा वीआईपी रूम, मीडिया रूम और आधुनिक लाउंज क्षेत्र भी तैयार किए गए हैं, जिससे राष्ट्रीय स्तर के आयोजन आसानी से कराए जा सकेंगे। इससे अलीगढ़ भविष्य में बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए भी तैयार माना जा रहा है।

तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए सीबीएसई की मदद करेगी आईआईटी विशेषज्ञों टीमः धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली। हाल के घटनाक्रमों और सीबीएसई के परिणामोत्तर सेवा पोर्टल के संबंध में छात्रों और अभिभावकों द्वारा उठाई गई चिंताओं को देखते हुए, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास से प्रोफेसरों और तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सहायता के लिए भेजने का निर्देश दिया है ताकि पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया त्रुटिरहित हो सके। सीबीएसई के परीक्षोत्तर सेवा पोर्टल में तकनीकी समस्याओं की रिपोर्ट के बाद यह निर्णय लिया गया है। आईआईटी मद्रास की विशेषज्ञ टीम सिस्टम और तकनीकी कार्यप्रवाहों में लक्षित तकनीकी सुधार लागू करेगी और विशेष रूप से पोर्टल की स्थिरता और सर्वर के प्रदर्शन की जांच करेगी। टीम समग्र आईटी अवसंरचना की मजबूती का भी आकलन करेगी और लॉगिन प्रमाणीकरण/उपयोगकर्ता पहुंच प्रणाली/भुगतान गेटवे की सटीकता और सुचारू कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक उपाय करने में सहायता करेगी।

धर्मेंद्र प्रधान ने दोहराया कि छात्रों के हित सर्वोपरि हैं और एक पारदर्शी, कुशल और छात्र-हितैषी प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए सीबीएसई द्वारा सभी आवश्यक सुधारात्मक उपाय प्राथमिकता के आधार पर किए जाने चाहिए।

इससे पहले राज्यसभा सांसद व सीपीआई(एम) नेता डॉ. जॉन ब्रिटास ने शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा के मूल्यांकन में गंभीर अनियमितताओं को लेकर एक महत्वपूर्ण पत्र लिखा। पत्र में ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली, धुंधली स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं, स्टेप-मार्किंग में अनदेखी और पुनर्मूल्यांकन पोर्टल की तकनीकी समस्याओं को लेकर गहरी चिंता जताई गई।

पत्र में कहा गया है कि 21 मई को भेजे गए पिछले पत्र के बाद देशभर के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से बड़ी संख्या में शिकायतें आई हैं।

करनाल : केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने ग्रामीणों की सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

करनाल । केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल रविवार को हरियाणा के करनाल पहुंचे, जहां वह कई कार्यक्रमों में शामिल हुए और लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा भी की।

उन्होंने करनाल में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि चुनाव के बाद बहुत जगह शिकायतें मिलती हैं कि जनप्रतिनिधि आते नहीं हैं। मैंने विधायकों को भी कह रखा है कि अपने निर्वाचन क्षेत्र के सभी गांवों में जाएं। मैंने करनाल लोकसभा के प्रमुख गांवों की योजना बनाकर दौरा शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का मैंने दौरा किया है। केंद्र सरकार से जुड़ी कोई समस्या नहीं आ रही है, लेकिन पंचायत, प्रदेश सरकार और स्थानीय स्तर पर जिन लोगों को समस्याएं हैं, उनकी जानकारी अधिकारियों को दी जाती है। विधायक भी साथ में मौजूद रहते हैं। चंडीगढ़ में सीएम भी जनसंवाद के कार्यक्रम करते हैं। एक पोर्टल बनाया गया है, जिस पर समस्याओं को दर्ज किया जाता है और फिर उनका समाधान किया जाता है।

उन्होंने कहा कि हम जनता से जो कुछ कहकर या बोलकर जाते हैं, कोशिश रहती है कि उन समस्याओं को जल्द से जल्द खत्म कर दिया जाए। छोटी-छोटी समस्याएं हैं। पंचायत से जुड़ी समस्याएं और अवैध कब्जे की शिकायतें हैं। हमारी कोशिश है कि ग्रामीणों को साथ में लेकर उनकी समस्याओं पर बात हो और यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जब अवैध कब्जा हटाने की बारी आए तो ग्रामीण लोग इसका विरोध न करें। नीट रद्द होने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक बार परीक्षा रद्द हो चुकी है, ऐसे में राज्य सरकारों को बच्चों की सुविधाओं का ध्यान रखना चाहिए। सीएम ने बच्चों के लिए बस फ्री करने की घोषणा की है, यह एक अच्छा कदम है। उन्होंने पेट्रोल-डीजल के दाम में हुई बढ़ोतरी पर कहा कि जिस तरह की स्थितियां हैं, उसके हिसाब से तेल की कीमतों में अधिक वृद्धि नहीं हुई है।

सुलूर में 10 वर्षीय बच्ची की हत्या, सीएम विजय ने पीड़ित माता-पिता से की फोन पर बात, कड़ी कार्रवाई का दिया आश्वासन

कोयंबटूर । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने रविवार को उस 10 वर्षीय बच्ची के माता-पिता से बात की, जिसकी सुलूर में हत्या कर दी गई थी। उन्होंने बच्ची के माता-पिता के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाएगी।

फोन पर हुई बातचीत के दौरान विजय ने शोकाकुल माता-पिता को सांत्वना दी और उन्हें आश्वासन दिया कि राज्य सरकार इस मामले को पूरी गंभीरता से लेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उन्हें न्याय मिले।

मुख्यमंत्री ने इससे पहले इस अपराध को एक अमानवीय और अक्षम्य कृत्य बताया था, जिसका समाज में कोई स्थान नहीं है।

पीड़िता सुलूर के पास के एक गांव की रहने वाली थी। लापता होने से पहले वह खरीदारी के लिए बाहर गई थी। जब वह घर नहीं लौटी, तो उसके परिवार ने पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद एक सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया।

पुलिस की टीमों ने बड़े पैमाने पर जांच शुरू की और इलाके में ही एक झाड़ीदार क्षेत्र में मृत पाई गई। इस अपराध की भयावह प्रकृति ने निवासियों के बीच भय और आक्रोश पैदा कर दिया, और इसने जल्द ही पूरे तमिलनाडु का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

विस्तृत जांच के बाद पुलिस ने बच्ची के पड़ोसी को मुख्य संदिग्ध के रूप में पहचान लिया और 33 वर्षीय कार्तिक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मोहन राज को भी हिरासत में ले लिया है, जिस पर इस अपराध में सहयोगी होने का संदेह है, पुलिस उससे चल रही जांच के हिस्से के तौर पर पूछताछ कर रही है।

इस घटना ने बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर चिंताओं को फिर से जगा दिया है, कई लोग ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए और अधिक कड़े उपाय करने तथा अपराधियों के खिलाफ कानूनों को सख्ती से लागू करने की मांग कर रहे हैं।

तमिलनाडु के राजनीतिक नेताओं और विभिन्न संगठनों ने इस घटना की निंदा की और त्वरित न्याय की मांग की। बच्चों के खिलाफ अपराधों में शामिल लोगों के लिए कठोरतम संभव दंड की मांग भी अब और तेज हो गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच अभी भी जारी है और चल रही पूछताछ के परिणामों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के विकास के लिए 'आत्मनिर्भरता' एक रणनीतिक आवश्यकता: वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली। 48वें फ्लाइट टेस्ट कोर्स के ग्यारह टेस्ट पायलट और छह फ्लाइट टेस्ट इंजीनियर 23 मई को बेंगलुरु स्थित वायु सेना टेस्ट पायलट स्कूल (एएफटीपीएस) से स्नातक हुए। उन्होंने 48 सप्ताह के गहन बहु-विषयक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को पूरा किया था। इस वर्ष स्नातक होने वाले बैच में 17 अधिकारी शामिल थे, जिनमें भारतीय वायु सेना के 14 अधिकारी, भारतीय सेना के एक अधिकारी और भारतीय नौसेना के दो अधिकारी शामिल थे। अब से, ये स्नातक भारतीय वायु सेना की प्रमुख इकाइयों में से एक, विमान और प्रणाली परीक्षण प्रतिष्ठान के विमानन विंग में शामिल होंगे।

वायु सेना प्रमुख और 17वें उड़ान परीक्षण पाठ्यक्रम के एक प्रतिष्ठित पूर्व छात्र, वायु सेना प्रमुख एपी सिंह पीवीएसएम एवीएसएम ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने सभी उत्तीर्ण अधिकारियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए और मेधावी प्रदर्शन करने वालों को ट्राफियां प्रदान कीं। इस वर्ष, सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण छात्र परीक्षण पायलट के लिए प्रतिष्ठित 'सुरंजन दास ट्रॉफी' स्क्वाड्रन लीडर केके सिंह, वीएम को प्रदान की गई, जबकि उड़ान मूल्यांकन में सर्वश्रेष्ठ छात्र परीक्षण पायलट के लिए 'वायु सेना प्रमुख ट्रॉफी' स्क्वाड्रन लीडर आदित्य जमदग्नि को प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण छात्र उड़ान परीक्षण अभियंता के लिए 'महाराजा हनुमंत सिंह तलवार' विंग कमांडर अभिनव कुमार को प्रदान की गई। उड़ान मूल्यांकन में सर्वश्रेष्ठ छात्र उड़ान परीक्षण अभियंता के लिए विंग कमांडर प्रणव शर्मा को 'डनलप ट्रॉफी' और जमीनी विषयों में सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए 'कपिल भार्गव ट्रॉफी' स्क्वाड्रन लीडर पारस शर्मा को प्रदान की गई।

इस अवसर पर सदन को संबोधित करते हुए वायु सेना प्रमुख ने स्नातक होने वाले अधिकारियों से निरंतर लगन और मेहनत करने का आग्रह किया और उन्हें भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता निर्माण और आधुनिकीकरण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाई।

फाल्टा के नतीजे पर अभिषेक बनर्जी की मांग, 'सीसीटीवी फुटेज की स्वतंत्र ऑडिट कराई जाए'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों में प्रचंड हार का सामना करने के बाद तृणमूल कांग्रेस के लिए फाल्टा सीट पर हुए पुनर्मतदान के नतीजे भी बेहद निराशाजनक रहे। इस सीट पर भाजपा को एक लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत मिली। दूसरी तरफ हार से एक बार फिर बौखलाई टीएमसी ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं।

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठाते हुए दावा किया कि फाल्टा सीट पर पुनर्मतदान की प्रक्रिया में कई बड़ी अनियमितताएं सामने आई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि फाल्टा विधानसभा क्षेत्र की रिपोल काउंटिंग ने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उन्होंने बताया कि रविवार को दोपहर 3:30 बजे तक सभी 21 राउंड की गिनती पूरी कर ली गई, जबकि 4 मई को इसी समय तक केवल 2 से 4 राउंड की ही मतगणना हुई थी। देश को इस अंतर का जवाब चुनाव आयोग से मिलना चाहिए।

अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि पिछले 10 दिनों में फाल्टा इलाके से पार्टी के 1,000 से अधिक कार्यकर्ताओं को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा, लेकिन चुनाव आयोग ने इस पूरे मामले में आंखें मूंदे रखीं। उन्होंने दावा किया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद पार्टी कार्यालयों में दिनदहाड़े तोड़फोड़ की गई, लेकिन आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की।

नीट पेपर लीक मामलाः आरोपी शुभम खैरनार को 6 जून तक न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक और परीक्षा में धांधली मामले में गिरफ्तार आरोपी शुभम खैरनार की रिमांड खत्म होने के बाद रविवार को सीबीआई ने उसे दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। आरोपी को स्पेशल जज रुचि अग्रवाल असरानी की अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उसे 6 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सीबीआई के अनुसार, शुभम खैरनार महाराष्ट्र के नासिक जिले के नंदगांव का रहने वाला है। उसने मध्य प्रदेश की श्री सत्यसाई यूनिवर्सिटी से बीएएमएस (आयुर्वेद) की पढ़ाई की है। जांच एजेंसी का आरोप है कि शुभम ने पुणे के एक संदिग्ध व्यक्ति से नीट का पेपर 10 लाख रुपए में खरीदा था और बाद में उसे हरियाणा के एक खरीदार को 15 लाख रुपए में बेच दिया।

गौरतलब है कि सीबीआई ने शुभम खैरनार को 13 मई को नासिक से गिरफ्तार किया था। इससे पहले, 20 मई को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने उसकी 5 दिन की सीबीआई कस्टडी बढ़ाई थी। मामले में गिरफ्तार अन्य पांच आरोपी फिलहाल 2 जून तक न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई ने अब तक पेपर लीक और परीक्षा में धांधली के आरोप में कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में नासिक निवासी शुभम खैरनार, जयपुर के मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल, गुरुग्राम के यश यादव तथा महाराष्ट्र के अहिल्या नगर निवासी धनंजय लोखंडे शामिल हैं। बता दें कि 3 मई 2026 को आयोजित नीट यूजी परीक्षा में पेपर लीक और गड़बड़ी के आरोप सामने आए थे, जिसके बाद पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया। एजेंसियों की शुरुआती जांच में परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठे। इसी आधार पर परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया गया और अब इसे नए सिरे से आयोजित किया जाएगा।

बिहार में इंडस्ट्री आएगी, तभी राज्य की तस्वीर बदलेगी: सीएम सम्राट चौधरी

पटना । मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को बिहार चैंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा शताब्दी वर्ष में आयोजित 'व्यवसायिक समागम' कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। आयोजित कार्यक्रम का थीम 'व्यवसाय, राजनीति और विकास' रखा गया था।

सीएम सम्राट चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे लिए यह गौरव का क्षण है कि बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स 100 वर्षों से लगातार बिहार की समृद्धि और बिहार को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग कर रहा है। आप सभी अपने व्यवसाय के साथ-साथ समाज की उन्नति और कल्याण के लिए भी काम करते रहें, हम यही चाहते हैं। बिहार उन्नति के पथ पर आगे बढ़े और सामाजिक संरचना में बेहतरी आए, इसके लिए आप सब मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि वर्ष 1926 में बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की स्थापना हुई थी, उस समय बिहार में लोकतंत्र स्थापित था और मतदान की प्रक्रिया शुरू हो रही थी, वह ऐतिहासिक क्षण रहा होगा।

उन्होंने कहा कि हम लोगों ने निजी निवेश को आकर्षित करने और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज-2025 बनाई है, उसमें संशोधन भी किए गए हैं। यदि आवश्यकता पड़ी तो उसमें और संशोधन किया जाएगा। उद्योग स्थापित करने के लिए सबसे आवश्यक दो चीजें हैं भरोसा और सुरक्षा। हम लोग चाहते हैं कि बिहार में अधिक से अधिक निवेश हो और उद्योग स्थापित हो, इसमें बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का महत्वपूर्ण योगदान है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बिहार में निवेश करने को लेकर कोई दिक्कत नहीं होगी, बड़ी संख्या में निवेशक बिहार की ओर आकर्षित हो रहे हैं और यहां निवेश करने के लिए आ रहे हैं। बिहार में अधिक से अधिक निवेशक आएं, इसका माध्यम बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री भी है। आप सभी के सहयोग से ही बिहार उन्नति से समृद्धि की ओर अग्रसर होगा। बिहार में ज्यादा से ज्यादा उद्योग स्थापित हो और निवेश बढ़े इससे ही बिहार की समृद्धि का रास्ता खुलेगा। मैं आश्वस्त करता हूं कि आप सभी को हर प्रकार की सहूलियत प्रदान की जाएगी।

सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार एआई समिट में मैं भी शामिल हुआ था। बिहार में अधिक से अधिक इंडस्ट्री लगाई जाएं, इसको लेकर भी कई सुझाव आए थे। हमने इंडिया की टॉप 10 उद्योग नीतियां बनाई हैं, लेकिन उसके हिसाब से अब तक यहां उद्योग स्थापित नहीं हुए या निवेश नहीं हो सका है। आपका भरोसा और सुरक्षा सुनिश्चित हो, इन दोनों मापदंडों पर काम किया जा रहा है। आपकी सुरक्षा सरकार का दायित्व है।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश के राजकीय विश्वविद्यालयों को शासकीय दर्जा देने की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़, विश्वविद्यालयीन पेंशनर्स कल्याण संघ के प्रांताध्यक्ष प्रदीप मिश्र एवम महासचिव शिरीष त्रिवेदी ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी कर बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों को शासकीय महाविद्यालयों की भाँति शासकीय विश्वविद्यालय घोषित करने की मांग को लेकर 20 मई को नया रायपुर अटल नगर के महानदी भवन में जाकर प्रदेश विष्णु देव साय, उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा जी, और प्रदेश के मुख्य सचिव के कार्यालय में जाकर मांग पत्र दिया गया। 15 वर्षो तक लगातार मुख्यमंत्री रहे पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान विधान सभा अध्यक्ष डा रमन सिंह के निवास में जाकर सौजन्य मुलाकात करते हुए विस्तृत चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों को शासकीय महाविद्यालयों की भाँति शासकीय विश्वविद्यालय घोषित करने की मांग को लेकर निवेदन / माँग करते हुए ज्ञापन पत्र सौंपा गया। प्रदीप मिश्र बताया कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक देश एक कानून, एक देश एक राशन कॉर्ड , एक देश एक पेंशन , वन नेशन वन इलेक्शन जैसे मुद्दों को लेकर सभी राजनीतिक दलों के साथ चर्चा करते हुए निरन्तर प्रयासरत हैं उनकी इस सोच का तहे दिल से छत्तीसगढ़, विश्वविद्यालयीन पेंशनर्स कल्याण संघ समर्थन करते हुए माँग करता है कि एक छत्तीसगढ़ प्रदेश में मुख्यमंत्री के सुशासन तिहार में छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों को शासकीय कर्मचारियों /शासकीय महाविद्यालयों की भाँति राज्य के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों को शासकीय विश्वविद्यालय का दर्जा देते हुए सुशासन तिहार 10 जून को समाप्त होने के पूर्व आदेश जारी किए जाने के लिए निवेदन / माँग करते हैं ।

छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल विस्तार की सुगबुगाहट तेज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा मंत्रिमंडल विस्तार और संभावित फेरबदल को लेकर हो रही है। इसी बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का अचानक दो दिवसीय दिल्ली दौरा सियासी गलियारों में कई नए संकेत दे रहा है। हालांकि सरकार की ओर से इसे विकास योजनाओं और केंद्र-राज्य समन्वय से जुड़ा दौरा बताया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे बड़े संगठनात्मक और प्रशासनिक बदलावों की तैयारी माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री साय दिल्ली में बीजेपी आलाकमान के वरिष्ठ नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। सूत्रों के मुताबिक उनकी अहम बैठक केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाहके साथ भी हो सकती है। माना जा रहा है कि इस दौरान छत्तीसगढ़ के लंबित केंद्रीय प्रोजेक्ट्स, विकास कार्यों और राजनीतिक रणनीति पर विस्तृत चर्चा होगी। राजनीतिक जानकारों की मानें तो दिल्ली में होने वाली इन बैठकों में मंत्रिमंडल की खाली सीटों को भरने, कुछ मंत्रियों के विभागों में फेरबदल और संगठन में नई जिम्मेदारियों को लेकर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। प्रदेश के कई विधायक लंबे समय से मंत्रिमंडल में जगह मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं, ऐसे में यह दौरा कई नेताओं की राजनीतिक दिशा तय कर सकता है। दिल्ली रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री साय ने मीडिया से कहा कि उनका यह दौरा पूरी तरह विकास केंद्रित है और वे केंद्रीय योजनाओं, लंबित परियोजनाओं तथा समन्वय से जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे। लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विकास के साथ-साथ यह दौरा आगामी राजनीतिक रणनीति और बीजेपी की नई टीम तैयार करने की कवायद का भी हिस्सा है।

एम्स राजपूत ने 10 माह के मासूम को दी नई जिंदगी, दुर्लभ हृदय सर्जरी में मिली बड़ी सफलता

रायपुर। बाल हृदय चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर ने 10 माह के एक मासूम शिशु की दुर्लभ और अत्यंत जटिल हृदय शल्य चिकित्सा चिकित्सा महाविद्यालय की ओर से बनाई। शिशु सदन 'एएलसीएपीए' (एनओएमएलएस लेफ्ट कोरोनरी आर्टरी फ्रॉम द पल्मोनरी आर्टरी) नामक अत्यंत दुर्लभ और घातक हृदय रोग से पीड़ित था। यह बीमारी लगभग तीन लाख नवजात शिशुओं में से किसी एक में पाई जाती है। रायपुर जिले में रहने वाले इस बच्चे को अत्यधिक जोखिमपूर्ण स्थिति के कारण स्वास्थ्य संबंधी कई बच्चों का उपचार किया गया। बाद में उन्हें एम्स रायपुर भेजा गया, जहां कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी, कार्डियोलॉजी, कार्डिएक एनेस्थीसिया, रेडियोलॉजी और पीडियाट्रिक्स के विशेषज्ञ की बहु-विषयक टीम ने इस इलेक्ट्रोल सर्जरी को अंजाम दिया। कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नाइक के अनुसार, एएलसीएपीए हार्ट अटैक के सबसे दुर्लभ और जटिल चैलेंज में से एक है दुनिया में केवल कुछ ही विशेष चिकित्सा केंद्र जैसे गंभीर मामलों का इलाज करने में सक्षम हैं।

मकान मालिकों एवं किरायेदारों को थाने में सूचना देने की हिदायत

अभियान के दौरान कुल 138 मकानों में सर्चिंग कार्रवाई की गई

रायपुर। डीसीपी पश्चिम जोन संदीप पटेल एवं अतिरिक्त डीसीपी राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में थाना दीनदयाल नगर अंतर्गत इंद्रप्रस्थ कॉलोनी के ईडब्लूएस एवं एलाईजी क्वार्टर में आज तड़के सुबह एसीपी पुरानी बस्ती के नेतृत्व में थाना प्रभारी पुरानी बस्ती, आमानका एवं डी.डी. नगर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से क्षेत्र में सघन तलाशी एवं चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना, असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखना एवं आमजन में सुरक्षा संबंधी जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्रवाई के दौरान 01 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई तथा 25 संदिग्ध मोटरसाइकिलों के नंबर नोट कर सत्यापन हेतु लिया गया। साथ ही 01 बदमाश के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान क्षेत्र के किरायेदारों को किराएदार सत्यापन एवं किरायानामा संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। पुलिस टीम द्वारा मकान मालिकों को हिदायत दी गई कि वे अपने किरायेदारों का पूर्ण विवरण एवं किरायानामा संबंधित थाना में अनिवार्य रूप से जमा करें, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था एवं संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके।

साथ ही किरायेदारों को कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं पुलिस सत्यापन प्रक्रिया में सहयोग करने हेतु समझाइश दी गई। पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल संबंधित थाना को दें।

सम्पूर्ण कार्यवाही एसीपी पुरानी बस्ती देवांश सिंह राठौर की अगुवाई में थाना प्रभारी डी डी नगर गौतम चंद गावड़े,थाना प्रभारी पुरानी बस्ती विनय सिंह ,थाना प्रभारी आमानाका सुधांशु बघेल, थानों के स्टाफ एवं 80 पुलिस जवानों के द्वार सघन चेकिंग करवाई पूर्ण की गई।

सम्पूर्ण कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई एवं क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रही।

राजनांदगांव में 46 डिग्री तापमान, लू से पहली मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में उत्तर पश्चिम से गर्म और शुष्क पहाड़ों का आगमन लगातार बना हुआ है, जिसके कारण अधिकतम तापमान में वृद्धि का क्रम जारी है। शनिवार को राजनांदगांव पूरे प्रदेश में अधिकतम 46 डिग्री तक तपा। वहीं दुर्ग में तापमान 45, बिलासपुर 44.5, पेंड्रा रोड 41.6, अंबिकापुर 41.7 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजधानी रायपुर में शनिवार को 44.3,माना में 44.5 और जगदपुर में 43.1 डिग्री दर्ज किया गया। तेज़ धूप और लू के थैपेडर्स ने लोगों के जनजीवन को प्रभावित किया। मौसम विभाग ने रायपुर, बिलासपुर सहित कई उपभोक्ताओं के लिए हीटवेव की संभावनाएं जारी की हैं। वहीं बिलासपुर की मस्तूरी में लू से एक बुर्जुग भिखारी की मौत हो गई।

ग्राम जोंधरा का रहने वाला भिखारिन शाम को बाजार के पास मृत मिला। जूते की दुकान के बाहर उसका शव लटका हुआ था। बुजुर्ग दो महीने से जोंधरा में था और भिक्षा मांगकर जीवन यापन कर रहा था। वह इधर उधर घूमता था और रात को कहीं भी जाता था। पिछले दो दिन से वह बीमार थी। भीषण गर्मी और लू के बीच भी वह बाजार के पास ही पड़ा था। प्रदेश अधिकतम तापमान वृद्धि के साथ कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। प्रदेश में ग्रीष्म लहर का प्रवाह या ग्रीष्म लहर जैसी स्थिति बनी रहेगी। प्रदेश में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार एक ऊपरी हवा का चक्रीय समुद्री परिसंचरण दक्षिण बिहार और उसके आसपास 0.9 किलोमीटर की दूरी तक दर्ज किया गया है। एक उत्तर दक्षिण द्रोणिका दक्षिण पश्चिम विहार से उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश से छत्तीसगढ़ तक 0.9 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

ईंधन मांग में रिकॉर्ड बढ़ोतरी के बीच तेल कंपनियों ने निर्बाध सप्लाई का दिया भरोसा

रायपुर। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति का भरोसा दिलाया है। कंपनियों ने कहा है कि विभिन्न राज्यों में ईंधन की मांग में तेजी से वृद्धि के बावजूद आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारु बनी हुई है और 24म7 ऑपरेशन एवं लॉजिस्टिक्स समन्वय के जरिए लगातार सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है।

तेल विपणन कंपनियों के अनुसार, हाल के दिनों में कृषि गतिविधियों और फसल कटाई के चलते डीजल की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके अलावा कई क्षेत्रों में सार्वजनिक क्षेत्र के पेट्रोल पंपों की ओर उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा है। कंपनियों का कहना है कि एहतियात के तौर पर ईंधन की अतिरिक्त खरीद भी देखने को मिल रही है। मई 2026 के दौरान छत्तीसगढ़ में हाई स्पीड डीजल (।।स्ष्ठ) की खुदरा बिक्री में असाधारण वृद्धि दर्ज की गई।

राज्य के कई जिलों में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 25 प्रतिशत से अधिक वृद्धि देखी गई, जबकि कई अन्य जिलों में 10 से 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज हुई। सर्वाधिक वृद्धि बलौदाबाजार, बालोद, सक्ती, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और सूरजपुर जिलों में दर्ज की गई। वहीं रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, महासमुंद और रायगढ़ जैसे प्रमुख जिलों में भी डीजल बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। कंपनियों ने कहा कि बढ़ी हुई मांग को देखते हुए टर्मिनल, डिपो, पाइपलाइन, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट और परिवहन नेटवर्क के जरिए ईंधन की आपूर्ति लगातार बनाए रखी जा रही है। सप्लाई चेन, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क और टर्मिनल संचालन 24म7 सक्रिय हैं, जिससे उत्पादों की उपलब्धता सुचारु बनी हुई है।

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस चुनाव का ऐलान, 29 मई से शुरू होगा नामांकन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में युवा कांग्रेस चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। ऑर्गनाइजेशन के ब्लॉक और डिस्ट्रिक्ट के लिए नामांकन प्रक्रिया 29 मई से शुरू होगी और 13 जून तक। ब्लॉक, जिला और प्रदेश स्तर पर चुनाव के साथ-साथ नामांकन अभियान भी जारी किया जाएगा।

ब्लॉक एवं जिला कमेटियों के लिए नामांकन 29 मई से 13 जून तक जायेंगे। वहीं प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश विद्युत आपूर्ति के लिए 11 जून से 13 जून तक नामांकन भरने जा रहे हैं। इसके बाद 15 जून से 18 जून तक प्लांटनी की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इस बार चुनाव और सदस्यता अभियान पूरी तरह से ऑफ़लाइन मोड में होगा। युवा कांग्रेस के सदस्य बने और चुनाव लड़ने के लिए आयु सीमा 18 से 35 वर्ष तय की है। आवेदन करने वाले युवाओं की लाइव फोटो, मतदाता पहचान और आयु संबंधी दस्तावेज डिजिटल रूप से अपलोड करेंगे। खास बात यह है कि आवेदन के साथ 8 नोटबुक का वीडियो अपलोड करना भी जरूरी है। अभ्यर्थी को अपनी जानकारी होगी। चुनाव प्रक्रिया में 'एक व्यक्ति-एक पद' का नियम भी लागू रहेगा। यानी कोई भी उम्मीदवार सिर्फ एक पद के लिए ही नामांकन कर सकता है। नामांकन नामांकन करते समय उसे पुराने पद से मुक्त माना जाएगा।

जेन जी से घबराई हुई है सरकार-भूपेश बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस संगठनात्मक चुनाव 2026 और सदस्यता अभियान की घोषणा से ठीक पहले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आने वाला समय में जेन जी (Gen Z) की बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जेन जी से केन्द्र सरकार डरी हुई है।

राजीव भवन में प्रेस वार्ता में भूपेश बघेल ने कहा कि ये नहीं भूलना चाहिए कि पड़ोसी देशों नेपाल, बांग्लादेश एवं श्रीलंका में बदलाव जेन जी ने ही लाया है। ये जमाना जेन जी का है। बघेल ने कहा कि देश में युवक कांग्रेस की अपनी अलग अहमियत है। 80 के लोकसभा चुनाव में युवक कांग्रेस ने महती भूमिका अदा की थी। राहुल गांधी जब युवक कांग्रेस के प्रभारी बने तो यह संगठन और मजबूत हुआ। आज युवक कांग्रेस अपनी ताकत दिखाने को तैयार है। आज दौर ऐसा है कि मीडिया को चूप करा दिया जा रहा है। उद्योगपतियों को चूप करा दिया जा रहा है। देश में अघोषित आपातकाल की स्थिति है। राहुल गांधी जेन जी को बदलाव लाने आमंत्रित कर रहे हैं। आगे नेतृत्व नई पीढ़ी ही करेगी।

बघेल ने कहा कि 1947 में देश अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त हुआ था। आज देश अमरीका के कुचक्र में फंसते चले जा रहा है। महंगाई आसमान पर है। एक ही हफते में पेट्रोल डीजल के दाम 3 बार बढ़ गए।

अवैध शराब बिक्री, सांसद ने अधिकारियों को लगाई फटकार

रायपुर। राजधानी रायपुर में अवैध शराब की बिक्री को लेकर भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कड़ा रुख अपनाया है। सुशासन तिहार शिविर के दौरान सांसद ने अधिकारियों को खुले मंच से फटकार लगाते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए। उनका यह बयान और वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है।

इन इलाकों का लिया नाम, कार्रवाई के निर्देश

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर के कई विशिष्ट क्षेत्रों का नाम लेते हुए सीधे अधिकारियों को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि:भाठागांव, मठमुरैना और संतोषी नगर जैसे इलाकों में खुलेआम अवैध शराब का कारोबार चल रहा है।इस अवैध धंधे को तुरंत पूरी तरह से रोका जाना चाहिए।अवैध शराब बेचने वाले चाहे कितने भी प्रभावशाली हों, उन्हें तुरंत जेल भेजा जाए।'

क्या पुलिस और आबकारी विभाग सो रहा है?

अधिकारियों की लापरवाही पर तीखे सवाल उठाते हुए सांसद ने मंच से कहा, 'जब एक जनप्रतिनिधि होने के नाते मुझे इन क्षेत्रों में चल रही अवैध शराब बिक्री की पूरी जानकारी है, तो पुलिस और आबकारी विभाग को इसकी भनक क्यों नहीं है?' उन्होंने इस मुद्दे को समाज और युवाओं के भविष्य से जुड़ा एक बेहद गंभीर मामला बताया।

पहले भी वायरल हो चुका है अधिकारियों को फटकारने का वीडियो

यह पहला मौका नहीं है जब सांसद बृजमोहन अग्रवाल का अधिकारियों पर गुस्सा फूटा हो। इससे पहले भी आरंग क्षेत्र के समोदा नगर पंचायत में आयोजित एक कार्यक्रम का वीडियो वायरल हुआ था। उस समय उन्होंने भ्रष्टाचार और जनता की शिकायतों को लेकर मंच पर ही नायब तहसीलदार से तीखे सवाल पूछे थे और जमकर क्लास लगाई थी।

सोशल मीडिया पर जनता उठा रही कार्रवाई की मांग

सांसद के इस बेबाक बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोग लगातार इस वीडियो को शेयर कर रहे हैं। राजधानी की जनता अब पुलिस और प्रशासन से इन चिन्हित इलाकों में तत्काल छापेमारी और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग कर रही है।

मेंस रिजल्ट को लेकर बवाल : 7 दिन में नतीजे कैसे?

मेंस रिजल्ट को लेकर बवाल: 7 दिन में नतीजे कैसे? अभ्यर्थी पहुंचे हाईकोर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग एक बार फिर विवादों में है। 19 अप्रैल 2026 को हुई सीजीपीएससी मुख्य परीक्षा का परिणाम महज एक सप्ताह में जारी कर देने से पूरी चयन प्रक्रिया कठघरे में आ गई है। अभ्यर्थियों ने पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर इंटरव्यू और नियुक्ति प्रक्रिया पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है।

मामला कोर्ट मैनेजर भर्ती परीक्षा 2026 से जुड़ा है। याचिकाकर्ता अभ्यर्थियों का आरोप है कि इतनी बड़ी परीक्षा की हजारों उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन सिर्फ 7 दिन में निष्पक्ष तरीके से कर पाना संभव ही नहीं है। अभ्यर्थियों ने पहले आयोग से शिकायत की, फिर ऋञ्जढ्ढ के तहत जानकारी मांगी, लेकिन कहीं से संतोषजनक जवाब नहीं मिला। थक-हारकर उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

21 मई को अवकाशकालीन पीठ में न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार व्यास के समक्ष सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता सुमित सिंह राठौर और दीपा श्रीवास ने दलील दी कि चयन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं हैं। उन्होंने मुख्य परीक्षा की न्यायिक जांच कराने, सभी अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं सार्वजनिक करने और 22 मई से प्रस्तावित इंटरव्यू पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। कोर्ट में आयोग की ओर से कोई ठोस जवाब पेश नहीं हो सका, जिसके बाद अगली सुनवाई 5 अगस्त 2026 तय की गई

अभ्यर्थियों के 3 बड़े आरोप

असंतुष्ट अभ्यर्थियों ने चयन प्रक्रिया पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। पहला, उनका दावा है कि इंटरव्यू के लिए ऐसे कई उम्मीदवार चुने गए हैं जिन्होंने मुख्य परीक्षा में लगभग खाली कॉपियां जमा की थीं। दूसरा, एक ही परीक्षा कक्ष से असामान्य रूप से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जो मिलीभगत की ओर इशारा करता है। तीसरा, परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा जांच और ड्रेस कोड को लेकर भेदभाव बरता गया। अभ्यर्थियों का कहना है कि कुछ उम्मीदवारों को विशेष छूट दी गई, जबकि आम परीक्षार्थियों पर सख्ती की गई।याचिकाकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि हाईकोर्ट से निष्पक्ष जांच के आदेश नहीं मिले तो वे सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। उनका कहना है कि पारदर्शिता के अभाव में हजारों योग्य उम्मीदवारों का भविष्य दांव पर लग गया है। फिलहाल सभी की निगाहें 5 अगस्त की सुनवाई पर टिकी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन, जनसहभागिता से गूंजा बलौदाबाजार

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (22 मई) पर पूरे देश में प्रकृति संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बलौदाबाजार के वनमण्डलाधिकारी ने कहा कि हम सभी जैव विविधता के संरक्षण व संवर्धन का सामूहिक संकल्प लें और प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर एक टिकाऊ एवं समावेशी भविष्य का निर्माण करें। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर बलौदाबाजार वनमण्डल के विभिन्न वन परिक्षेत्रों एवं अभयारण्य क्षेत्रों में व्यापक जन-जागरूकता और सहभागिता आधारित कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर संगोष्ठी, शपथ ग्रहण, चित्रकला प्रतियोगिता, सीड बॉल निर्माण, पौधरोपण, जन-जागरूकता कार्यशालाओं और सांस्कृतिक मंचन के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण तथा पर्यावरणीय संतुलन के महत्व को आमजन तक पहुँचाया गया।

जैव विविधता हमारे जीवन और पर्यावरण का आधार- डीएफओ

कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बलौदाबाजार के वनमण्डलाधिकारी श्री धम्मशील गणवीर ने कहा, जैव विविधता केवल प्रकृति की बाह्य सुंदरता नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन और संपूर्ण पर्यावरण संतुलन का मूल आधार है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक समृद्ध, स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित करने हेतु आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं और बच्चों को प्रकृति के संरक्षण से जोड़ना आज के समय की महती आवश्यकता है।

संपादकीय

गंगा दशहरा : श्रद्धा, शुद्धि और सनातन परंपरा

महेन्द्र तिवारी

गंगा दशहरा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दिन माँ गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। भारत में गंगा केवल एक नदी नहीं बल्कि जीवन, आस्था, मोक्ष और संस्कृति की धारा मानी जाती है। करोड़ों लोगों की श्रद्धा गंगा से जुड़ी हुई है। भारतीय सभ्यता का विकास गंगा के तटों पर हुआ और आज भी गंगा भारतीय जनजीवन की आत्मा मानी जाती है। गंगा दशहरा का पर्व मनुष्य को केवल धार्मिक आस्था से नहीं जोड़ता बल्कि प्रकृति, जल और संस्कृति के महत्व का भी स्मरण कराता है।

अयोध्या के राजा सगर सूर्यवंश (इक्ष्वाकु वंश) के एक अत्यंत प्रतापी और शक्तिशाली चक्रवर्ती सम्राट थे। वे भगवान श्रीराम के पूर्वज थे। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार अयोध्या के राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ कराया था। उस यज्ञ का घोड़ा इंद्र के भय के कारण कपिल मुनि के आश्रम में पहुंच गया। राजा सगर के 60000 पुत्र घोड़े की खोज करते हुए वहाँ पहुंचे और उन्होंने कपिल मुनि पर चोरी का आरोप लगा दिया। उनके अपमान से क्रोधित होकर कपिल मुनि ने अपने तपोबल से सभी पुत्रों को भस्म कर दिया। उन आत्माओं की मुक्ति तभी संभव थी जब स्वर्ग से गंगा पृथ्वी पर आकर उनके अस्थि अवशेषों को स्पर्श करती। कई पीढ़ियों तक प्रयास चलता रहा, अंततः राजा भगीरथ ने कठोर तपस्या करके ब्रह्मा जी को प्रसन्न किया। ब्रह्मा जी ने गंगा को पृथ्वी पर जाने की अनुमति दी लेकिन गंगा का वेग इतना प्रचंड था कि पृथ्वी उसे सहन नहीं कर सकती थी। तब भगवान शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को धारण किया और धीरे-धीरे पृथ्वी पर प्रवाहित किया। इसी घटना की स्मृति में गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है।

गंगा दशहरा का धार्मिक महत्व अत्यंत व्यापक है। यह माना जाता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से मनुष्य के 10 प्रकार के पापों का नाश होता है। दशमी तिथि होने के कारण इसे दशहरा कहा जाता है। धर्मग्रंथों में बताया गया है कि मनुष्य के 10 प्रकार के पाप होते हैं जिनमें 3 शरीर से, 4 वाणी से और 3 मन से किए जाते हैं। गंगा स्नान और पूजा से इन पापों से मुक्ति मिलती है। यही कारण है कि इस दिन लाखों श्रद्धालु हरिद्वार, वाराणसी, प्रयागराज, ऋषिकेश और गंगासागर जैसे तीर्थ स्थलों पर एकत्र होते हैं।

गंगा भारतीय समाज में केवल धार्मिक प्रतीक नहीं है बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन की आधारशिला भी है। गंगा नदी लगभग 2525 किलोमीटर लंबी है और उत्तराखंड के गोमुख से निकलकर बंगाल की खाड़ी में मिलती है। इसका विशाल क्षेत्र भारत और बांग्लादेश के करोड़ों लोगों को जल प्रदान करता है। खेती, पेयजल, व्यापार और आजीविका का बड़ा हिस्सा गंगा पर निर्भर है। उत्तर भारत की उपजाऊ भूमि गंगा की देन मानी जाती है। गंगा के किनारे बसे नगरों ने भारतीय संस्कृति, साहित्य, संगीत और अध्यात्म को समृद्ध किया है।

गंगा दशहरा के अवसर पर विशेष पूजा और अनुष्ठान किए जाते हैं। लोग प्रातःकाल गंगा स्नान करते हैं और सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इसके बाद माँ गंगा की आरती, दीपदान और मंत्रोच्चार किया जाता है। श्रद्धालु फूल, दूध, अक्षत और प्रसाद अर्पित करते हैं। कई स्थानों पर भंडारे और दान पुण्य का आयोजन होता है। जल से भरे कलश, पंखे, वस्त्र, फल और अन्न का दान विशेष फलदायी माना जाता है। इस दिन गंगा स्तोत्र और गंगा चालीसा का पाठ भी किया जाता है।

भारतीय साहित्य और लोकजीवन में गंगा का विशेष स्थान है। कवियों और संतों ने गंगा को मोक्षदायिनी, पापहारिणी और जीवनदायिनी कहा है। तुलसीदास, कबीर, सूरदास और अन्य अनेक कवियों की रचनाओं में गंगा का उल्लेख मिलता है। लोकगीतों में गंगा माँ की महिमा का वर्णन आज भी सुनाई देता है। विवाह, जन्म, मृत्यु और अन्य संस्कारों में गंगाजल का प्रयोग शुभ माना जाता है। यह विश्वास भारतीय जनमानस में गहराई से जुड़ा हुआ है कि गंगाजल पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है।

गंगा दशहरा केवल धार्मिक पर्व नहीं बल्कि सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। इस अवसर पर विभिन्न वर्गों और समुदायों के लोग एक साथ पूजा और स्नान करते हैं। मेलों में लोक संस्कृति की झलक दिखाई देती है। ग्रामीण और शहरी जीवन के लोग समान रूप से इस पर्व में भाग लेते हैं। यह पर्व भारतीय समाज में सामूहिकता, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। वर्तमान समय में गंगा नदी कई चुनौतियों का सामना कर रही है। बढ़ता प्रदूषण, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक कचरा और अवैज्ञानिक विकास कार्य गंगा की पवित्रता और अस्तित्व को प्रभावित कर रहे हैं। कई स्थानों पर गंगा का जल प्रदूषित हो चुका है जिससे जलीय जीवों और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। गंगा दशहरा का पर्व हमें यह भी संदेश देता है कि केवल पूजा और आस्था पर्याप्त नहीं है, बल्कि गंगा की स्वच्छता और संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास भी आवश्यक हैं। सरकार और समाज द्वारा गंगा संरक्षण के लिए अनेक योजनाएँ चलाई गई हैं।

जनस्वास्थ्य पर बाजार का बढ़ता कब्ज़ा

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य केवल चिकित्सा सेवा का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का विषय भी है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके नागरिकों के स्वास्थ्य स्तर से मापी जाती है। यदि समाज का बड़ा हिस्सा उपचार, दवाइयों, पोषण और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित रह जाए, तो आर्थिक विकास के दावे खोखले साबित होते हैं। दुर्भाग्य से पिछले कुछ दशकों में भारत सहित विश्व के अनेक देशों में स्वास्थ्य क्षेत्र का तेजी से बाजारीकरण हुआ है। स्वास्थ्य सेवा, जो मूलतः मानव अधिकार मानी जानी चाहिए थी, धीरे-धीरे लाभ कमाने वाले उद्योग में बदलती चली गई। निजी अस्पतालों, महंगी दवाओं, बीमा-आधारित उपचार और कॉरपोरेट चिकित्सा व्यवस्था ने आम नागरिक, विशेषकर गरीब और ग्रामीण वर्ग, को स्वास्थ्य सुविधाओं से दूर कर दिया है। ऐसे समय में भारतीय राज्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है कि वह सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करे और जमीनी स्तर तक उसकी पहुँच सुनिश्चित करे।

भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या असमानता है। महानगरों में अत्याधुनिक अस्पताल और सुपर-स्पेशियलिटी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जबकि दूरदराज़ ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पर्याप्त डॉक्टर, दवाइयाँ और उपकरण नहीं हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और पहुँच किसी भी लोकतांत्रिक राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। लेकिन भारत में स्थिति यह है कि लाखों लोग केवल आर्थिक अभाव के कारण उपचार नहीं करा पाते। निजी अस्पतालों का खर्च इतना अधिक है कि एक गंभीर बीमारी पूरे परिवार को गरीबी में धकेल सकती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य खातों की रिपोर्टें बताती हैं कि भारत में स्वास्थ्य पर होने वाला 'आउट ऑफ पॉकेट एक्सपेंडिचर' अभी भी बहुत अधिक है। इसका अर्थ है कि लोगों को इलाज का बड़ा हिस्सा अपनी जेब से देना पड़ता है। यही बाजारीकरण का सबसे खतरनाक परिणाम है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए सबसे पहले राज्य को प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना होगा। भारत के गाँवों और छोटे कस्बों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (क्रा॥ष्ट) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्ट॥ष्ट) स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं। लेकिन अधिकांश केंद्रों में डॉक्टरों की कमी, दवाइयों का अभाव, खराब भवन और उपकरणों की कमी जैसी समस्याएँ बनी रहती हैं। सरकार को स्वास्थ्य बजट में पर्याप्त वृद्धि करके इन संस्थानों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना चाहिए। प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित डॉक्टर, प्रशिक्षित नर्सें, लैब सुविधाएँ और आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराना अनिवार्य होना चाहिए। यदि प्राथमिक स्तर पर ही रोगों की पहचान और उपचार संभव हो जाए, तो बड़े अस्पतालों पर दबाव कम होगा और गरीब लोगों को शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा।

इसके साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं

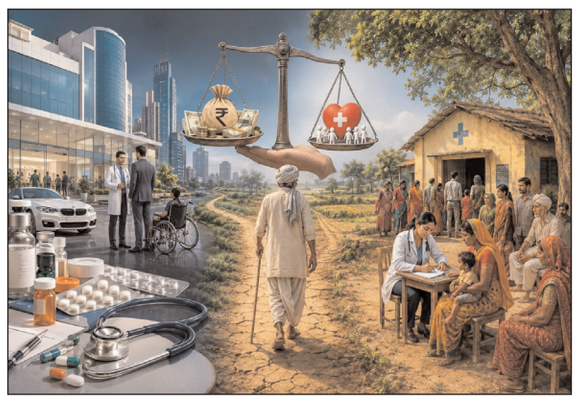

का विकेंद्रीकरण भी आवश्यक है। केवल जिला अस्पतालों पर निर्भर रहने से दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। राज्य सरकारों को पंचायत स्तर तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना चाहिए। आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सेवाएँ और सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवकों को मजबूत बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता और प्राथमिक उपचार को बढ़ावा दिया जा सकता है। कोविड-19 महामारी के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होती है। यदि इन कार्यकर्ताओं को बेहतर प्रशिक्षण, सम्मानजनक वेतन और संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ, तो वे स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर तक पहुँचाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीक का उपयोग भी जमीनी स्तर पर पहुँच बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। टेलीमेडिसिन, मोबाइल हेल्थ यूनिट्स और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड जैसी व्यवस्थाएँ दूरदराज़ क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेवाएँ उपलब्ध कराने में सहायक हो सकती हैं। भारत में कई ऐसे गाँव हैं जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों का पहुँचना कठिन है। ऐसे क्षेत्रों में ऑनलाइन परामर्श और डिजिटल डायग्नोस्टिक सेवाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि तकनीक को मानव संपर्क का विकल्प नहीं, बल्कि सहयोगी माध्यम के रूप में विकसित करना होगा। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के साथ स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति भी जरूरी है ताकि कम साक्षरता वाले लोग भी इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

सस्ती और सार्वभौमिक दवा उपलब्धता भी सार्वजनिक स्वास्थ्य विस्तार का एक आवश्यक पहलू है। निजी बाजार में दवाइयों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। राज्य को जनऔषधि केंद्रों का विस्तार करना चाहिए और आवश्यक दवाओं की मूल्य-नियंत्रण नीति को प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए। गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लोगों के लिए मुफ्त या अत्यंत सस्ती दवाओं की उपलब्धता स्वास्थ्य असमानता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके साथ ही सरकारी अस्पतालों में आवश्यक जाँच सुविधाएँ और दवाइयाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि लोगों को निजी प्रयोगशालाओं और मेडिकल स्टोरों पर निर्भर न रहना पड़े।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए मानव संसाधन की कमी भी एक बड़ी चुनौती है। ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों और विशेषज्ञों की भारी कमी बनी रहती है क्योंकि अधिकांश चिकित्सक शहरी क्षेत्रों में कार्य करना पसंद करते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए सरकार को ग्रामीण सेवा को प्रोत्साहित करने वाली नीतियाँ बनानी चाहिए। मेडिकल छात्रों के लिए ग्रामीण सेवा अनिवार्य करना, बेहतर वेतन, आवास और सुरक्षा सुविधाएँ देना तथा स्थानीय युवाओं को चिकित्सा शिक्षा में अवसर प्रदान करना उपयोगी कदम हो सकते हैं। यदि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय समुदाय से जुड़े डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी तैयार किए जाएँ, तो स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिरता और विश्वसनीयता दोनों बढ़ेंगी।

सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवारक स्वास्थ्य देखभाल को भी प्राथमिकता देनी होगी। भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था अभी भी रोग होने के बाद उपचार पर अधिक केंद्रित है, जबकि स्वच्छता, पोषण, टीकाकरण और स्वास्थ्य शिक्षा जैसे क्षेत्रों में निवेश अपेक्षाकृत कम है। यदि राज्य स्वच्छ पेयजल, पोषण कार्यक्रम, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण जैसी योजनाओं को मजबूत करे, तो अनेक बीमारियों को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सकता है। यह न केवल लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था पर आर्थिक बोझ भी कम करेगा।

राज्य को निजी स्वास्थ्य क्षेत्र के नियमन में भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। निजी अस्पतालों की मनमानी फीस, अनावश्यक जाँच और व्यावसायिक शोषण आम समस्या बन चुकी है। कई बार मरीजों की मजबूरी को लाभ कमाने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। सरकार को एक मजबूत नियामक ढांचा विकसित करना चाहिए जो उपचार शुल्क, दवाइयों की कीमत और चिकित्सा नैतिकता की निगरानी कर सके। स्वास्थ्य सेवा को केवल बाजार के भरोसे छोड़ देना लोकतांत्रिक राज्य की जिम्मेदारी से पीछे हटने जैसा होगा।

स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाना भी जरूरी है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब परिवारों को राहत प्रदान की है, लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में लोग इनके दायरे से बाहर हैं। कई बार बीमा योजनाएँ केवल अस्पताल आधारित उपचार तक सीमित रह जाती हैं और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को पर्याप्त महत्व नहीं मिलता।

समाज का आईना है पत्रकारिता

अशोक मतवाला

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा, विकास, चुनौतियाँ और आज की प्रासंगिकता को समाहित किया गया है। हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षः शब्दों की रोशनी से डिजिटल युग तक 30 मई 1826—यह तारीख भारतीय जनचेतना के इतिहास में एक मील का पत्थर है। इसी दिन पंडित जुगल किशोर शुक्ल द्वारा कोलकाता से प्रकाशित उदन्त मार्तण्ड ने हिंदी पत्रकारिता की नींव रखी। यह वह समय था जब अंग्रेजी, फारसी और बंगला में अखबार निकलते थे, पर हिंदी भाषियों के लिए कोई मंच नहीं था। उदन्त मार्तण्ड ने पहली बार हिंदीभाषी समाज को यह एहसास कराया कि उनकी भाषा भी समाचार, विचार और संवाद की भाषा बन सकती है। यह अखबार केवल 79 अंकों तक चला, लेकिन जिस चिंगारी को उसने जलाया, उसने आने वाले दो सौ वर्षों में एक विशाल अग्निशिखा का रूप ले लिया। हिंदी पत्रकारिता का यह 200 वर्ष का सफर केवल मीडिया का इतिहास नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक-राजनीतिक विकास का जीवंत दस्तावेज है।हिंदी पत्रकारिता का प्रारंभिक दौर संघर्षों से भरा था। वितरण की कठिनाइयाँ, पाठकों की सीमित संख्या और औपनिवेशिक सत्ता की उदासीनता ने इसे कई बार कमजोर किया, परंतु यह यात्रा रुकी नहीं। 19वीं सदी के उत्तरार्ध में भारतेंदु हरिश्चंद्र ने पत्रकारिता को नई दिशा दी। उन्होंने भाषा को सरल, आधुनिक और जनसुलभ बनाया। उनके लेखन ने पत्रकारिता को साहित्यिक ऊँचाई भी दी और सामाजिक चेतना भी। इसी काल में हिंदी पत्रकारिता ने राष्ट्रीयता, सामाजिक सुधार और जनजागरण को अपना मूल स्वर बनाया। 20वीं सदी के आरंभ तक आते-आते हिंदी पत्रकारिता स्वतंत्रता आंदोलन की धड़कन बन चुकी थी। प्रताप, आज, सरस्वती, कवि वचन सुधा जैसे पत्र केवल समाचार नहीं देते थे, बल्कि जनता को संगठित करते थे, अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाते थे और ब्रिटिश शासन की नीतियों पर तीखे प्रश्न करते थे। गणेश शंकर विद्यार्थी जैसे पत्रकारों ने अपने लेखन और अपने जीवन दोनों से पत्रकारिता के मूल धर्म—सत्य और साहस—को परिभाषित किया। कई संपादक जेल गए, कई अखबार बंद किए गए, कई पर भारी जुर्माने लगे, लेकिन हिंदी पत्रकारिता ने अपनी भूमिका नहीं छोड़ी। यह वही दौर था जब पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि आंदोलन थी।स्वतंत्रता के बाद हिंदी पत्रकारिता ने एक नए युग में प्रवेश किया। अब उसका लक्ष्य राष्ट्र-निर्माण, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और सामाजिक विकास था। ग्रामीण भारत तक पहुँचने वाला सबसे प्रभावी माध्यम अखबार ही थे। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, भ्रष्टाचार, प्रशासनिक सुधार और जनहित के मुद्दों को उठाकर हिंदी पत्रकारिता ने लोकतंत्र को मजबूत किया। इसी काल में हिंदी अखबारों का प्रसार अभूतपूर्व रूप से बढ़ा। दैनिक जागरण, अमर उजाला, हिंदुस्तान, नवभारत टाइम्स जैसे अखबारों ने हिंदी पत्रकारिता को नई ऊँचाइयाँ दीं और इसे देश का सबसे बड़ा मीडिया वर्ग बना दिया।भाषा के स्तर पर भी पत्रकारिता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उसने हिंदी को आधुनिक शब्दावली दी, नए मुहावरे दिए, और उसे जनभाषा से राष्ट्रभाषा की ओर अग्रसर किया। पत्रकारिता ने ही 'लोकतंत्र', 'संविधान', 'अर्थव्यवस्था', 'भ्रष्टाचार', 'विकास' जैसे शब्दों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया। यह केवल शब्द नहीं थे—ये विचार थे, जिन्होंने समाज की सोच बदली और नागरिकों को जागरूक बनाया। 21वीं सदी में डिजिटल क्रांति ने पत्रकारिता का स्वरूप पूरी तरह बदल दिया। अब खबरें मिनट-दर-मिनट बदलती हैं। सोशल मीडिया ने हर नागरिक को सूचना-वाहक बना दिया है। हिंदी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या अंग्रेजी उपयोगकर्ताओं से अधिक हो चुकी है, और यह संख्या तेजी से बढ़ रही है।

इसका अर्थ है कि आने वाला समय हिंदी पत्रकारिता के लिए अवसरों से भरा है।लेकिन डिजिटल युग चुनौतियाँ भी लेकर आया है—फेक न्यूज़, क्लिकबेट, ट्रोल संस्कृति, और सत्यापन की कमी ने पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े किए हैं। ऐसे समय में पत्रकारिता के लिए सबसे बड़ी चुनौती है—विश्वास बनाए रखना।

बोध कथा

महानता और संपूर्णता का आधार है संतुलित जीवन

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। राजपुर नामक एक सुंदर राज्य में अर्जुन नाम का एक बुद्धिमान व्यापारी रहता था। वह अपने व्यापार में अत्यंत सफल था, लेकिन उसे हमेशा अधिक धन कमाने की लालसा रहती थी। इसी कारण, वह दिन-रात काम करता और अपने परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक जीवन की उपेक्षा करता था। एक दिन, वह एक संत के पास पहुंचा और बोला, 'महाराज, मैंने जीवन में बहुत धन कमाया है, लेकिन फिर भी मन अशांत रहता है। कृपया मुझे शांति का मार्ग दिखाएं। संत मुस्कुराए और उसे एक जलपात्र दिया, जो पानी से भरा हुआ था। उन्होंने अर्जुन से कहा, इसे लेकर इस ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चलो, लेकिन ध्यान रहे कि एक भी बूंद पानी गिरे नहीं। अर्जुन बहुत सावधानी से चलने लगा। जब वह संत के पास लौटा तो संत ने पूछा- क्या तुमने रास्ते के सुंदर पेड़, चहकते पक्षी और ठंडी हवा का आनंद लिया? अर्जुन ने उत्तर दिया- नहीं महाराज, मैं तो केवल इस पात्र को संभालने में लगा रहा, ताकि पानी गिर न जाए। संत मुस्कुराए और बोले- यही तुम्हारी समस्या है।

व्यंग्य केसरी

राजनीति में नैतिकता की तलाश!

बेबाक बनारसी

वैज्ञानिक सालों से मंगल ग्रह पर पानी ढूंढ रहे हैं और देश के जागरूक नागरिक राजनीति में नैतिकता खोज रहे हैं। दोनों की खोज का नतीजा अब तक लगभग एक जैसा ही रहा है—दूर से कुछ चमकता हुआ दिखता है, पास जाओ तो पता चलता है कि वह सिर्फ रेगिस्तान की रेत थी या फिर किसी नेता के सफेद कुर्ते की चमक। ?आज के दौर में राजनीति में नैतिकता ढूंढना उतना ही साहसिक काम है, जितना किसी शाकाहारी रेस्तरां में जाकर 'चिकन बिरयानी' मांगना। या फिर सरदारों के मोहल्ले में नाई की दुकान. अगर आप आज किसी राजनेता के सामने 'नैतिकता' शब्द का उच्चारण कर दें, तो वह आपको ऐसे देखेगा जैसे आपने कोई प्राचीन, विलुप्त हो चुकी हड़प्पा कालीन भाषा बोल दी हो.

समय के साथ हर चीज बदलती है, तो राजनीति ने नैतिकता का भी एक नया 'अपग्रेड' निकाल लिया है। आज की राजनीति में नैतिकता कोई स्थायी सिद्धांत नहीं, बल्कि एक समय के हिसाब से बदलता हुआ टूल है.अगर कोई नेता अपनी पार्टी बदलता है, तो इसे 'अंतरात्मा की आवाज' और 'राष्ट्रहित में लिया गया फैसला' कहा जाता है। वही दल-बदल दूसरी पार्टी करे, तो इसे 'लोकतंत्र की हत्या' और 'नैतिकता का पतन' घोषित कर दिया जाता है। किसी ने ठीक कहा है. 'नैतिकता वह गोंद है जो केवल चुनाव से पहले घोषणापत्रों को चिपकाने के काम आती है। सरकार बनते ही इस गोंद की एक्सपायरी डेट खत्म हो जाती है।

आजकल नैतिकता की सबसे ज्यादा सुरक्षा पंचतारा होटल में होती है। जब भी किसी राज्य में लोकतंत्र खतरे में पड़ता है, विधायक अचानक प्रकृति प्रेमी हो जाते हैं और उन्हें बंधक... क्षमा करें, 'सुरक्षित' रखने के लिए किसी शानदार रिसॉर्ट में भेज दिया जाता है।

वहां सुबह स्विमिंग पूल के किनारे बैठकर देश के विकास पर चर्चा होती है, दोपहर में मसाज लेते हुए गठबंधन की रणनीतियां बनती हैं, और शाम को नैतिकता के जाम छलकाए जाते हैं। इसे कहते हैं—उच्च विचार, आलीशान व्यवस्था!

पुरानी फिल्मों में विलेन और हीरो का सिद्धांत साफ होता था। आज की राजनीति में विचारधाराएं इतनी मिलनसार हो चुकी हैं कि सुदूर दक्षिणपंथी और धुर वामपंथी भी सत्ता की मलाई के लिए ऐसे गले मिलते हैं, जैसे कुंभ के मेले में बिछड़े हुए भाई। ?जब दो विपरीत ध्रुव एक होते हैं, तो नैतिकता कोने में बैठकर रोती नहीं, बल्कि मुस्कुराकर कहती है, 'चलो, मेरा झंझट तो खत्म हुआ, अब सब एक जैसे हैं!'

अगर आप भी राजनीति में नैतिकता की तलाश में निकले हैं, तो कृपया अपने साथ दूरबीन, टॉर्च और ढेर सारा धैर्य लेकर चलें। वैसे, सबसे समझदारी भरा रास्ता यह है कि आप इस तलाश को छोड़कर टीवी पर कोई कॉमेडी शो देख लें। वहां कम से कम आपको पता तो होता है कि सामने वाला सिर्फ एक्टिंग कर रहा है, राजनीति की तरह 'देश सेवा' का मुखौटा पहनकर आपको 'मामा' नहीं बना रहा।

नैतिकता तो खैर अमर है, बस उसने कुछ समय के लिए राजनीति से 'वर्क फ्रॉम होम' ले लिया है।

इतिहास

24 मई का इतिहास भारत और दुनिया के लिए कई महत्वपूर्ण घटनाओं, उपलब्धियों और त्रासदियों का गवाह रहा है।प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं की सूची:1844: पहली बार इलेक्ट्रिक टेलीग्राफ लाइन का उपयोग करते हुए सैमुअल मोर्स ने वाशिंगटन डी.सी. से बाल्टीमोर (अमेरिका) के बीच अपना पहला सफल संदेश ('What hath God wrought? ') भेजा ?1883: न्यूयॉर्क शहर में मैनहट्टन और ब्रुकलिन को जोड़ने वाला ऐतिहासिक 'ब्रुकलिन ब्रिज' आधिकारिक तौर पर यातायात के लिए खोला गया ?1956: गौतम बुद्ध की 2500वीं जयंती पूरे भारत में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ?1993: इथियोपिया से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद, इरिट्रिया को आधिकारिक तौर पर संप्रभु राष्ट्र के रूप में मान्यता मिली ?2019: गुजरात के सूरत में एक दुखद अग्निकांड में कोचिंग सेंटर के 22 छात्रों की जान चली गई।

संक्षिप्त खबरें

वित्त मंत्री चौधरी ने नवा रायपुर में विकास कार्य का निरीक्षण किया

रायपुर। वित्त मंत्री चौधरी ने शनिवार को नवा रायपुर में महत्वपूर्ण विकास कार्यों का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। वे अधिकारियों को सभी सहकर्मियों को उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने और समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

वित्त मंत्री ने ओवर ब्रिज, प्रवासी पक्षियों के लिए नेस्टिंग आइलैंड, सेक्टर-10 की रोड, तेल्स वुमेन्स कॉम्प्लेक्स, पीपल गार्डन शहरी वन (पीपल कुंज), सीबीडी आईटी बिल्डिंग, कॉम्पोजिट कमीशन भवन, एनटीपीसी कार्यालय और बेकोरियम भवन, स्पोर्ट्स, ग्राउंड स्टेशन, श्रमिक कैंप सहित विभिन्न एडोसंरचना आर्किटेक्चर वन (पीपल कुंज) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर को आधुनिक, सुव्यवस्थित और विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके लिए सभी अधोसंरचना इंजीनियरों की गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा करना आवश्यक है। वे अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी और जनसुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश देते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि इन डिजिटल सिस्टम के साथ नवा रायपुर में पर्यावरण संरक्षण के साथ डिजिटल और डिजिटल पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूत बनाया जाएगा।

मोबाइल फॉरेंसिक वैन सेवा से अपराध अनुसंधान को मिलेगी नई मजबूती-गजेन्द्र यादव

रायपुर। आधुनिक कानून व्यवस्था और वैज्ञानिक अपराध अनुसंधान को सुदृढ़ करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक बड़ी पहल की है। कैबिनेट मंत्री (स्कूल शिक्षा) गजेन्द्र यादव एवं सांसद विजय बघेल ने दुर्ग जिले के लिए अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन सेवा का विधिवत हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। यह हाईटेक वैन क्षेत्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला के माध्यम से संचालित की जाएगी, जिससे अपराध अनुसंधान एवं वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी व त्वरित बनाया जा सकेगा।

घटनास्थल पर ही त्वरित परीक्षण और पारदर्शी विवेचना

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि मोबाइल फॉरेंसिक वैन के माध्यम से अब घटनास्थल पर ही वैज्ञानिक साक्ष्यों का संकलन एवं प्रारंभिक परीक्षण शीघ्रता से किया जा सकेगा। इससे गंभीर अपराधों की विवेचना अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं वैज्ञानिक होगी। उन्होंने इसे आधुनिक पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए विश्वास जताया कि इससे जिले में कानून व्यवस्था तथा अपराध नियंत्रण को और अधिक मजबूती मिलेगी।

न्यायिक प्रक्रिया और पुलिसिंग में बढ़ेगा समन्वय

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा कि यह अभिनव पहल पुलिस विभाग और फॉरेंसिक विज्ञान के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगी। यह न्यायिक प्रक्रिया में वैज्ञानिक साक्ष्यों की गुणवत्ता और उनकी विश्वसनीयता को बढ़ाने में बेहद सहायक सिद्ध होगी। कार्यशाला के दौरान तकनीकी पक्षों को रेखांकित करते हुए पुलिस महानिरीक्षक (दुर्ग रेंज) अभिषेक शांडिल्य ने बताया कि यह वैन अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों से सुसज्जित है।

बस्तर सांसद ने आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर से की भेंट, गौर मुकुट से किया अभिनंदन

जगदलपुर। आर्ट ऑफ लिविंग के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय बैंगलोर आश्रम के प्रवास पर पंहुचे बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप ने आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर से भेंट की। शनिवार को इस मुलाकात के दौरान बस्तर सांसद कश्यप के साथ उनकी धर्मपत्नी भी उपस्थित रहीं, जहां दोनों ने उनका आशीर्वाद और क्षेत्र की खुशहाली के लिए मार्गदर्शन प्राप्त किया। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि पूज्य गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर का सानिध्य पाना और उनकी दिव्य ऊर्जा को महसूस करना एक अलौकिक अनुभव है। सांसद महेश कश्यप ने इस अवसर पर आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर को बस्तर अंचल की अत्यंत समृद्ध,गौरवशाली और अनूठी जनजातीय संस्कृति के वैश्विक प्रतीक गौर मुकुट भेंटकर उनका अभिनंदन किया।

आग से 50 फीसदी झुलसे बच्चे को मिला नया जीवन

मरीज के मानसिक तनाव को कम करने के लिए इकाई में मानवीय माहौल

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के इलेक्ट्रॉनिक्स ऑफ इंडिया लिमिटेड का मस्जिद नेहरू अस्पताल और रिसर्च सेंटर के एडवांस बर्न केयर यूनिट ने गंभीर रूप से झुलसे एक बाल रोगी का सफल उपचार किया है। आधुनिक उपकरण, प्रशिक्षण टीम और मानव संसाधन देखभाल के सहयोग से यह इकाई प्रदेश में गंभीर रूप से झुलसे मरीजों के लिए उपयोगी साबित हो रही है।

बर्न एवं विभागाध्यक्ष एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा) डॉ. उदय ढाबर्डे ने बताया कि अमेरिकन बर्न एसोसिएशन के मानकों के अनुसार बच्चों में 20 प्रतिशत से अधिक और रेक में 40 प्रतिशत से अधिक जालना में अत्यंत गंभीर स्थिति बनी हुई है। संबंधित बाल रोग लगभग 50 प्रतिशत तक झुलस गया था और कई दिनों तक अन्य विभागों में उपचार के बाद सेप्टेमिया की अवस्था में जनरल नेहरू को प्रतिबंधित कर दिया गया था। मरीज के शरीर के साथ-साथ मलद्वार और मूत्रमार्ग का आसपास का हिस्सा भी गंभीर रूप से प्रभावित हुआ था, जिससे संक्रमण से संक्रमण का खतरा पैदा हो गया था। ऐसी स्थिति में यूनिट बर्न की टीम ने मरीज के उपचार के साथ उसके शारीरिक और मानसिक लक्षणों पर भी विशेष ध्यान दिया। बार-बार भोजनालय और अशानीय पीड़ा के बीच बच्चों को उच्च प्रोटीन और उच्च आहार दिया गया, कहीं और के माध्यम से पैरेंट्रल दर्शनीय स्थलों की यात्रा उपलब्ध कराई गई ताकि बैचलर प्रक्रिया को गति मिल सके। पेट के दर्द के दौरान विशेष एनाल्जेसिक इंजेक्शन नीचे दिए जा रहे हैं।

मरीज के मानसिक तनाव को कम करने के लिए इकाई में मानवीय माहौल विकसित किया गया। हाउस में खिलौने, कार और मनोरंजन की व्यवस्था की गई और टीवी पर कार्टून फिल्में बच्चों का ध्यान दर्द से हटाने का प्रयास किया गया। चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ नियमित रूप से आत्मीय संवाद करते हुए बच्चों की भर्ती कर रहे हैं।

डीपी में ऑस्ट्रेलिया कंपनी की फोटो, 20 लाख की धोखाधड़ी

भिलाई नगर। साइबर ठग ने भिलाई की नामी ऑटोमोबाइल कंपनी साईराम व्हील्स प्राइवेट लिमिटेड को 20 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने कंपनी के निदेशक की ऑस्ट्रेलिया यात्रा का लाभ उठाया और उनकी फोटो को फर्जी लाइसेंस प्रोफ़ाइल से खाते में भेज दिया। बॉस के आदेश समझकर अकाउंटेंट ने बिना अपने साथियों के नकदी शेयर कर दी। अगले दिन 48 लाख की और डिजायनर पूरी फ्रॉड पर आ गईं।

कंपनी के निर्माता यश बत्रा ने पुलिस को बताया कि साईंराम व्हील्स के शोरूम भिलाई, दुर्ग, रायपुर और राजनांदगांव में हैं। कंपनी में उनके माता-पिता श्रीचंद बत्रा और ज्योति बत्रा भी संचालक हैं। वित्तीय कार्य 13 वर्ष से अधिक समय तक बिना रुके पटेल बने रहे हैं। बड़े से पहले सभी डायरेक्टर्स की सहमति के लिए कंपनी का डूबा हुआ ग्रुप भी शामिल है।

ठगों ने इसी सिस्टम की कमजोरी पकड़ी। डायरेक्टर श्रीचंद बत्रा जब अपनी बहन से मिलने ऑस्ट्रेलिया गए, तो 21 मई को दोपहर करीब 3:15 बजे अनसुने पटेल के पास अनायास नंबर से मैसेज आया। डीपी में श्रीचंद बत्रा की फोटो लगी थी। टेक्नोलॉजी में खुद को ट्रांसफर करने और बेचने के लिए एक एचडीएफसी बैंक को कंपनी के एसबीआई बैंक अकाउंट में बेनीफिशरी लिंक पर तुरंत 20 लाख ट्रांसफर करने को कहा गया है। ईकेटेंट ने बॉस का हुक्म हड़प लिया शाम 4:45 बजे तक नोट भेजा गया। 20 लाख की ताजातरीन खबर सामने आई है ठगों की... 22 मई को एक ही नंबर से 48 लाख रुपये और ट्रांसफर का मैसेज आया। लगातार बड़ी नकदी की बिक्री पर शक हुआ। उन्होंने तत्काल निदेशक यश बत्रा को बताया। यश ने ऑस्ट्रेलिया में पिता श्रीचंद बत्रा को फोन किया तो पता चला कि उन्होंने कोई पेलेट का निर्देश नहीं दिया।

सब स्टेशन निर्माण का विरोध, बवाल के बाद पुलिस ने बसों में भरकर भेजा जेल

रायपुर। राजधानी से सटे ग्राम कन्हेरा में जमकर हंगामा हुआ। यहां विद्युत विभाग 12 एकड़ जमीन पर सब स्टेशन बनाना चाहता है, लेकिन ग्रामीणों का दावा है कि यह जगह सालों पहले पंचायत ने श्मशान घाट के लिए तय की थी। विरोध कर रहे ग्रामीणों को पुलिस ने बसों में भरकर सेंट्रल जेल भेज दिया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है और गांव में तनाव का माहौल है।

श्मशान की जमीन पर दूसरा निर्माण नहीं चलेगा

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन धार्मिक और सार्वजनिक उपयोग की जमीन पर जबरन सब स्टेशन थोप रहा है। सुबह से ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और निर्माण का विरोध शुरू कर दिया। नारेबाजी के बीच ग्रामीणों ने साफ कहा कि श्मशान घाट की जमीन पर किसी दूसरे प्रोजेक्ट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विद्युत विभाग के अफसर ग्रामीणों को समझाने पहुंचे, लेकिन बात नहीं बनी। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और बसों में भरकर सीधे सेंट्रल जेल ले गई।

ग्राम कन्हेरा की 12 एकड़ जमीन पर विद्युत सब स्टेशन प्रस्तावित है, मगर ग्रामीणों का कहना है कि यह जमीन पंचायत ने सालों पहले श्मशान घाट के लिए आरक्षित की थी। इधर विभाग के अफसर जमीन को सरकारी बताकर काम शुरू कराने पर अड़े हैं। इस मुद्दे को लेकर गांव में तनाव बरकरार है और निर्माण कार्य रुका हुआ है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर श्मशान की जमीन पर निर्माण नहीं रोका गया तो आंदोलन और उग्र होगा। फिलहाल पुलिस और प्रशासन के अफसर गांव में डेरा डाले हुए हैं ताकि कोई विरोध की घटना में विवाद की स्थिति न बने।

नक्सली डंप से बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक व नक्सल सामग्री बरामद

कांकेर। जिले के सीमावर्ती जंगलों में सुरक्षाबलों ने आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिली सूचना पर जिला पुलिस, डीआरजी, बीएसएफ और बीडीएस टीम के संयुक्त बल ने अलग-अलग क्षेत्रों में अभियान चलाया गया। इस दौरान बड़ी मात्रा में हथियार, बीजीएल लांचर, विस्फोटक सामग्री, डेटोनेटर, गन पाउडर, नक्सली वर्दियां और दैनिक उपयोग की वस्तुएं नक्सली डंप से बरामद की गई हैं। इसकी पुष्टि कांकेर एसपी निखिल कुमार राखेचा ने की है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार को थाना कोयलीबेड़ा क्षेत्र में पहला डंप सीमावर्ती क्षेत्र के पल्लाहूर और जपमरका के जंगलों में मिला। इसमें एक कंट्रीमेड बीजीएल लांचर, 25 बीजीएल सेल, चार इम्प्रोवाइज्ड फायर कार्टिज और एक एके-47 व एक एसएलआर के खाली कार्टिज शामिल थे। पांच किलोग्राम गन पाउडर, 10 बड़े सुतली बम, तीन नक्सली वर्दी, एक सोलर चार्जर, 50 फीट वायर और मेडिकल किट भी बरामद हुई।

थाना छोटेबेठिया क्षेत्र में दूसरी कार्रवाई में सीमावर्ती क्षेत्र के मरकाबेड़ा, आदनार और एलूर के जंगल से तीन 12 बोर राइफल, एक बीजीएल लांचर, छह बीजीएल सेल और 100 ग्राम बारूद बरामद किया। एक पोच, 800 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर और 200 नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर बरामद किया गया है।

राजनांदगांव बनेगा शतरंज का हब : सिंह

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव के दिग्विजय स्टेडियम में शतरंज का प्रशिक्षण ले रहे नन्हें खिलाड़ियों से आत्मीय मुलाकात की। बच्चों की असाधारण प्रतिभा, आत्मविश्वास और खेल के प्रति उनके समर्पण की सराहना करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि राजनांदगांव अंचल में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। अब शतरंज को विशेष प्राथमिकता देते हुए राजनांदगांव जिले को राज्य के चेस हब (शतरंज केंद्र) के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने शहर को इस खेल का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए एक सुनियोजित कार्ययोजना तैयार करने तथा खिलाड़ियों को वर्षभर निरंतर उच्च स्तरीय प्रशिक्षण व प्रतियोगिताएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार होंगे खिलाड़ी

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की उभरती खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के लिए सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने गर्व व्यक्त करते हुए कहा, दिग्विजय स्टेडियम अब केवल एक खेल का मैदान नहीं, बल्कि भविष्य के वैश्विक चौम्पियन तैयार करने की नर्सरी बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्टेडियम में खिलाड़ियों की सुविधा के लिए लगभग 29 लाख रुपए की लागत से आवश्यक आधारभूत संरचना व खेल अधोसंरचना को सुदृढ़ किया जा रहा है। शतरंज जैसे बौद्धिक खेल को बढ़ावा देने से युवाओं की ऊर्जा को एक सकारात्मक और नई दिशा मिलेगी।

7 वर्षीय माहिका की प्रतिभा से हुए अभिभूत

स्टेडियम भ्रमण के दौरान डॉ. रमन सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों से सौजन्य भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। इसी कड़ी में उन्होंने कक्षा दूसरी में अध्ययनरत सात वर्षीय नन्हीं खिलाड़ी माहिका डाकलिया से विशेष मुलाकात की और उनकी खेल यात्रा की जानकारी ली।

नजूल जमीन पर 9 साल पुराना कब्जा होने पर ही दिया जाएगा पट्टा

जगदलपुर। बस्तर संभाग के एक नगर निगम, 5 नगर पालिका परिषदों और 6 नगर पंचायतों के ऐसे हजारों गरीब परिवारों के लिए बड़ी राहत की खबर है, जो सालों से नजूल जमीन पर झुग्गी-झोपड़ी या कच्चे मकान बनाकर रह रहे थे। राज्य सरकार अब ऐसे अवैध कब्जाधारियों को बेदखली के डर से मुक्ति दिलाते हुए उस जमीन का वास्तविक मालिकाना हक देने की तैयारी कर रही है।

इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण शर्तें तय की गई हैं। सबसे अहम शर्त यह कि आवेदक के परिवार की कुल वार्षिक आय 2.5 लाख रुपए से अधिक नहीं हो। नजूल की जमीन पर अपना पुराना कब्जा साबित करने और योजना का लाभ लेने के लिए हितग्राहियों को बहुस्तरीय दस्तावेजों की जांच से गुजरना होगा। आवेदकों को पिछले 9 वर्षों का वैध बिजली बिल या राशन कार्ड, संबंधित नगरीय निकायों में जमा किए गए जलकर की रसीद, संपत्ति कर के भुगतान के दस्तावेज या रसीदें, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया गया 2.5 लाख रुपए से कम का आय प्रमाण पत्र दिखाना होगा। योजना में पात्रता के लिए निश्चित समय सीमा भी तय है। इसका लाभ उन्हीं कब्जाधारियों को मिलेगा, जिनका संबंधित नजूल भूमि पर कब्जा 20 अगस्त 2017 या उससे पहले का प्रमाणित होगा। यानी पिछले लगभग 9 साल से जो परिवार वहां लगातार निवास कर रहे हैं, वही इस योजना के दायरे में शामिल किए जाएंगे। अगस्त 2017 के बाद सरकारी या नजूल भूमि पर नया कब्जा करने वालों को पूरी तरह अपात्र माना जाएगा और उन्हें मालिकाना हक नहीं दिया जाएगा।

इसके लिए जिला नजूल शाखा को व्यापक स्तर पर सर्वे करने के निर्देश हैं । इस योजना से उन परिवारों को ज्यादा फायदा होगा, जो लंबे समय से सरकारी जमीन पर मकान बनाकर रह रहे हैं, लेकिन कानूनी मान्यता न होने से प्रशासनिक कार्रवाई की आशंका से घिरे थे।

कच्चापाल में उमड़ी कृषि क्रांति की नई बयार

क्लस्टर खेती और विविधीकरण से सँवरेगा वनांचल के किसानों का भविष्य

नारायणपुर। जिले के विकासखंड ओरछा के सुदूर ग्राम कच्चापाल के पारंपरिक परिवेश (घोटूल) में हाल ही में विकास की एक नई इबारत लिखी गई। यहाँ जब कृषि, उद्यानिकी और पशुपालन विभाग के अधिकारी और स्थानीय ग्रामीण एक साथ जमीन पर बैठे, तो उनका मकसद सिर्फ सरकारी योजनाओं का प्रचार करना नहीं, बल्कि वनांचल के किसानों की तकदीर और तस्वीर बदलने का एक साझा संकल्प था। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप, अंदरूनी क्षेत्रों के किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए यहाँ एक विशेष बैठक और मैदानी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह रणनीतिक पहल किसानों को संगठित और विविधीकृत कृषि पद्धतियों से जोड़कर उनकी आय को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

क्लस्टर आधारित खेती- कम लागत में अधिक मुनाफे का मंत्र

मैदानी संवाद के दौरान विभागीय अधिकारियों ने पारंपरिक ढर्रे से हटकर आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने पर विशेष जोर दिया। किसानों को समझाया गया कि अलग-अलग बिखर कर खेती करने के बजाय क्लस्टर आधारित कृषि प्रणाली (सामूहिक खेती) आज के समय की बड़ी जरूरत है। अधिकारियों ने इसके वैज्ञानिक और व्यावहारिक लाभ गिनाते हुए बताया कि समूह में एक जैसी फसलें लेने से खाद, बीज और परिवहन की लागत आपस में बंट जाती है। आधुनिक कृषि यंत्रों और उन्नत तकनीकों का सामूहिक उपयोग बेहद आसान हो जाता है। बिचौलियों से मुक्ति मिलती है; बड़ी मंडियों और व्यापारियों से सीधे मोल-तोल करने की क्षमता बढ़ती है, जिससे सीधे तौर पर उत्पादन और मुनाफे में वृद्धि होती है।

विविधीकरण पर ज़ोर- सिर्फ धान नहीं, अब फल, सब्जी और पशुपालन भी

वनांचल के किसानों की आय के स्रोतों को बढ़ाने के लिए कृषि, उद्यानिकी और पशुपालन तीनों विभागों ने मिलकर एक मुकम्मल रोडमैप ग्रामीणों के सामने रखा। स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों और मिट्टी के मिजाज को देखते हुए किसानों को उन्नत फल और नकदी सब्जी उत्पादन के लिए प्रेरित किया गया, ताकि उन्हें हर मौसम में नियमित आय मिलती रहे।

डोंगरगढ़ के क्रॉस पहाड़ी में नजर आया भालू का एक जोड़ा

राजनांदगांव। डोंगरगढ़-खैरागढ़ स्थित क्रॉस पहाड़ी में दो दिन पहले भालू का एक जोड़ा पत्थरों के बीच विचरण करते नजर आया। बताया जा रहा है कि जोड़े ने पिछले कुछ दिनों से पहाड़ पर अस्थाई रूप से अपना ठिकाना बना लिया है। इस संबंध में वन एसडीओ पूर्णिमा राजपूत ने बताया कि दो दिन पहले भालू पहाड़ में नजर आए हैं। मैदानी अमला सुरक्षा के अलावा अन्य तरह से दोनों पर नजर रखे हुए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोंगरगढ़-खैरागढ़ स्थित क्रॉस पहाड़ी में भालू के जोड़े को खुलेतौर पर घूमते हुए देखे जाने के बाद वन अधिकारियों ने पहाड़ पर एहतियात बरतते हुए सुरक्षा संबंधी उपाय किए हैं। लोगों को पहाड़ के समीप नहीं जाने की सलाह दी गई है। ऐसा माना जा रहा है कि पानी की तलाश में भालू पहाड़ से नीचे उतर सकते हैं। इस दौरान वह हिंसक होकर किसी पर भी हमला कर सकते हैं। क्रॉस पहाड़ी के ठीक पीछे स्थित घने जंगल से संभवत: जोड़े के आने की आशंका है। जोड़े की घूमते हुए कुछ तस्वीरें भी वन महकमे को मिली है। सोशल मीडिया में भी इस तस्वीर को वायरल किया गया है। बहरहाल भालू के जोड़े की सुरक्षा पर वन विभाग की विशेष नजर है।

मजबूत एसआईपी निवेश और विदेशी निवेशकों की बिकवाली रुपए में कमजोरी की बड़ी वजह : जेफरीज

नई दिल्ली। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने कहा कि भारतीय रुपए में हाल की गिरावट में कच्चे तेल और चालू खाते घाटे से जुड़ी चिंताओं से अधिक लगातार मजबूत घरेलू निवेश एवं विदेशी निवेशकों की बिकवाली का अधिक योगदान है।

'आईएनआर प्रेशर-द डाउनसाइड ऑफ एसआईपी' नामक रिपोर्ट में ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि इक्विटी बाजार में एसआईपी के जरिए मजबूत घरेलू निवेश और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की ओर से लगातार बिकवाली भारतीय रुपए में गिरावट की एक बड़ी वजह है। जेफरीज ने अनुमान लगाया कि बीते दो वर्षों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से करीब 78 अरब डॉलर की निकासी की है। इस दौरान मजबूत घरेलू निवेश को देखते हुए फॉरेन पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई), प्राइवेट इक्विटी फर्म और फॉरेन प्रमोटर्स ने उच्च मूल्यांकन वाले भारतीय बाजार में अपनी हिस्सेदारी घटाई है।

ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि एसआईपी, म्यूचुअल फंड और रिटायरमेंट-लिंक्ड इन्वेस्टमेंट के माध्यम से मजबूत घरेलू निवेश इनफ्लो ने भारी बिकवाली के दबाव के बावजूद विदेशी निवेशकों को आसानी से बाहर निकलने का रास्ता प्रदान किया। रिपोर्ट के अनुसार, एफपीआई ने वित्त वर्ष 2026 में रिकॉर्ड 21 अरब डॉलर मूल्य के भारतीय शेयर बेचे और वित्त वर्ष 2027 में भी अब तक शुद्ध विक्रेता बने हुए हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल 2024 से अकेले एफपीआई ने 44 अरब डॉलर मूल्य के भारतीय शेयर बेचे हैं। विदेशी निवेश में भारी उछाल के बावजूद, बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक अपेक्षाकृत स्थिर रहे क्योंकि घरेलू संस्थागत निवेशकों और खुदरा निवेशकों ने स्थिर एसआईपी निवेश और ईपीएफओ तथा एनपीएस से जुड़े निवेशों में बढ़ते आवंटन के माध्यम से बिकवाली को अवशोषित करना जारी रखा। हालांकि, जेफरीज ने चेतावनी दी कि इस ट्रेंड ने भारत की पूंजी खाता स्थिति को कमजोर कर दिया है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 और 2026 के दौरान भारत का पूंजी खाता अधिशेष जीडीपी के लगभग 0.5 प्रतिशत तक गिर गया।

मध्य पूर्व तनाव और कच्चे तेल की कीमतों से अगले हफ्ते तय होगा शेयर बाजार का रुझान

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता, कच्चे तले की कीमत और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से केंद्र सरकार को दिया गया डिविडेंड शेयर बाजार का रुझान तय करेंगे।

आरबीआई की ओर से शुक्रवार की शाम को वित्त वर्ष 26 के लिए केंद्र सरकार को 2.87 लाख करोड़ रुपए का डिविडेंड देने का ऐलान किया है। इससे सरकार के गैर-कर राजस्व में तेज उछाल देखने को मिलेगा। इस पर बाजार सोमवार को प्रतिक्रिया देगा।

अमेरिका-ईरान के बातचीत में हाल के दिनों में काफी तेज प्रगति हुई है। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए), इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान और अन्य संबंधित देशों के बीच एक समझौते पर काफी हद तक बातचीत हो चुकी है, जिसे अंतिम रूप देना बाकी है। इससे फरवरी के अंत से शुरू मध्य पूर्व तनाव के खत्म होने का रास्ता खुल गया है।

अगले हफ्ते कच्चे तेल की कीमतों पर भी निवेशकों की निगाहें रहेंगी। फिलहाल ब्रेंट क्रूड 103 डॉलर प्रति बैरल डब्ल्यूटीआई क्रूड 96 डॉलर प्रति बैरल पर है।

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता सकारात्मक रहा। इस दौरान सेंसेक्स में 177 अंक या 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 75,415 और निफ्टी 75 अंक या 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,719 पर था।

सूचकांकों में निफ्टी आईटी 4.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप गेनर था। निफ्टी रियल्टी (2.39 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया डिफेंस (1.10 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (1.08 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (1.06 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (0.74 प्रतिशत) और निफ्टी कमोडिटीज (0.37 प्रतिशत) की तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए थे। दूसरी तरफ निफ्टी मीडिया (4.29 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (1.57 प्रतिशत), निफ्टी पीएसई (1.18 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.86 प्रतिशत), निफ्टी हेल्थकेयर (0.51 प्रतिशत) और निफ्टी पीएसयू बैंक (0.26 प्रतिशत) की गिरावट के साथ बंद हुए।

भारत के माल ढुलाई क्षेत्र में डीजल के अलावा अन्य विकल्पों की ओर बढ़ते रुझान से ग्रीनलाइन ने एलएनजी में किया विस्तार

मुंबई। ऊर्जा सुरक्षा और कच्चे तेल के आयात को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच परिवहन संचालकों और नीति निर्माताओं द्वारा डीजल के विकल्पों की तलाश के चलते भारत का भारी मालवाहक लॉजिस्टिक्स क्षेत्र तेजी से लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की ओर रुख कर रहा है।

यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब देश भर में माल ढुलाई में लगातार तेजी से वृद्धि हो रही है। भारत में वर्तमान में लगभग चार मिलियन डीजल-चालित ट्रक हैं जो घरेलू माल ढुलाई का लगभग 70 प्रतिशत परिवहन करते हैं, जिससे यह क्षेत्र आयातित जीवाश्म ईंधन के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक बन गया है।

वहीं, एलएनजी लंबी दूरी के ट्रक परिवहन के लिए एक व्यावहारिक और निकट भविष्य का ईंधन विकल्प बनकर उभर रहा है, जो डीजल जैसी परिचालन दक्षता प्रदान करता है, साथ ही कम उत्सर्जन और आयातित ईंधन पर निर्भरता को कम करने में सहायक है।

ग्रीनलाइन मोबिलिटी, देश के सबसे बड़े एलएनजी ट्रक परिवहन ऑपरेटरों में से एक है, जो वर्तमान में प्रमुख लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर पर 1,000 से अधिक एलएनजी-चालित भारी-भरकम ट्रकों का संचालन करती है। कंपनी ने

छोटी दूरी के संचालन के लिए इलेक्ट्रिक ट्रकों को भी तैनात करना शुरू कर दिया है और अगले कुछ वर्षों में अपने बेड़े को 10,000 वाहनों तक बढ़ाने की योजना बना रही है।

यह गति ऐसे समय में आई है जब सरकार स्वच्छ वाणिज्यिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाने के लिए 1 अरब डॉलर से अधिक के प्रोत्साहन कार्यक्रम का मूल्यांकन कर रही है। यह आयातित जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने और भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

हालांकि, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, लंबी दूरी की रेंज क्षमता और वाहनों की शुरुआती लागत अधिक होने जैसी चुनौतियों के कारण भारी माल परिवहन के बड़े पैमाने पर विद्युतीकरण में अभी भी समय लगने की उम्मीद है।

इसके विपरीत, एलएनजी ट्रकों को तेजी से कम उत्सर्जन वाले विकल्प के रूप में देखा जा रहा है जो लंबी दूरी के माल परिवहन के लिए परिचालन दक्षता बनाए रखते हुए तत्काल डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों का समर्थन करने में सक्षम हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम पर चल रही फर्जी निवेश स्कीम को लेकर सरकार ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम पर चल रही फर्जी क्वांटम एआई निवेश स्कीम को लेकर सरकार ने रविवार को चेतावनी जारी की है और कहा है कि न ही केंद्र सरकार और वित्त मंत्रालय इस प्रकार की कोई निवेश योजना या प्लेटफॉर्म नहीं चला रहे हैं।

वित्त मंत्री मंत्री सीतारमण के नाम पर चलाई जा रही है इस क्वांटम एआई निवेश स्कीम में दावा किया जा रहा था कि कोई भी व्यक्ति केवल 22,000 रुपए निवेश करके बिना किसी रिस्क के सरकारी गारंटी के साथ 3 लाख रुपए तक कमा सकता है। इसके पंजीकरण की तारीख 24 मई है।

इस फर्जी स्कीम का पर्दाफाश करते हुए सरकारी एजेंसी पीआईबी की फैक्ट यूनिट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स'पर कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री के नाम पर जालसाज 'क्वांटम एआई' निवेश योजना चला रहे हैं।

इन योजनाओं के तहत नागरिकों को 22,000 रुपए के शुरुआती निवेश पर 3,00,000 रुपए की मासिक आय का वादा किया जा रहा है।

पोस्ट में आगे कहा गया कि यह स्कीम पूरी तरह से फर्जी है। केंद्र सरकार और वित्त मंत्रालय के द्वारा ऐसी कोई भी स्कीम नहीं चलाई गई है और चेतावनी दी गई है कि इस तरह की योजनाएं लोगों को धोखा देने और उनसे पैसे हड़पने के लिए बनाई गई हैं।

पोस्ट में कहा कि ऐसे संदिग्ध लिंक या प्लेटफॉर्म से सावधान रहें जिनका उद्देश्य लोगों को धोखा देकर उनके पैसे हड़पना है।

इसके अतिरिक्त, पोस्ट में नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स पर प्रसारित हो रहे संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और न ही अविश्वसनीय प्लेटफॉर्म पर अपनी व्यक्तिगत और बैंकिंग जानकारी साझा करें।

सरकार ने आगे कहा कि भारत सरकार से संबंधित संदिग्ध सामग्री की सूचना सीधे पीआईबी फैक्ट चेक को व्हाट्सएप के माध्यम से +91 8799711259 पर या आधिकारिक ईमेल पर दी जा सकती है।

शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का मार्केट कैप बीते हफ्ते 74,111 करोड़ रुपए बढ़ा

मुंबई । देश की शीर्ष 10 सबसे अधिक बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में से छह के मार्केटकैप में बीते हफ्ते 74,111.57 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है। इसमें सबसे अधिक फायदा आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), बजाज फाइनेंस और लार्सन एंड टुब्रो (एडएंडटी) को हुआ है।

बीते हफ्ते, सेंसेक्स 177 अंक या 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 75,415 और निफ्टी 75 अंक या 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,719 पर बंद हुआ।

18-22 मई के सत्र के दौरान, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के मार्केट कैप में कमी देखने को मिली है। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 19,338.68 करोड़ रुपए बढ़कर 8,38,401.33 करोड़ रुपए हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,515.93 करोड़ रुपए बढ़कर 9,06,901.32 करोड़ रुपए हो गया।

एलआईसी का बाजार पूंजीकरण इस सप्ताह 9,076.37 करोड़ रुपए बढ़कर 5,14,443.69 करोड़ रुपए हो गया।

बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में भी 3,797.83 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई, जिससे यह बढ़कर 5,70,515.57 करोड़ रुपए हो गया।

लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का बाजार पूंजीकरण 2,685.87 करोड़ रुपए बढ़कर 5,40,228.21 करोड़ रुपए हो गया है।

दूसरी तरफ, भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई, जो 20,229.67 करोड़ रुपए घटकर 11,40,295.49 करोड़ रुपए रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 16,212.18 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह घटकर 5,17,380 करोड़ रुपए रह गया, जबकि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बाजार पूंजीकरण में 12,784.4 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह कम होकर 8,76,077.92 करोड़ रुपए पर आ गया। एचडीएफसी बैंक के बाजार मूल्यांकन में भी 2,094.35 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह घटकर 11,79,974.90 करोड़ रुपए पर आ गया।

सबसे मूल्यवान कंपनियों की रैंकिंग में एचडीएफसी बैंक शीर्ष कंपनियों में बना रहा, इसके बाद भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

एलआईसी चौथी तिमाही में भारत की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली वित्तीय फर्म बनी

मुंबई । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च अवधि) में 23,400 करोड़ रुपए के मुनाफे के साथ देश में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाली वित्तीय कंपनी बन गई है।

इसके साथ एलआईसी ने वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में एसबीआई को पछाड़ते हुए सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली सरकारी कंपनी का खिताब भी हासिल किया है।

बीते हफ्ते देश की सबसे बड़ी सरकारी इंश्योरेंस कंपनी ने वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। इस दौरान कंपनी के

कंसोलिडेटेड मुनाफे में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले साल समान अवधि में कंपनी को 19,013 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में एलआईसी का प्रदर्शन एसबीआई के साथ देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक से भी अच्छा रहा है।

मार्च तिमाही में एसबीआई को 19,684 करोड़ रुपए का फायदा हुआ था। एचडीएफसी बैंक को इस दौरान करीब 19,221 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

हालांकि, वार्षिक आधार पर वित्त वर्ष 2026 में कुल मुनाफे के मामले में एसबीआई, एलआईसी से आगे रहा। भारत के सबसे बड़े बैंक ने वित्त वर्ष 26 में 80,032 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि एलआईसी का वार्षिक लाभ 57,419 करोड़ रुपए रहा।

निजी क्षेत्र के बैंक आईसीआईसीआई बैंक ने भी 50,147 करोड़ रुपए के वार्षिक लाभ के साथ मजबूत प्रदर्शन किया, जबकि एचडीएफसी बैंक का वित्त वर्ष 2026 का लाभ 74,670 करोड़ रुपए रहा।

अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने मार्च तिमाही में 11,378 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया। कोल इंडिया ने 10,839 करोड़ रुपए का लाभ कमाया, जबकि पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) ने 8,598 करोड़ रुपए और एनटीपीसी ने 8,747 करोड़ रुपए का तिमाही लाभ अर्जित किया। अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसई) ने भी इस तिमाही में अच्छा प्रदर्शन किया।

बाजार की पाठशाला : बच्चों की पॉकेट मनी बचाने का स्मार्ट तरीका! ये 5 बैंक दे रहे हैं जीरो बैलेंस सेविंग अकाउंट की सुविधा

नई दिल्ली। आज के समय में माता-पिता बच्चों को छोटी उम्र से ही पैसों की अहमियत और बचत की आदत सिखाना चाहते हैं। इसी जरूरत को देखते हुए देश के कई बड़े बैंक बच्चों और किशोरों के लिए खास जीरो बैलेंस सेविंग अकाउंट की सुविधा दे रहे हैं। इन खातों के जरिए बच्चे न सिर्फ अपनी पॉकेट मनी सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय अनुशासन की शुरुआती समझ भी विकसित कर सकते हैं।

इन अकाउंट्स में पैरेंटल

कंट्रोल, डेबिट कार्ड, मोबाइल बैंकिंग और खर्च की सीमा जैसी सुविधाएं दी जाती हैं, जिससे अभिभावक बच्चों की वित्तीय गतिविधियों पर नजर भी रख सकते हैं। माता-पिता बच्चों के लिए इन खातों में पॉकेट मनी, रिश्तेदारों से मिले गिफ्ट या पुरस्कार राशि जमा कर सकते हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक बच्चों के लिए 'कोटक माय जूनियर अकाउंट' की सुविधा देता है। यह अकाउंट 18 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बनाया गया है और इसमें न्यूनतम बैलेंस रखने की जरूरत नहीं होती। बच्चों को पर्सनलाइज्ड जूनियर डेबिट कार्ड मिलता है, जिसमें एटीएम से निकासी की सीमा तय रहती है।

इस खाते पर बचत राशि पर ब्याज भी मिलता है। साथ ही, बच्चों के लिए शॉपिंग, फूड और एजुकेशन से जुड़े कई खास ऑफर्स भी दिए जाते हैं। यह अकाउंट भारतीय निवासी बच्चों के लिए उपलब्ध है, जबकि अभिभावक भारतीय या एनआरआई दोनों हो सकते हैं। वहीं, बैंक ऑफ बड़ौदा का 'बड़ौदा चैंप अकाउंट' भी बच्चों के लिए लोकप्रिय विकल्प माना जा रहा है। यह अकाउंट 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए उपलब्ध है और इसमें जीरो बैलेंस की सुविधा मिलती है।

इस खाते में स्कूल फीस भुगतान पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाता और फीस जमा करने के लिए हर महीने एक फ्री डिमांड ड्राफ्ट की सुविधा भी मिलती है।

घंटों तक नरम और फूली-फूली रहेंगी रोटियां, बस आटा गूंथते और सेंकते समय अपनाएं ये आसान स्मार्ट किचन टिप्स

अगर आपकी रोटियां जल्दी सख्त हो जाती हैं, तो वजह छोटी किचन गलतियां हो सकती हैं. सही आटा, सही तरीके से गूंथना और आराम देना बहुत जरूरी है. रोटी सेंकने का तापमान और स्टोर करने का तरीका भी बड़ा फर्क डालता है. इन आसान टिप्स से घंटों तक मुलायम और फूली रोटियां मिल सकती हैं. अब टिफिन की रोटियां भी रहेंगी ताजा और स्वादिष्ट.

रोटी भारतीय खाने का सबसे जरूरी हिस्सा है. सुबह का नाश्ता हो, दोपहर का लंच या रात का डिनर, गर्म और मुलायम रोटी खाने का मजा ही अलग होता है. लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि रोटी बनते ही तो नरम रहती है, पर थोड़ी देर बाद सख्त और चबाने में भारी लगने लगती है. खासकर अगर टिफिन के लिए बनानी हो या घर में एक बार में ज्यादा रोटियां बनती हों, तब यह परेशानी और बढ़ जाती है. कई लोग सोचते हैं कि इसका कारण सिर्फ आटा है, लेकिन सच यह है कि रोटी की नरमी आटा गूंथने के तरीके, पानी की मात्रा, बेलने की तकनीक और सेंकने के अंदाज पर भी निर्भर करती है। अगर कुछ छोटी लेकिन सही आदतें अपना ली जाएं, तो आपकी रोटियां घंटों तक नरम, फूली हुई और बिल्कुल ताजा जैसी बनी रह सकती हैं. अच्छी बात यह है कि इसके लिए किसी महंगे सामान की जरूरत नहीं, बस किचन के कुछ आसान नियम समझने हैं.

सही आटे का चुनाव भी करता है बड़ा फर्क: नरम रोटी की शुरुआत सही आटे से होती है. बहुत पुराना या बहुत ज्यादा सूखा आटा रोटी को सख्त बना सकता है. कोशिश करें कि अच्छा क्वालिटी वाला गेहूं का ताजा आटा लें. अगर चाहें तो आटे को छानकर इस्तेमाल करें ताकि उसमें गांठ या मोटे कण न रहें. कुछ लोग थोड़ा सा मल्टीग्रेन आटा मिलाते हैं, लेकिन अगर ज्यादा मिला दिया जाए तो रोटी थोड़ी भारी हो सकती है. नरम रोटी के लिए साधारण गेहूं का आटा सबसे अच्छा माना जाता है.

आटा गूंथते समय पानी का सही बैलेंस जरूरी है: बहुत कड़ा आटा रोटी को सख्त बना देता है, जबकि बहुत ढीला आटा बेलने में परेशानी देता है. इसलिए आटा गूंथते समय धीरे-धीरे पानी डालें और ऐसा आटा तैयार करें जो मुलायम हो लेकिन हाथों में चिपके नहीं. हल्का गुनगुना पानी इस्तेमाल करने से भी आटा अच्छा बनता है. इससे रोटी की बनावट बेहतर होती है और नरमी लंबे समय तक बनी रहती है.

आटे को आराम देना मत भूलिए: कई लोग जल्दी में आटा गूंथते ही रोटी बनाना शुरू कर देते हैं. यही एक आम गलती है. आटे को कम से कम 15 से 30 मिनट ढककर रखने से उसमें नमी अच्छे से सेट हो जाती है।

ब्रेन में ट्यूमर का मतलब कैंसर? न्यूरोलॉजिस्ट से जानें बच्चों में ब्रेन ट्यूमर के लक्षण, क्या है इसका मतलब

बच्चों में ब्रेन ट्यूमर का पता चलना एक मुश्किल बात है, लेकिन कई माता-पिता को ब्रेन ट्यूमर के बारे में गलत जानकारी मिल जाती है, जिससे उन्हें बीमारी और उपलब्ध इलाज के विकल्पों को लेकर और ज्यादा डर या उलझन हो सकती है. ऐसे में सही जानकारी बहुत जरूरी है. यहां आप न्यूरोलॉजिस्ट से ब्रेन ट्यूमर से जुड़े मिथक और सच के बारे में जान सकते हैं.

ब्रेन ट्यूम शब्द बहुत डरावना होता है. खासतौर पर जब बच्चे को ये बीमारी निकल आए तो पेरेंट्स बेबस महसूस करने लगते हैं.जबकि सही जानकारी और इलाज से इस समस्या को ठीक किया जा सकता है. जिन माता-पिता के बच्चे को ब्रेन ट्यूमर का पता चला है, उनके लिए यह उनकी ज़िंदगी का सबसे मुश्किल और स्ट्रेस वाला समय होता है. डर, चिंता और गलत जानकारी की वजह से, माता-पिता इस बीमारी के बारे में ऐसी गलत बातें मान लेते हैं, जिनसे उनका मेन्टल तनाव और बढ़ जाता है और इलाज में भी देरी हो सकती है. इसलिए, ब्रेन ट्यूमर के बारे में सही जानकारी हासिल करना और समय पर डॉक्टरी सलाह लेना, ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित बच्चे के ठीक होने और सफल इलाज में बहुत मददगार साबित हो सकता है।

डॉ. कपिल जैन, एसोसिएट डायरेक्टर एवं न्यूरोसर्जरी यूनिट के प्रमुख, मैक्स स्मार्ट सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, साकेत बताते हैं कि ब्रेन ट्यूमर तब होता है, जब दिमाग के अंदर असामान्य सेल्स तेजी से बढ़ने लगती हैं. हालांकि, कई ट्यूमर धीरे-धीरे बढ़ते हैं, लेकिन कुछ बहुत ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं. अच्छी बात यह है कि मेडिकल टेक्नोलॉजी में हुई तरक्की की वजह से, ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित कई बच्चों का अब इलाज संभव है और इलाज के बाद उनके पूरी तरह से ठीक होकर एक सामान्य और खुशहाल जिंदगी जीने की संभावना भी काफी बढ़ गई है. इसके अलावा, ब्रेन ट्यूमर के बारे में सच्चाई जानने से आपको गलतफहमियों और असलियत के बीच का फर्क समझने में भी मदद मिलेगी.

मिथक 1- सभी ब्रेन ट्यूमर कैंसर वाले होते हैं

फैक्ट - कई माता-पिता को यह चिंता रहती है कि सभी ब्रेन ट्यूमर कैंसर ही होते हैं, लेकिन यह बात बिल्कुल भी सही नहीं है. हर ब्रेन ट्यूमर कैंसर वाला नहीं होता. कई मामलों में, बच्चों को बिना कैंसर वाले ब्रेन ट्यूमर होते हैं. बिना कैंसर वाले ट्यूमर का भी इलाज करवाना पड़ सकता है, क्योंकि दिमाग बहुत ही संवेदनशील अंग है और उसमें जगह भी बहुत कम होती है, जैसे-जैसे ट्यूमर का आकार बढ़ता है, वह दिमाग के आस-पास के हिस्सों पर दबाव डालने लगता है, जिससे कई तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं. अच्छी बात यह है कि जिन बच्चों की बीमारी का पता समय पर चल जाता है, जिनका इलाज सर्जरी की आधुनिक तकनीकों से किया जाता है और जिनकी सही देखभाल की जाती है, वे पूरी तरह से ठीक होकर एक स्वस्थ जिंदगी में वापस लौट आते हैं।

मिथ 2: मोबाइल फोन और वाई-फाई से निकलने वाली रेडिएशन की वजह से बच्चों को ब्रेन ट्यूमर होता है

फैक्ट - कई माता-पिता को लगता है कि उनके बच्चे को कैंसर इसलिए हुआ है, क्योंकि वह मोबाइल फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करता था, स्क्रीन पर बहुत ज्यादा समय बिताता था या वायरलेस नेटवर्क का बहुत ज्यादा उपयोग करता था।

नौतपा 2026: नौतपा की तपिश बढ़ाएगी मुश्किलें! इन 4 चीजों का दान दिलाएगा राहत और सुख-शांति

गर्मी की शुरुआत होते ही लोग तेज धूप और लू से परेशान होने लगते हैं, लेकिन हिंदू पंचांग में एक ऐसा समय आता है जिसे सिर्फ मौसम नहीं, बल्कि प्रकृति और आध्यात्मिक दृष्टि से भी बेहद अहम माना जाता है. इसे नौतपा कहा जाता है. मान्यता है कि इन नौ दिनों में सूर्यदेव अपनी सबसे प्रचंड अवस्था में होते हैं और धरती पर भीषण गर्मी पड़ती है. इस बार नौतपा 25 मई 2026 से शुरू होकर 2 जून तक रहेगा. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यही समय मानसून की दिशा और उसकी तीव्रता तय करता है. पुराने समय में किसान भी नौतपा की तपिश देखकर बारिश का अनुमान लगाया करते थे. धार्मिक मान्यताओं में यह समय दान-पुण्य के लिए बेहद शुभ माना गया है. कहा जाता है कि इस दौरान जरूरतमंदों की मदद करने से सूर्यदेव प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख, शांति व सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

क्या होता है नौतपा और क्यों माना जाता है खास? ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तभी से नौतपा की शुरुआत मानी जाती है. रोहिणी नक्षत्र को बेहद प्रभावशाली माना गया है और सूर्य का इसमें प्रवेश तापमान को अचानक बढ़ा देता है. यही कारण है कि इन दिनों में लू, तेज धूप और गर्म हवाएं अपने चरम पर रहती हैं. ग्रामीण इलाकों में आज भी बुजुर्ग कहते हैं कि 'अगर नौतपा ठीक से तपा, तो बारिश भी

जमकर होगी.' यानी जितनी ज्यादा गर्मी पड़ेगी, मानसून उतना ही अच्छा माना जाता है. यही वजह है कि नौतपा को कृषि और मौसम दोनों के लिए महत्वपूर्ण समय माना जाता है.

नौतपा में दान का क्यों है विशेष महत्व? धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नौतपा के दौरान किए गए दान का फल कई गुना बढ़ जाता है. खासतौर पर ऐसी चीजों का दान, जो गर्मी से राहत दें, बेहद पुण्यदायी माना गया है. मान्यता है कि इससे सूर्य दोष कम होता है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है.

खरबूजे का दान नौतपा के दौरान खरबूजा खाना जितना फायदेमंद माना जाता है, उसका दान करना भी उतना ही शुभ बताया गया है. खरबूजे में पानी की मात्रा अधिक होती है और यह शरीर को ठंडक पहुंचाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जरूरतमंदों को खरबूजा दान करने से सूर्यदेव की कृपा बनी रहती है और मानसिक तनाव कम होता है. वों और कस्बों में कई लोग इस दौरान राहगीरों को फल बांटते नजर आते हैं. इसे सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि इंसानियत से जुड़ा काम भी माना जाता है.

पानी का दान भीषण गर्मी में सबसे बड़ा दान जल का माना गया है. पुराने समय में लोग घरों के बाहर मटके रखकर राहगीरों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था करते थे. आज भी कई जगह प्याऊ लगाने की परंपरा कायम है. ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार जल का दान करने से जीवन के कष्ट कम होते हैं और मन को शांति मिलती है. खासतौर पर नौतपा में पानी पिलाना बेहद पुण्यदायी माना गया है.

गेहूं और चावल का दान अन्न दान को सनातन धर्म में सबसे श्रेष्ठ दान माना गया है. नौतपा के नौ दिनों में गरीब और जरूरतमंद लोगों को गेहूं या चावल दान करने की परंपरा है. मान्यता है कि इससे घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती और पितरों का आशीर्वाद बना रहता है. आज के समय में भी कई लोग मंदिरों, आश्रमों या जरूरतमंद परिवारों तक राशन पहुंचाकर इस परंपरा को निभा रहे हैं। पंखे का दान गर्मी में राहत देने वाली चीजों का दान भी बेहद शुभ माना गया है. ऐसे में पंखे का दान खास महत्व रखता है. अस्पताल, मंदिर, वृद्धाश्रम या गरीब परिवारों को पंखा देना पुण्यकारी माना जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इससे घर की आर्थिक परेशानियां धीरे-धीरे कम होने लगती हैं और जीवन में सुख-सुविधाएं बढ़ती हैं. कई लोग इस दौरान कूलर या छाते का दान भी करते हैं। सिर्फ परंपरा नहीं, समाजसेवा का भी संदेश नौतपा में दान की परंपरा सिर्फ धार्मिक मान्यता तक सीमित नहीं है।

राजस्थान की सैकड़ों साल पुरानी ड्रिंक गर्मी कर देगी छूमंतर, 50 डिग्री में भी लू से बचाएगी, घर पर ऐसे करें तैयार

राजस्थान की पारंपरिक देसी राबड़ी गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने और लू से बचाने के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती है. बाजरा और छाछ से बनने वाली यह ड्रिंक शरीर को हाइड्रेटेड रखने के साथ एनर्जी भी देती है. यह ड्रिंक बाजरे की जगह जौ से भी बनाई जा सकती है. सदियों पुरानी यह रेसिपी आज भी भीषण गर्मी में फायदेमंद है।

इस वक्त उत्तर भारत के कई राज्यों में भयंकर गर्मी दर्ज की जा रही है. कहीं पारा 46 डिग्री सेल्सियस के पार हो गया है, तो कहीं 47-48 का रिकॉर्ड तोड़ रहा है. राजस्थान में अन्य जगहों के मुकाबले गर्मी थोड़ी ज्यादा रहती है और ऐसे में यहां के लोग हीटवेव से बचने के लिए सदियों से पारंपरिक ड्रिंक का सेवन करते आ रहे हैं. ऐसी ही एक ड्रिंक राबड़ी है, जिसे कई जगहों पर राब भी कहा जाता है. राजस्थान जैसे राज्य में तापमान कई बार 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, वहां लोगों ने सदियों पहले ही ऐसी पारंपरिक ड्रिंक्स तैयार कर ली थीं, जो शरीर को अंदर से ठंडा रखने का काम करती हैं। यह पारंपरिक पेय आज भी गांवों में बड़े चाव से पिया जाता है. बाजरे या जौ से बनने वाली यह हेल्दी ड्रिंक गर्मी और लू से बचाने में बेहद कारगर मानी जाती है. पहले के समय में किसान और मजदूर तेज धूप में काम करने से पहले राबड़ी पीते थे, ताकि शरीर में पानी और ऊर्जा की कमी न हो. इसकी ठंडी तासीर शरीर का तापमान संतुलित रखने में मदद करती है और लंबे समय तक शरीर को हाइड्रेटेड बनाए रखती है. राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में इसे राब भी कहा जाता है. गर्मियों में यह सिर्फ एक ड्रिंक नहीं, बल्कि पारंपरिक हेल्थ टॉनिक की तरह इस्तेमाल की जाती रही है. आज भी यह बेहद लोकप्रिय समर ड्रिंक है.

क्यों खास मानी जाती है देसी राबड़ी?

राजस्थान की भीषण गर्मी में शरीर में पानी और मिनरल्स की कमी होना आम बात है. ऐसे में राबड़ी शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ ऊर्जा भी देती है. इसमें इस्तेमाल होने वाला बाजरा और जौ फाइबर, आयरन और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है. वहीं छाछ शरीर को ठंडा रखने में मदद करती है. यही वजह है कि यह ड्रिंक लू और डिहाइड्रेशन से बचाने में काफी असरदार मानी जाती है. राबड़ी की तासीर ठंडी मानी जाती है, जिससे शरीर का तापमान संतुलित रहता है. गर्मियों में इसे पीने से अंदर से ठंडक महसूस होती है. छाछ और बाजरे की वजह से यह ड्रिंक पाचन के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है. इससे पेट हल्का रहता है और एसिडिटी जैसी समस्याएं कम हो सकती हैं.

घर पर ऐसे बनाएं राजस्थान की देसी राबड़ी

राबड़ी बनाने के लिए सबसे पहले 2 चम्मच बाजरे या जौ का आटा, 2 कप छाछ, 1 कप पानी, स्वादानुसार नमक, भुना जीरा पाउडर और पुदीना या हरा धनिया की जरूरत होती है. अगर आप इसमें स्वाद के कुछ और चीजें मिलाना चाहें, तो ऐसा भी कर सकते हैं।

CNG स्टेशन पर गाड़ी से उतरना क्यों जरूरी है? जानकर हो जाएंगे हैरान, ये हैं 6 सुरक्षा कारण

सीएनजी स्टेशन पर गैस भरते समय यात्रियों को गाड़ी से उतरना जरूरी है, क्योंकि सीएनजी अत्यधिक ज्वलनशील है, लीक, स्पार्क, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और स्टैटिक बिजली से हादसे का खतरा बढ़ता है

जब आप किसी सीएनजी (CNG) स्टेशन पर वाहन में गैस भरवाने जाते हैं, तो अक्सर वहां मौजूद कर्मचारी आपसे कहते हैं कि गाड़ी से नीचे उतर जाएं. कई लोगों को यह नियम थोड़ा असुविधाजनक लगता है, लेकिन इसके पीछे बेहद महत्वपूर्ण सुरक्षा कारण होते हैं. आइए विस्तार से समझते हैं कि ऐसा

क्यों किया जाता है.

सुरक्षा सबसे बड़ा कारण

सीएनजी एक अत्यधिक ज्वलनशील (flammable) गैस है, जिसे बहुत ज्यादा दबाव (लगभग 200-250 बार) पर वाहन के सिलेंडर में भरा जाता है. ऐसे में अगर गैस भरते समय थोड़ी भी लीक या स्पार्क (चिंगारी) हो जाए, तो हादसा हो सकता है.

अगर वाहन में लोग बैठे रहें, तो किसी भी आपात स्थिति में उन्हें तुरंत बाहर निकालना मुश्किल हो सकता है. इसलिए सभी को पहले ही नीचे उतार देना सुरक्षित माना जाता है.

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से खतरा

जब लोग गाड़ी में बैठे रहते हैं, तो वे अक्सर मोबाइल फोन, चार्जर या अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का इस्तेमाल करते हैं. हालांकि यह खतरा कम होता है, लेकिन किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से बहुत मामूली चिंगारी भी निकल सकती है। सीएनजी स्टेशन पर सुरक्षा नियम यही कहते हैं कि ईंधन भरते समय किसी भी तरह का इलेक्ट्रॉनिक व्यवधान न हो. इसलिए लोगों को बाहर उतार दिया जाता है ताकि वे ऐसे उपकरणों का उपयोग न करें.

स्थैतिक बिजली (Static Electricity) का प्रभाव

कई बार गाड़ी में बैठे लोगों के कपड़ों या सीट से स्टैटिक इलेक्ट्रिसिटी पैदा हो सकती है। यह बहुत छोटी होती है।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए क्या करें? डॉक्टर ने बताए 5 आसान उपाय, यंगस्टर्स जरूर करें फॉलो

युवाओं में हाई ब्लड प्रेशर की समस्या तेजी से बढ़ रही है. खराब लाइफस्टाइल, तनाव और गलत खानपान इसकी बड़ी वजह हैं. डॉक्टर्स के अनुसार नमक कम खाना, नियमित एक्सरसाइज, तनाव कम करना, वजन कंट्रोल रखना और अच्छी स्लीपिंग हैबिट्स से ब्लड प्रेशर को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है. अगर आप बीपी की दवा ले रहे हैं, तब भी ये आदतें आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

एक जमाने में हाई ब्लड प्रेशर को बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था, लेकिन आजकल युवा इसका सबसे ज्यादा शिकार हो रहे हैं. 20

से 30 साल के युवा हाई ब्लड प्रेशर के मरीज बन गए हैं. भागदौड़ भरी जिंदगी, करियर का तनाव, खराब लाइफस्टाइल, अनहेल्दी खानपान और एक ही जगह बैठकर घंटों काम करने की आदत सेहत के लिए घातक साबित हो रही है. हाई बीपी एक गंभीर समस्या है, जो हार्ट अटैक, स्ट्रोक और किडनी डिजीज की वजह बन सकता है. इससे हार्ट को भी नुकसान होता है. इसलिए वक्त रहते बीपी कंट्रोल करना बहुत जरूरी है।

नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्रिवेंटिव हेल्थ एंड वेलनेस डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. सोनिया रावत ने मीडिया को बताया हाई ब्लड प्रेशर एक गंभीर समस्या है और यह युवाओं में तेजी से बढ़ रही है. हाई बीपी के लक्षण शुरुआत में नजर नहीं आते हैं, जिसकी वजह से यह बीमारी लगातार बढ़ती रहती है. यही वजह है कि हाई बीपी को साइलेंट किलर भी कहा जाता है. अच्छी बात यह है कि कुछ आसान तरीकों से इसे कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है. अगर बीपी बढ़ने की शुरुआत हुई है, तो बिना दवाओं के भी इसे सही आदतों से कंट्रोल किया जा सकता है. अगर आप बीपी की दवा ले रहे हैं, तब भी दवा के साथ कुछ आसान तरीके बीपी को लंबे समय तक कंट्रोल करने में मददगार हो सकते हैं.

हाई बीपी कंट्रोल करने के आसान तरीके Simple Ways To Control High BP

नमक कम खाएं : हाई ब्लड प्रेशर का सबसे बड़ा कारण ज्यादा नमक खाना माना जाता है. जब शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है, तो शरीर पानी रोकने लगता है, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ने लगता है. आप खाने में जरूरत से ज्यादा नमक न डालें. पैकेज्ड फूड, चिप्स, नमकीन और प्रोसेस्ड चीजों से दूरी बना लें।

दर्शकों को जमीन से जुड़ी कहानियों में दिलचस्पी, वे असली इमोशंस चाहते हैं : पूजा गौर

मुंबई। टीवी, ओटीटी फिल्म सभी प्लेटफॉर्म पर अपनी मजबूत अभिनय के साथ खास पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस पूजा गौर ने छोटे शहरों के ड्रामा के बदलते माहौल पर खुलकर बात की। पूजा का मानना है कि दर्शकों को अब जमीन से जुड़ी कहानियों में दिलचस्पी होने लगी है।

'मन की आवाज प्रतिज्ञा' फेम पूजा गौर का कहना है कि दर्शक अब ग्लैमर से भरी कहानियों की जगह जमीन से जुड़ी, दिल को छूने वाली कहानियों की ओर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं।

आईएएनएस से विशेष बातचीत में पूजा गौर ने कहा, 'आज के दर्शक दिल से जुड़ी कहानियों में बहुत दिलचस्पी रखते हैं। पहले ग्लैमर से भरी कहानियों का बोलबाला था, लेकिन अब लोग ऐसे किरदार देखना चाहते हैं जिनसे वे खुद को जोड़ सकें और जिनमें सच्चे इमोशंस हों।'

पूजा ने मिर्जापुर जैसे शो का जिक्र करते हुए कहा कि छोटे शहरों की कहानियां अब ओटीटी पर नया माहौल बना रही हैं। उन्होंने अपनी नई वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' के बारे में भी विस्तार से बताया।

पूजा ने बताया, 'लुटेरी दुल्हन को खास बनाने वाली बात यह है कि इसमें ड्रामा, कॉमेडी, एक्शन, सस्पेंस और इमोशन सब कुछ एक साथ मिलता है। यह एक फैमिली एंटरटेनर है जो पूरे परिवार को एक साथ बांधकर रखता है। थ्रिलिंग होने के बावजूद इसमें बैलेंस है, जो इसे अलग बनाता है।'

सीरीज में पूजा गौर सब-इंस्पेक्टर संध्या यादव का रोल निभा रही हैं। संध्या एक निडर, साहसी और पक्के इरादों वाली महिला अधिकारी हैं जो रहस्यमयी मामलों की जांच करती है, जहां दुल्हनें दूल्हों को लूटकर गायब हो जाती हैं।

अपने किरदार के बारे में पूजा ने बताया, 'मुझे संध्या की इमोशनल गहराई ने सबसे ज्यादा आकर्षित किया। बाहर से वह बहुत मजबूत और साहसी दिखती है, लेकिन अंदर से वह लगातार उम्मीदों और खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रही है। वह सिर्फ मामलों को नहीं सुलझाती बल्कि एक ऐसी दुनिया में अपनी पहचान बनाने के लिए लड़ती है, जहां महिलाओं को अक्सर सीमित तरीके से परिभाषित किया जाता है।'

रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं त्रिधा चौधरी, बोलीं- 'शिवा ट्रिलॉजी जैसी फिल्म का हिस्सा बनना मेरा सपना'

मुंबई। फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार अब सिर्फ ग्लैमरस किरदारों तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहते हैं, जिनमें अभिनय के साथ भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव भी हो।

इसी बीच अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी दिली इच्छा जाहिर की और कहा कि वह भविष्य में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। अगर उन्हें 'शिवा ट्रिलॉजी' जैसी किसी पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा।

आईएएनएस ने जब त्रिधा से पूछा कि अगर उन्हें भविष्य में किसी बड़े ऐतिहासिक या पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह का किरदार निभाना पसंद करेंगी। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह लेखक अमिश त्रिपाठी की मशहूर किताब 'शिवा ट्रिलॉजी' पर बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगी।

त्रिधा ने कहा, ''मैंने हाल ही में सुना है कि रणवीर सिंह ने 'शिवा ट्रिलॉजी' के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। यह खबर सुनकर मैं काफी उत्साहित हूं। मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं और उन्हें अभिनेता के तौर पर बेहद पसंद करती हूं। रणवीर जिस तरह अपने हर किरदार में पूरी एनर्जी डालते हैं, वह मुझे बेहद प्रेरित करता है। उनके साथ काम करना मेरा सपना है।''

उन्होंने आगे कहा, 'भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था है, और यही वजह है कि 'शिवा ट्रिलॉजी' से मेरा भावनात्मक जुड़ाव भी है। मैंने इस किताब की पूरी सीरीज पढ़ी है और कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया। अगर मुझे किसी ऐसी पौराणिक फिल्म में अभिनय करने का मौका मिलता है, तो वह मेरे करियर का सबसे खास अनुभव होगा। त्रिधा ने बातचीत के दौरान कहा, ''मेरे लिए सिर्फ खूबसूरत दिखना या ग्लैमरस किरदार निभाना ज्यादा मायने नहीं रखता। एक कलाकार की असली पहचान उसके अभिनय से होती है। अगर कोई कलाकार स्क्रीन पर सिर्फ अच्छा दिखे लेकिन अपने किरदार को सही तरीके से निभा न पाए, तो दर्शक उससे जुड़ नहीं पाते। अभिनेत्री ने कहा, ''मेरे लिए क्रिटिक्स की तारीफें ज्यादा महत्वपूर्ण होती हैं।

'के' अक्षर को मानते थे लकी, फिर राजकुमार हिरानी की फिल्म ने बदल दी करण जौहर की सोच

मुंबई। हिंदी सिनेमा में जब भी बड़े फिल्ममेकर्स का नाम लिया जाता है, तो करण जौहर का नाम जरूर सामने आता है। पिछले तीन दशकों में उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में दीं और कहानी कहने का अंदाज ही बदल दिया। फैमिली ड्रामा, प्यार, रिश्ते और बड़े-बड़े सेट्स वाली फिल्मों को उन्होंने एक नई पहचान दी। करण जौहर अपनी फिल्मों, फैशन, चैट शो और बेबाक अंदाज के लिए हमेशा चर्चा में रहते हैं, लेकिन एक समय ऐसा था, जब वह न्यूमरोलॉजी यानी अंकों और अक्षरों के शुभ-अशुभ प्रभाव पर बहुत भरोसा करते थे। यही वजह थी कि उनकी ज्यादातर फिल्मों के नाम 'के' अक्षर से शुरू होते थे। बाद में एक फिल्म देखने के बाद उनकी सोच बदल गई और उन्होंने इस आदत को छोड़ दिया।

करण जौहर का जन्म 25 मई 1972 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता यश जौहर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने निर्माता थे और उन्होंने धर्मा प्रोडक्शन की शुरुआत की थी। उनकी मां हीरू जौहर भी फिल्मी माहौल से जुड़ी हुई थीं। करण बचपन से ही फिल्मों और ग्लैमर की दुनिया के बीच बड़े हुए।

करण ने अपने करियर की शुरुआत पर्दे के पीछे से की थी। उन्होंने 1995 में आई सुपरहिट फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया।

'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में शामिल हुए आयुष्मान खुराना, बोले- साइकिलिंग फिट इंडिया के लिए जरूरी

अहमदाबाद। अभिनेता आयुष्मान खुराना रविवार को अहमदाबाद में आयोजित 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने फिटनेस, स्पोर्ट्स कल्चर और क्रिकेट को लेकर अपनी बात रखी। आयुष्मान ने बताया कि साइकिलिंग मनोरंजक व्यायाम है और फिट इंडिया के लिए बेहद जरूरी भी है।

आयुष्मान खुराना ने बताया, 'यह फिट इंडिया मूवमेंट के साथ मेरी दूसरी पहल है। दिल्ली के बाद अब अहमदाबाद में आया हूं और यहां बहुत शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। 'संडे ऑन साइकिल' एक कमाल की मुहिम है। यह 75वां रविवार है। मनसुख भाई ने इसे शुरू किया था और यह जारी है। इसमें शामिल होना मेरे लिए गर्व की बात है।'

अभिनेता ने साइकिलिंग को मजेदार व्यायाम बताते हुए कहा कि यह न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि लोगों के बीच जुड़ाव भी बढ़ाता है। ऐसी मजेदार गतिविधियों के जरिए देश में खेल-कूद की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। अब खेल युवाओं के लिए सिर्फ को-करिकुलर एक्टिविटी नहीं रह गया है, बल्कि प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

अभिनेता ने कॉमनवेल्थ गेम्स पर भी बात की। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शहर है। भारत में 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन होना गर्व की बात है। यह देश के लिए गर्व का क्षण है। गुजरात जैसी जगह पर इतना बड़ा इंटरनेशनल इवेंट होना हम सबके लिए बहुत अच्छा है। प्रधानमंत्री की मुहिम से यह संभव हो रहा है।'

साथ ही आयुष्मान ने बताया कि वह जिला स्तर और स्कूल टीम के लिए क्रिकेट खेल चुके हैं। उन्होंने कहा कि क्रिकेट के अलावा कबड्डी, बैडमिंटन, हॉकी जैसे अन्य खेलों के खिलाड़ियों को भी पर्याप्त पहचान और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जब तक खिलाड़ियों को फेम और सपोर्ट नहीं मिलेगा, उन्हें अंदर से हिम्मत नहीं मिलेगी।'

आईपीएल को लेकर उन्होंने कहा कि वह सभी भारतीय खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं। युवा खिलाड़ियों जैसे वॉशिंगटन सुंदर, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि जो भी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करे वही खास बन जाता है। महिला क्रिकेट टीम को आगामी टी20 विश्व कप के लिए आयुष्मान ने शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, 'भारतीय क्रिकेट टीम दुनिया में सबसे बेहतरीन है। मुझे पूरा विश्वास है कि महिला टीम इस बार भी शानदार प्रदर्शन करेगी।'

'शादी से ज्यादा रिश्तों में सम्मान जरूरी'; जीनत अमान ने लिव-इन रिलेशनशिप और जिंदगी को लेकर खुलकर रखी राय

मुंबई। हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान हमेशा से अपनी बेबाक सोच और अलग अंदाज के लिए पहचानी जाती रही हैं। वह हर मुद्दे पर खुलकर अपनी बात रखती है, फिर चाहे वह रिश्तों को लेकर हो, शादी को लेकर या फिर महिलाओं की आजादी को लेकर। एक बार मशहूर चैट शो 'रेंडेजवस विद सिमी ग्रेवाल' में बातचीत के दौरान उन्होंने लिव-इन रिलेशनशिप, शादी और रिश्तों की सच्चाई पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने रिश्तों को समाज के बनाए नियमों से अलग नजरिए से देखने की बात कही।

शो के दौरान होस्ट सिमी ग्रेवाल ने जब जीनत अमान से उनकी निजी जिंदगी और शादी को लेकर सवाल किया, तो अभिनेत्री ने कहा कि वह दोबारा शादी नहीं करना चाहतीं।

जब सिमी ग्रेवाल ने उनसे पूछा कि क्या वह अकेले रहकर खुश हैं, तो जीनत अमान ने इस सवाल का बेहद अलग तरीके से जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''अकेला होने का मतलब सिर्फ शादीशुदा न होना नहीं है। कोई इंसान बिना शादी किए भी किसी के साथ गहरा और खूबसूरत रिश्ता निभा सकता है। रिश्ते की मजबूती शादी के कागजों से नहीं बल्कि दो लोगों की समझ और सम्मान से तय होती है।''

जीनत अमान ने कहा, 'मैं खुद कभी दोबारा शादी नहीं करना चाहती हूं क्योंकि मेरा मानना है कि बिना शादी के भी दो लोग एक-दूसरे के साथ खुश रह सकते हैं। जब दो लोग अपनी मर्जी से साथ रहते हैं और एक-दूसरे को समझते हैं, तो वह रिश्ता ज्यादा सच्चा और मजबूत होता है। रिश्तों में मजबूरी नहीं बल्कि अपनापन होना चाहिए।'

बातचीत के दौरान जीनत अमान ने अपनी जिंदगी के कुछ दर्दनाक अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया, 'मेरी मां का निधन हो चुका है और मेरे पति मजहर खान भी इस दुनिया को छोड़कर जा चुके हैं। इन घटनाओं ने मुझे जिंदगी की असली सच्चाई समझाई। इस दुनिया में कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता। जब जिंदगी ही स्थायी नहीं है, तो फिर हम यह उम्मीद क्यों करते हैं कि हर रिश्ता हमेशा कायम रहेगा। जीनत अमान ने कहा, ''बच्चे भी हमेशा माता-पिता के साथ नहीं रहते। वे भी बड़े होकर अपनी जिंदगी और अपने फैसलों के साथ आगे बढ़ जाते हैं। इंसान का सबसे मजबूत और भरोसेमंद रिश्ता खुद उसका अपना साथ होता है। अगर कोई व्यक्ति खुद के साथ खुश रहना सीख जाए, तो वह जिंदगी के हर दौर को बेहतर तरीके से संभाल सकता है।

इम्तियाज अली की निर्देशन शैली खास, वो किरदार की गहराई में उतरने की आजादी देते हैं : वेदांग रैना

मुंबई। अभिनेता वेदांग रैना अपनी अपकमिंग फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। तैयारियों के बीच प्रमोशन में व्यस्त वेदांग ने बताया कि इम्तियाज अली के पास खास निर्देशन की शैली है, वह अभिनेताओं को किरदार समझाने का काम अनोखे और प्रभावी तरीके से करते हैं।

आईएएनएस से बातचीत में वेदांग रैना ने बताया कि इम्तियाज अली अपने एक्टर्स को किरदार के माइंडसेट में पूरी तरह ढालने का बहुत खास तरीका अपनाते हैं।

वेदांग ने बताया, 'उनका प्रोसेस यूनिक है। उन्होंने मेरे किरदार 'किनो' के बारे में बहुत स्पष्ट आइडिया रखा था। वह बार-बार मुझे याद दिलाते थे - 'बोलने से पहले मत सोचो'। मेरा किरदार ऐसा है जो सोचे बिना बोलता है, जबकि मैं खुद वैसा नहीं हूं। इम्तियाज सर ने मेरे दिमाग में यह सोच डाल दी और उसे खुद-ब-खुद पकने दिया।

वेदांग ने एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने कहा, 'रिहर्सल के दौरान जब मैं शरवरी से बात कर रहा था तो इम्तियाज सर मेरे पास आए और बोले - 'मुझे बहुत खुशी है कि तुम लोग एक-दूसरे के सामने खुल गए हो। मैंने देखा कि तुम बिना सोचे-समझे बोल रहे हो।' शायद किरदार ने मुझे अंदर से बदलना शुरू कर दिया था। यही इम्तियाज सर का तरीका है - वे एक्टर को किरदार की गहराई में उतरने में मदद करते हैं। फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में वेदांग रैना के अलावा दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह और शरवरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म रिश्तों की गहराई, भावनाओं और रोमांच को दिखाती है। बिड़ला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म को मोहित चौधरी और शिबाशीष सरकार ने भी प्रोड्यूस किया है।

चीन में भारी बारिश और बाढ़ का कहर, कई लोगों की मौत, चोंगकिंग में लेवल-तीन इमरजेंसी लागू

बीजिंग। दक्षिण-पश्चिम चीन की चोंगकिंग नगर पालिका के योंगचुआन जि?ले में भारी बारिश के बाद दस से ज्यादा लोग लापता हो गए हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, शनिवार देर रात पश्चिमी चोंगकिंग के कई इलाकों में मूसलाधार बारिश हुई। जिले के गुआनकोवान और हानजियागोउ गांव में क्रमश: 296.7 मिमी और 256.9 मिमी तक बेहद भारी बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के हवाले से सि?न्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि हाल की भारी बारिश के बाद लगातार हो रही तेज बारिश से भूस्खलन, जमीन धंसने और मलबा बहने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा काफी बढ़ गया है।

स्थिति को देखते हुए, चोंगकिंग प्रशासन ने रविवार सुबह सात बजे योंगचुआन जि?ले में भू-आपदा के लिए लेवल-तीन इमरजेंसी लागू कर दी। स्थानीय विभाग राहत और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। वहीं, मध्य चीन

के हुनान प्रांत के शिमेन काउंटी में भारी बारिश से मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है, जबकि 14 लोग अब भी लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, आगे की जांच में पांच और लोगों के लापता होने की पुष्टि हुई है। फिलहाल खोज और बचाव अभियान जारी है। तेज बारिश 17 मई की सुबह सात बजे शुरू हुई थी। यह इस साल शिमेन काउंटी में आई पहली बड़ी बारिश है। चांगदे शहर के आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, अब तक 23 कस्बे और इलाके इससे प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव कार्य के साथ-साथ टूटी हुई सड़कों और दूसरी जरूरी सुविधाओं को ठीक करने का काम भी जारी है, ताकि प्रभावित लोगों तक रोजमर्रा की जरूरत की चीजें पहुंचाई जा सकें। चीन के राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग ने बुधवार को बताया कि हुनान प्रांत में बाढ़ के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए केंद्र सरकार की तरफ से 5 करोड़ युआन (करीब 73.1 लाख अमेरिकी डॉलर) की आपात सहायता दी गई है। हुनान के कई इलाकों में भारी बाढ़ से जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। लगातार बारिश की वजह से शिमेन काउंटी में पहले ही पांच लोगों की मौत और 11 लोगों के लापता होने की खबर सामने आई थी, जिसके बाद अब यह संख्या और बढ़ गई है।

एस जयशंकर ने रूबियो के सामने रखा 5 सूत्रीय एजेंडा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भारत के पांच सूत्रीय दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली संघर्षों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति का समर्थन करती है, बिना बाधा के समुद्री व्यापार का पक्ष लेती है, और व्यापार और संसाधनों का 'एक हथियार' के तौर पर इस्तेमाल करने का कड़ा विरोध करती है।

हैदराबाद हाउस में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका विभिन्न क्षेत्रों में नियमित संपर्क और रणनीतिक समन्वय बनाए हुए हैं।

उन्होंने कहा, 'यह सचिव (रूबियो) की पहली भारत यात्रा, लेकिन उनके पद संभालने के बाद से हम लगातार संपर्क में रहे हैं।

इसमें वाशिंगटन डी.सी. और न्यूयॉर्क में मुलाकातें शामिल हैं, और अन्य कार्यक्रमों के दौरान भी बातचीत हुई है। हाल ही में फ्रांस में हुई बैठक भी इसमें शामिल है। यह निरंतर संवाद दोनों देशों के बीच व्यापक सहयोग में सहायक रहा है। 'नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच राजनीतिक समझ को रेखांकित करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी कई क्षेत्रों में साझा हितों पर आधारित है। उन्होंने कहा, 'भारत और अमेरिका के बीच राजनीतिक समझ एक रणनीतिक साझेदारी के तौर पर है, जो कई क्षेत्रों में राष्ट्रीय हितों के मेल से उत्पन्न होती है।'

महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भारत का दृष्टिकोण बताते हुए जयशंकर ने कहा कि नई दिल्ली संवाद, अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन, आर्थिक मजबूती और भरोसेमंद साझेदारी को लेकर प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, 'पहला, हम संघर्षों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति का समर्थन करते हैं। दूसरा, हम सुरक्षित और निर्बाध समुद्री व्यापार के पक्ष में हैं। तीसरा, हम अंतरराष्ट्रीय कानून के सख्त पालन की मांग करते हैं। चौथा, हम बाजार हिस्सेदारी और संसाधनों के हथियार की तरह इस्तेमाल करने के खिलाफ हैं। और पांचवां, हम वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोखिमों से बचाने के लिए भरोसेमंद साझेदारी और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं में विश्वास रखते हैं।'

संक्षिप्त खबर

भारत ने अफ्रीका को भेजी चिकित्सा सामग्री और सुरक्षा किट की पहली खेप

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में फैल रहे इबोला वायरस को बेहद गंभीर खतरा बताया है। इसके तहत भारत ने अफ्रीका को इबोला से निपटने के लिए तत्काल चिकित्सा सामग्री और सुरक्षा किट की पहली खेप भेज दी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में कहा, ''रवि?वार को अफ्रीका को तत्काल चिकित्सा सामग्री और सुरक्षा किट की पहली खेप भेजी गई। इबोला से जुड़ी उभरती सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति से निपटने में अफ्रीका का सहयोग करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।'' विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में इबोला वायरस को बेहद खतरनाक बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आकलन स्तर को 'हाई' से 'वेरी हाई' (उच्चतम) श्रेणी में कर दिया है। हालांकि, संगठन का कहना है कि वैश्विक स्तर पर ~~इसका खतरा कम है। डब्ल्यूएचओ ने इस प्रकोप और पड़ोसी देश युगांडा में~~ मामलों की पुष्टि के बाद अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने शुक्रवार को बताया कि अब तक डीआरसी में 82 मामलों और सात मौतों की पुष्टि हो चुकी है। इसके अलावा लगभग 750 संदिग्ध मामले और 177 संदिग्ध मौत भी दर्ज की गई है।

भारत सरकार ने रविवार को अपने नागरिकों को सलाह दी है कि जो लोग वर्तमान में कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान में रह रहे हैं या वहां यात्रा पर जा रहे हैं, वे वहां की स्थानीय स्वास्थ्य एजेंसियों की ओर से जारी की गई सलाह का सख्ती से पालन करें और विशेष एहतियात बरतें। तमिलनाडु के पब्लिक हेल्थ डायरेक्टरेट (डीपीएच) ने सभी जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। ईबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों पर खास नजर रखी जा रही है। एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग और चेकिंग बढ़ा दी गई है, खासकर उन यात्रियों की जिन्होंने हाल में प्रभावित देशों का सफर किया हो। साथ ही, पूरे स्वास्थ्य विभाग में अतिरिक्त तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं।

किसी भी संदिग्ध मामले से निपटने के लिए प्रमुख सरकारी अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड और रैपिड रिस्पॉन्स टीमों को तैयार रखा गया है। मेडिकल कॉलेजों, जिला मुख्यालय अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे स्वास्थ्यकर्मियों को इस बीमारी के बारे में जागरूक करें, जिसमें इसके लक्षण, फैलने के तरीके और संक्रमण-नियंत्रण की प्रक्रियाएं शामिल हैं। डॉक्टरों, नर्सों और फील्ड स्टाफ के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं, ताकि यह पक्का किया जा सके कि संदिग्ध इन्फेक्शन की पहचान जल्दी हो जाए और उनकी रिपोर्ट तुरंत की जा सके।

व्हाइट हाउस फायरिंग : नेतन्याहू ने कहा, 'राजनीतिक हिंसा निंदनीय'

तेल अवीव। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास और मुख्य कार्यस्थल व्हाइट हाउस के बाहर शनिवार को ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई गईं। हमलावर जवाबी कार्रवाई में मारा गया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे राजनीतिक हिंसा बताया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इजरायली पीएम के आधिकारिक एक्स अकाउंट से एक पोस्ट जारी की गई। इसमें नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें ये जानकर अच्छा लगा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के अब तक के सबसे अच्छे मित्र सुरक्षित हैं और हमलावर कुछ बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा पाया। उसे खत्म कर दिया गया। उन्होंने आगे कहा,

'राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की बार-बार कोशिश हुई है। इस राजनीतिक हिंसा की स्पष्ट और कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। शनिवार शाम गोलीबारी करने वाले हमलावर को सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने जवाबी फायरिंग में मार गिराया। इस गोलीबारी में एक राहगीर भी घायल हुआ। उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में मौजूद थे और वह पूरी तरह सुरक्षित हैं। करीब 6 बजे 17वीं स्ट्रीट और पेनसिल्वेनिया एवेन्यू एनडब्ल्यू के पास ही वारदात हुई। ये इलाका व्हाइट हाउस और आइजनहावर एग्जीक्यूटिव ऑफिस बिल्डिंग के करीब है।

सीक्रेट सर्विस ने बताया कि उनके अधिकारियों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें हमलावर को गोली लगी। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बयान में यह भी कहा गया कि गोलीबारी के दौरान एक आम नागरिक भी गोली लगने से घायल हुआ। हालांकि अधिकारियों को कोई चोट नहीं आई। घटना के बाद कुछ समय के लिए पूरे व्हाइट हाउस परिसर को लॉकडाउन कर दिया गया। हथियारबंद सीक्रेट सर्विस अधिकारी नॉर्थ लॉन में तैनात हो गए और सुरक्षा टीमों ने पत्रकारों और स्टाफ को तेजी से प्रेस ब्रीफिंग रूम में पहुंचाया।

नफरत भरे कंटेंट पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति लीजे म्युंग सख्ते

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति लीजे म्युंग ने रविवार को ऑनलाइन नफरत फैलाने वाली और अपमानजनक पोस्ट करने वालों पर सख्त कार्रवाई को लेकर सार्वजनिक बहस की मांग की है।

ली ने यह बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में एक रिपोर्ट साझा की जिसमें बताया गया था कि एक दक्षिणपंथी ऑनलाइन फोरम से जुड़े कुछ युवाओं ने पूर्व उदारवादी राष्ट्रपति रो मू-ह्यून की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उनकी मृत्यु की सालगिरह पर उनके स्मारक स्थल के पास भड़काऊ और अपमानजनक हरकतें कीं।

ली ने लिखा कि इस पर अलग-अलग राय हैं कि क्या ऐसे बयान, जो समाज में विभाजन और टकराव पैदा करते हैं। जैसे कि 'इल्बे' नामक ऑनलाइन समुदाय में देखे जाते हैं। उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत सुरक्षा मिलनी

चाहिए या फिर उन पर प्रतिबंध और सजा जैसी कार्रवाई होनी चाहिए।

'इल्बे स्टोरहाउस' दक्षिण कोरिया का एक ऑनलाइन समुदाय है, जो अपने चरम दक्षिणपंथी विचारों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे विचारों और नस्लवादी भाषा के लिए जाना जाता है।

ली ने कहा कि ऐसे मामलों में और सख्त शर्तों की जरूरत है और यहां तक कि अपमानजनक या नफरत फैलाने वाले कंटेंट पर सजा या हर्जाने जैसी कार्रवाई भी हो सकती है।

ईरान के सर्वोच्च नेता की अनुमति के बिना कोई निर्णय नहीं: पेजेश्कियन

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा है कि अमेरिका-ईरान समझौते को लेकर देश में कोई भी निर्णय ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की अनुमति के बिना नहीं लिया जाएगा।

तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार, पेजेश्कियन ने कहा, 'कोई भी बयान, विश्लेषण या रुख जो समाज में विभाजन पैदा करता है, वास्तव में दुश्मन को फायदा पहुंचाने जैसा होता है।'

उन्होंने कहा, 'देश में कोई भी निर्णय सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के ढांचे के बाहर और सर्वोच्च नेता की अनुमति के बिना नहीं लिया जाएगा। देश का संचालन एकीकृत निर्णय और सामूहिक अनुशासन की मांग करता है।'

उनका बयान ऐसे समय में आया है जब 60 दिन के संघर्ष विराम को लेकर खबर सुर्खियों

में बनी हुई है। अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस ने अमेरिकी सैन्य अफसर के हवाले से दावा किया है कि जल्द इसकी घोषणा की जा सकती है। बातचीत में होमुर्ज, न्यूक्लियर प्रोग्राम से लेकर कुछ पाबंदियां हटाने की भी शर्तें शामिल हैं।

इससे पहले पेजेश्कियन ने एक्स पोस्ट के जरिए ईरान के इतिहास को याद दिलाते हुए अमेरिका को निशाने पर लिया था। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'हमारा देश आज भी, बिना हारे डटा हुआ है। ठीक बहादुर खोर्रमशहर के लोगों की तरह, जो हमलावर सेना के खिलाफ कई दिनों तक डटे रहे ताकि दुनिया को ईरानी लोगों की ताकत का अंदाजा लग सके।'

खोर्रमशहर, ईरान के खुजेस्तान प्रांत में स्थित एक प्रमुख और ऐतिहासिक बंदरगाह शहर है। यह 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध के दौरान चर्चा में आया था।

हवाई में 6.0 तीव्रता के भूकंप के बाद सुनामी का कोई खतरा नहीं, आफ्टरशॉक्स की संभावना बरकरार : यूएसजीएस

लॉस एंजिल्स। हवाई राज्य में किसी भी तरह की सुनामी का खतरा नहीं है। यह जानकारी अधिकारियों ने उस भूकंप के बाद दी है जिसकी तीव्रता 6.0 मापी गई थी। यह भूकंप हवाई के बिग आइलैंड पर होनाउनाउ-नापूपू से लगभग 12 किलोमीटर दक्षिण में आया था।

यह भूकंप शुक्रवार रात 9:46 बजे स्थानीय समय पर आया। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के अनुसार इसका केंद्र 19.34 डिग्री उत्तर अक्षांश और 155.84 डिग्री पश्चिम देशांतर पर था, और इसकी गहराई लगभग 22.4 किलोमीटर थी।

यूएसजीएस ने बताया कि यह भूकंप हवाई के कई द्वीपों में महसूस किया गया, लेकिन इससे मौना लोआ या किलाउआ ज्वालामुखियों पर कोई असर नहीं दिखा है। इसके बाद कुछ छोटे-छोटे आफ्टरशॉक्स

भी आए हैं और आने वाले दिनों में और झटके आ सकते हैं, ऐसा यूएसजीएस ने कहा है।

हवाई में मध्यम स्तर के भूकंप आम बात हैं। पिछले 50 वर्षों में, इस बार आए भूकंप के आसपास 100 किलोमीटर के दायरे में 5.0 या उससे ज्यादा तीव्रता वाले 36 से अधिक भूकंप आ चुके हैं।

पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने इस भूकंप के बाद कोई सुनामी चेतावनी जारी नहीं की। हवाई काउंटी के मेयर किमो अलामेडा ने कहा कि यह भूकंप इतना बड़ा नहीं था कि हवाई द्वीप के लिए सुनामी पैदा कर सके।

अमेरिका में सुनामी अलर्ट चार तरह का होता है, जिसमें सुनामी इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट, वॉच, एडवाइजरी और वॉर्निंग शामिल हैं। एडवाइजरी का मतलब होता है कि ऐसी सुनामी आ सकती है जिससे तेज समुद्री धाराएं या ऊंची लहरें बन सकती हैं।

बलूचिस्तान रेलवे ट्रैक के पास 'फिदायीन' हमला, कइयों के मारे जाने की खबर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को रेलवे ट्रैक के पास आत्मघाती हमले में कई लोगों के मारे जाने की खबर है। देश की सरकारी न्यूज एजेंसी एपीपी ने रेलवे अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह शटल ट्रेन क्वेटा कैंट से रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थी, जब सुबह करीब 8 बजे चमन फाटक के पास इसे निशाना बनाया गया। धमाका चमन फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर हुआ।

धमाके के तुरंत बाद प्रतिबंधित बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इसकी जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि यह एक 'फिदायीन,' यानी आत्मघाती हमला था, जिसका निशाना पाकिस्तानी सैन्यकर्मी थे।

अपने बयान में बीएलए ने कहा कि उसकी मजीद ब्रिगेड, जिसे समूह की आत्मघाती इकाई बताया जाता है, ने एक 'बहुत ही सुनियोजित' हमला किया। इस हमले में कथित तौर पर क्वेटा कैंट से सैन्यकर्मियों को ले जा रही ट्रेन को निशाना बनाया गया। बीएलए ने कहा, 'आज (24 मई) सुबह, बलोच लिबरेशन आर्मी की फिदायीन इकाई मजीद ब्रिगेड ने क्वेटा कैंट से सैन्य कर्मियों को ले

जा रही ट्रेन को एक अत्यंत संगठित फिदायीन हमले में निशाना बनाया। बलोच लिबरेशन आर्मी इस ऑपरेशन की पूरी जिम्मेदारी स्वीकार करती है। ऑपरेशन से संबंधित विस्तृत जानकारी, तथा दुश्मन को हुए भौतिक और मानवीय नुकसान का विवरण जल्द ही एक आधिकारिक बयान में मीडिया को जारी किया जाएगा।' हालांकि सराकार या स्थानीय मीडिया ने इसे आत्मघाती बताने से परहेज किया है। धमाके की पुष्टि करते हुए पाकिस्तान रेलवे ने कहा कि राहत कार्यों के लिए रेस्क्यू ट्रक और एक राहत ट्रेन मौके पर भेजी गई है।

सैन्य ठिकाने पर हमले की कोशिश में नाइजीरियाई सैनिकों की जवाबी कार्रवाई, 12 संदिग्ध हमलावर ढेर

अबुजा। नाइजीरिया की सेना ने बताया है कि उत्तर-पूर्वी राज्य बोर्नो राज्य में एक सैन्य ठिकाने पर हमला करने की कोशिश के बाद हुई गोलीबारी में कम से कम 12 संदिग्ध हमलावर मारे गए।

सेना के प्रवक्ता सानी उबा ने शनिवार (स्थानीय समय) को एक बयान में कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों ने शुक्रवार सुबह नाइजीरिया-कैमरून सीमा के पास किरावा कस्बे में स्थित एक सैन्य पोस्ट में घुसपैठ करने की कोशिश की थी, लेकिन 153 टास्क फोर्स बटालियन और सहयोगी बलों के जवानों ने उन्हें रोक दिया।

उबा के मुताबिक, सरकारी सैनिकों ने भारी गोलीबारी की, जिससे हमलावर पीछे हटने पर मजबूर हो गए और वे कैमरून सीमा

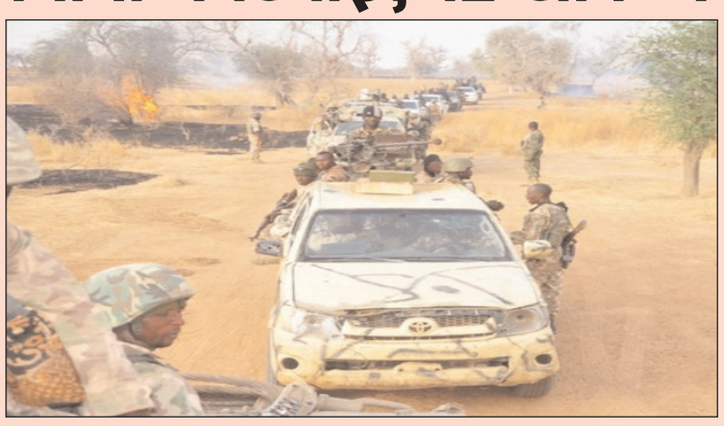

की ओर भाग गए। सेना ने बताया कि कुछ हमलावर घायल हालत में वहां से भाग निकले। सैनिकों ने मौके से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया, जिनमें एके-47 राइफलें, रॉकेट लॉन्चर और एक मशीन गन शामिल हैं। इससे पहले 19 मई को सेना ने बताया था कि नाइजीरिया के उत्तर-पूर्वी इलाके में आतंकवाद विरोधी संयुक्त अभियानों में नाइजीरियाई सैनिकों और अमेरिकी बलों ने मिलकर कुल 175 इस्लामिक स्टेट के लड़ाकों और उनके वरिष्ठ कमांडरों को मार गिराया है। सेना के प्रवक्ता समाइला उबा ने एक बयान में कहा था कि ये संयुक्त हवाई और जमीनी हमले पिछले सप्ताहांत शुरू हुए थे और इनसे आतंकवादी संगठन की ताकत को बड़ा नुकसान पहुंचा है। कई ठिकाने, हथियारों के भंडार, लॉजिस्टिक सेंटर, सैन्य उपकरण और फंडिंग नेटवर्क नष्ट कर दिए गए। उबा ने बताया कि मारे गए लोगों में कई बड़े आतंकवादी नेता भी शामिल थे, जैसे अबू-बिलाल अल-मिनुकी, जिसे संगठन का वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा नेता बताया गया था।

गांव हों या शहर, भीषण गर्मी में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भीषण गर्मी और बढ़ती बिजली मांग के बीच प्रदेश में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन, किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को बिजली संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी स्तरों पर सतत मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि गर्मी के इस चुनौतीपूर्ण दौर में ऊर्जा विभाग पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करे।

मुख्यमंत्री रविवार को ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा एवं राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत की उपस्थिति में ऊर्जा विभाग, पावर कॉरपोरेशन एवं सभी डिस्कॉम के अधिकारियों के साथ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने राज्य की विद्युत उत्पादन क्षमता को और सुदृढ़ बनाने तथा गर्मी के मौसम में निर्बाध बिजली उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए उत्पादन इकाइयों की अधिकतम क्षमता का उपयोग किया जाए और सभी संयंत्रों में तकनीकी दक्षता तथा रखरखाव व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़कर 13,388 मेगावाट हो गई है। इसमें अनपरा, ओबरा, हरदुआगंज, परीछा, जवाहरपुर और पनकी जैसे तापीय विद्युत गृहों की 9,120 मेगावाट क्षमता शामिल है, जबकि जल विद्युत परियोजनाओं से 526.4 मेगावाट क्षमता उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त मेजा, घाटमपुर और खुर्जा परियोजनाओं से संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से 3,742 मेगावाट क्षमता राज्य को प्राप्त हो रही है।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2026 तक उत्पादन निगम की स्थापित क्षमता में 86 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, गैर पारंपरिक ऊर्जा विकल्पों से लगभग 10 हजार मेगावॉट बिजली उत्पादन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए ट्रांसमिशन नेटवर्क को और अधिक मजबूत, आधुनिक एवं भरोसेमंद बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली की दक्षता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दिल्ली पुलिस ने नंदू गैंग के 3 शार्पशूटर्स और 2 हथियार सप्लायर्स को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने राजधानी में रंगदारी के लिए बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे कुख्यात गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के तीन शार्पशूटर्स और दो हथियार सप्लायर्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, चार जिंदा कारतूस और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

स्पेशल सेल के अनुसार, गिरफ्तार शार्पशूटर्स की पहचान पंजाब के अमृतसर निवासी अभिषेक, साहिल और हर्षदीप उर्फ पोलू के रूप में हुई है, जबकि हथियार उपलब्ध कराने वाले आरोपियों की पहचान हरियाणा के कैथल निवासी करण उर्फ अंकुश और अमन के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, ये सभी आरोपी गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू के निर्देश पर दिल्ली के छावला इलाके में स्थित एक क्लिनिक पर फायरिंग कर रंगदारी वसूलने की योजना बना रहे थे। हालांकि क्लिनिक के आसपास अधिक भीड़ होने के कारण आरोपी वारदात को अंजाम नहीं दे सके और रेकी कर वापस लौट गए थे। स्पेशल सेल की उत्तरी रेंज की टीम ने 20 मार्च को इंस्पेक्टर अनुज नौटियाल और इंस्पेक्टर चंदन कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए पहले आरोपी अभिषेक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर उसके अन्य साथियों और हथियार सप्लायर्स को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

जांच में खुलासा हुआ है कि कपिल सांगवान उर्फ नंदू विदेश में बैठकर रंगदारी का नेटवर्क चला रहा था। दिल्ली में हथियार, गोला-बारूद और बाइक की व्यवस्था कैथल में मौजूद उसके सहयोगियों के जरिए की गई थी। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से राजधानी में होने वाली एक बड़ी फायरिंग की साजिश को नाकाम कर दिया गया है।

संक्षिप्त खबर

मध्य प्रदेश के रीवा में दो साध्वियों की हादसे में मौत को लेकर प्रदर्शन करेगा जैन समुदाय

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा में हुए एक दुखद सड़क हादसे के बाद पूरे भारत में जैन समुदाय ने गहरा शोक और आक्रोश व्यक्त किया है। इस हादसे में दो जैन साध्वियों की जान चली गई जबकि तीसरी साध्वी गंभीर रूप से घायल हो गई। इस घटना से नाराज जैन समुदाय ने 25 मई को जैन साधुओं के लिए न्याय और बेहतर सुरक्षा उपायों की मांग करते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के एक श्रृंखला की घोषणा की है। यह दिल दहला देने वाली दुर्घटना 20 मई की सुबह रीवा के सिविल लाइंस इलाके में कलेक्ट्रेट के पास हुई। तेज रफ्तार कार ने धार्मिक पदयात्रा कर रहीं तीन जैन साध्वियों को कुचल दिया।

सागर जिले की मूल निवासी और आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की शिष्या श्रुतमति माता की मौके पर ही मृत्यु हो गई। अन्य दो साध्वियां तमिलनाडु की उपसमिति माता और जबलपुर की अरिका माता गंभीर रूप से घायल हो गईं और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इनमें से एक को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया जबकि दूसरी साध्वी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। ड्राइवर राशिद अली शाह हादसे के बाद मौके से फरार हो गया लेकिन बाद में लगभग 270 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद पुलिस ने उसे जबलपुर के पास पकड़ लिया। विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामने आए वीडियो फ़ुटेज में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि कार सड़क के बीच से अचानक मुड़कर सीधे उन साध्वियों की ओर बढ़ गई, जो सड़क के किनारे चल रही थीं। तेज रफ्तार, लापरवाही से गाड़ी चलाने और 'हिट-एंड-रन' के आरोप में आरोपी चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने पुष्टि की है कि यह वाहन उत्तर प्रदेश के बलरामपुर से महाराष्ट्र के नागपुर लौट रहा था। इस घटना से जैन समुदाय को गहरा आघात पहुंचा है। समुदाय के कई सदस्यों ने इस बात पर संदेह जताया है कि क्या यह दुर्घटना वास्तव में अनजाने में हुई थी। कुछ लोगों ने किसी भी संभावित साजिश की आशंका को खारिज करने के लिए गहन जांच की मांग की है। इसके जवाब में जैन संगठनों ने 25 मई को भोपाल, इंदौर, दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई और अन्य प्रमुख शहरों में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों और मार्च का आह्वान किया है।

समुदाय के नेताओं ने शांति बनाए रखने की अपील करते हुए जैन भिक्षुओं और साध्वियों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने और उनकी सुरक्षा बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया है, ये साधु-साध्वियां अपनी धार्मिक प्रथाओं के तहत नंगे पैर यात्रा करते हैं। मुनि श्री प्रमाण सागर जी सहित कई वरिष्ठ जैन संतों ने संदेश जारी कर समुदाय से इस कठिन समय में धैर्य, आस्था और संयम बनाए रखने का आग्रह किया है। राज्यसभा सदस्य नवीन जैन ने भी शोक संतप्त समुदाय के प्रति अपनी संवेदनाएं और एकजुटता व्यक्त की है। मध्य प्रदेश सरकार ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस दुखद घटना ने एक बार फिर सार्वजनिक सड़कों पर जैन साधुओं की असुरक्षा और राज्य में सड़क सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं को उजागर किया है। जैसे-जैसे प्रदर्शनों की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं, पूरा जैन समुदाय दिवंगत आत्माओं के लिए न्याय और अपने धार्मिक नेताओं की सुरक्षा की मांग को लेकर एकजुट हो गया है। इन शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है, जो समुदाय के सामूहिक आक्रोश और दृढ़ संकल्प को दर्शाएगा।

भाजपा ने शिक्षक और स्नातक विधान परिषद चुनाव के लिए प्रत्याशियों की घोषणा की

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तर प्रदेश में होने वाले शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद चुनाव-2026 के लिए पांच प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने लखनऊ और आगरा स्नातक सीटों के साथ बरेली-मुरादाबाद, लखनऊ और मेरठ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवार घोषित किए हैं।

भाजपा द्वारा जारी सूची के अनुसार लखनऊ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अवनीश कुमार सिंह को प्रत्याशी बनाया गया है। आगरा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह को टिकट दिया गया है। वहीं बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. हरि सिंह ढिल्लों चुनाव मैदान में होंगे। इसके अलावा लखनऊ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से उमेश द्विवेदी और मेरठ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से श्रीचंद शर्मा को पार्टी प्रत्याशी बनाया गया है।

प्रत्याशियों की घोषणा भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह की ओर से जारी सूची में की गई। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2026 में विधान परिषद की शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की 11 सीटों पर चुनाव होने हैं। उप्र विधान परिषद में कुल 100 सदस्य होते हैं, जिनमें आठ सदस्य शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों और आठ सदस्य स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों से चुने जाते हैं।

इन सीटों का चुनाव शिक्षित मतदाताओं और शिक्षक समुदाय के जरिए प्रत्यक्ष मतदान से कराया जाता है। वर्तमान में इन निर्वाचन क्षेत्रों से चुने गए सदस्यों का कार्यकाल 7 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। इसके चलते अगले वर्ष इन सीटों पर चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। राजनीतिक दलों ने अभी से इन चुनावों की तैयारियां तेज कर दी हैं। भारतीय जनता पार्टी ने जिन पांच उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं, वे सभी वर्तमान में भी विधान परिषद सदस्य हैं। पार्टी ने अनुभव और संगठनात्मक पकड़ को ध्यान में रखते हुए मौजूदा सदस्यों पर दोबारा भरोसा जताया है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, उम्मीदवारों के चयन में संगठनात्मक सक्रियता, शिक्षक और स्नातक वर्ग में पकड़ तथा क्षेत्रीय समीकरणों को ध्यान में रखा गया है। भाजपा इन चुनावों को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मान रही है। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद चुनावों में शिक्षकों, स्नातकों और शिक्षित मतदाताओं की अहम भूमिका रहती है।

टीएमसी को मिला 'तृणमूल भवन' खाली करने का नोटिस

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व को पूर्वी कोलकाता स्थित पार्टी के अस्थायी मुख्यालय 'तृणमूल भवन' को खाली करने का नोटिस मिला है। ईएम बाईपास के पास टॉपसिया इलाके में स्थित किराए की उस बहुमंजिला इमारत के मालिक ने पार्टी से इमारत खाली करने को कहा है। यह इमारत पिछले कुछ वर्षों से तृणमूल कांग्रेस का मुख्यालय रही है। बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद इमारत के बाहर हुई तोड़फोड़ की घटनाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

इस आलीशान बहुमंजिला इमारत के मालिक मोंटू साहा हैं। वह राज्य की जानी-मानी कंपनी 'मॉडर्न डेकोरेटर्स' के प्रमुख हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने मौखिक रूप से तृणमूल नेतृत्व को इमारत खाली करने के बारे में सूचित किया है। साहा ने यह भी स्पष्ट किया है कि इमारत खाली करने के लिए समय सीमा तय कर दी गई है। उन्होंने बताया कि उनकी तृणमूल नेतृत्व से बातचीत हुई थी और पार्टी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि अगले दो महीनों के भीतर इमारत पूरी तरह खाली कर दी जाएगी। हाल के दिनों में राज्य में राजनीतिक उथल-पुथल देखने को मिली है। हालांकि, मोंटू साहा ने कहा कि इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद, दबाव या अन्य कारण नहीं था। उन्होंने कहा कि 4 मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के तुरंत बाद उस इमारत के बाहर बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ हुई थी।

दिल्ली के भलस्वा डेयरी इलाके में 10 महीने की बच्ची का घर से अपहरण

नई दिल्ली। दिल्ली के भलस्वा डेयरी इलाके में रविवार तड़के एक 10 महीने की बच्ची को उसके घर से अगवा कर लिया गया। यह घटना मुकुंदपुर की लेन नंबर 9 में हुई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रविवार सुबह करीब 5 बजे हुई, जब बच्चे के पिता कुछ देर के लिए पास की एक दुकान पर गए थे। उस दौरान घर का मुख्य दरवाजा खुला रह गया था। जब वह घर लौटे, तो उन्होंने देखा कि घर के अंदर से बच्ची गायब थी।

घटना के समय बच्ची की मां और बड़ी बेटी एक ही कमरे में साथ सो रही थीं। घर के अंदर से बच्ची के अचानक गायब हो जाने से पूरे इलाके में दहशत और चिंता फैल गई है। जब पति घर लौटे तो उन्होंने बच्ची की मां और बड़ी बेटी को बेहोश पाया। आईएएनएस से बात करते हुए बच्ची की मां ने कहा कि मेरे पति दूध लेने गए थे और मेरी बड़ी बेटी, जिसे बुखार था, उसने मुझसे अपने साथ वॉशरूम चलने के लिए कहा। वॉशरूम से आने के बाद हम वापस सो गए। जब मेरे पति वापस आए, तो उन्होंने हमें बेहोश पाया। फिर उन्होंने हमें जगाने की कोशिश की और पूछा कि बच्ची कहां है। तब हमें पता चला कि वह गायब है। उन्होंने कहा कि हमने हर जगह तलाशा। मेरी सास पास में ही रहती हैं। हम वहां भी देखने गए, लेकिन मेरी सास ने कहा कि उन्होंने उसे नहीं देखा है। वह अभी सिर्फ 10 महीने की है। मुझे नहीं पता कि उसे कौन ले गया। वह सुबह से ही गायब है। सुबह-सुबह बच्ची को दूध पिलाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक निप्पल घर के बाहर पड़ा मिला, जिससे इस घटना को लेकर चिंता और भी बढ़ गई है।

गोरखपुर में सरयू नदी में दर्दनाक हादसा, भाई-बहन की डूबने से

गोरखपुर। गोरखपुर में गोला थाना क्षेत्र के मेहड़ा मंदिर के पास सरयू नदी के तट पर रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। मंदिर के पास स्नान करने गए तीन बच्चे नदी में डूबने लगे। हादसे में भाई-बहन समेत दो बच्चों की मौत हो गई जबकि एक किशोरी को डूबने से बचा लिया गया। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है।

जानकारी के अनुसार प्रिंस (11), शिवानी (13) निवासी उसरी थाना उरुवा और माया (16) निवासी मेहड़ा रविवार को सरयू नदी में स्नान करने गए थे। इसी दौरान तीनों बच्चे अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। स्थानीय लोगों के मुताबिक जिस स्थान पर बच्चे डूबे, वहां नदी की गहराई करीब 40 फीट से अधिक है। बच्चों को डूबता देख मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया। सूचना मिलते ही गांव के युवक चंद्रमाल यादव उर्फ चंदू ने अपनी जान की परवाह किए बिना नदी में छलांग लगा दी। चंदू ने पहले माया और फिर प्रिंस को बाहर निकाला। दोनों बच्चों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने प्रिंस को मृत घोषित कर दिया। वहीं, माया का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। तीसरी बच्ची शिवानी की काफी तलाश की गई और करीब दो घंटे बाद स्थानीय गोताखोरों की मदद से उसका शव नदी से बाहर निकाला गया। उसे भी गोला सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि मृतक प्रिंस और शिवानी अपनी मां विनिता के साथ स्कूल बंद होने के बाद एक सप्ताह पहले ननिहाल मेहड़ा घूमने आए थे। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

मुंबई पुलिस ने ड्रग पेडलर को किया नजरबंद, एक साल के लिए दूसरी जगह भेजा

मुंबई। मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल की ओर से चलाए गए बड़े ऑपरेशन में ड्रग पेडलर इकबाल मोहम्मद अली शेख को पीआईटी-एनडीपीएस के प्रावधानों के तहत एक साल के लिए दूसरी जगह भेज दिया गया है।

धारावी के रहने वाले और नजरबंद किए गए 36 वर्षीय इकबाल मोहम्मद अली शेख के खिलाफ धारावी, साकीनाका और वर्ली में एनडीपीएस के कुल आठ मामले दर्ज हैं। वर्ली यूनिट ने 2025 में एनडीपीएस के एक मामले में कार्रवाई की थी और चार्जशीट भी दाखिल की गई थी।

हालांकि, इकबाल मोहम्मद अली शेख को पहले ज़मानत पर रिहा कर दिया गया था लेकिन पुलिस का कहना है कि वह फिर से नशीले पदार्थों से जुड़ी गतिविधियों में शामिल हो गया था। इसी वजह से मुंबई पुलिस ने पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट के तहत उसे दूसरी जगह भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे महाराष्ट्र गृह विभाग ने मंजूरी दे दी।

इकबाल को 24 मई को हिरासत में लिया गया और यरवदा सेंट्रल जेल भेज दिया गया। यह एंटी-नारकोटिक्स सेल का 2026 में पीआईटी-एनडीपीएस के तहत किया गया सातवां ऑपरेशन है। 23 मई को महाराष्ट्र में ठाणे जिले के डोंबिवली के खोणी और पलावा इलाके में ड्रग्स तस्करी की बढ़ती गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए नवी मुंबई और मानपाड़ा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की थी। कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान नाइजीरिया के कुल 24 नागरिकों को हिरासत में लिया गया था।

केंद्र सरकार का लक्ष्य मिजोरम को मछली निर्यातक राज्य बनाना है : ललन सिंह

आइजोल। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और दुग्ध उत्पादन मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य मिजोरम को न केवल मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है, बल्कि भविष्य में इसे मछली निर्यात करने वाला राज्य बनाना भी है।

केंद्रीय मंत्री ने मिजोरम सरकार द्वारा प्रस्तावित विभिन्न विकासोन्मुखी परियोजनाओं के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन भी दिया।

आइजोल पहुंचने के तुरंत बाद केंद्रीय मंत्री सिंह ने मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री सिंह ने मुख्यमंत्री को बताया कि केंद्र सरकार मिजोरम द्वारा प्रस्तावित प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी देने की दिशा में काम कर रही है, जिनमें थोक मछली बाजार की स्थापना, एकीकृत एक्वा पार्क और धान-सह-मछली पालन समूहों का अधिक जिलों में विस्तार शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) 2.0 में नए मछली तालाबों के निर्माण, मौजूदा तालाबों के जीर्णोद्धार और नवीनीकरण तथा मछली पालकों के लिए बेहतर सहायता के प्रावधान शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री सिंह ने मिजोरम सरकार को पीएमएमएसवाई 2.0 के तहत पर्याप्त लाभ प्राप्त करने के लिए सुविचारित प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने केंद्र सरकार की यह इच्छा भी व्यक्त की कि मिजोरम न केवल मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर बने बल्कि मछली निर्यात करने में भी सक्षम हो और राज्य द्वारा प्रस्तुत विकासोन्मुखी परियोजनाओं के लिए समर्थन का आश्वासन दिया।

डेयरी विकास के विषय पर मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना के लिए तैयार की जा रही नई केंद्रीय योजना के तहत, वित्तपोषण पैटर्न को मौजूदा अनुपात से संशोधित करके अधिक अनुकूल 90:10 के केंद्रीय-राज्य हिस्से में बदलने का प्रस्ताव है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने आश्वासन दिया कि मिजोरम द्वारा आवश्यक मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों के लिए एक और मंजूरी पर विचार किया जाएगा और राज्य को आगे की स्वीकृतियों की प्रक्रिया पूरी होने तक पहले से स्वीकृत इकाइयों को लागू करने की सलाह दी।

कैसा रहा माइक्रोग्रैविटी में बाल कटवाने का अनुभव? शुभांशु शुक्ला ने बताया स्पेस का रोचक किस्सा

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के पायलट और गगनयान मिशन के लिए चुने गए चार भारतीयों में शामिल रहे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय ग्रुप कैप्टन भी हैं। वह स्पेस से जुड़े अनोखे अनुभवों को अक्सर साझा करते रहते हैं। इंस्टाग्राम पर एक दिलचस्प पोस्ट किया है, जिसमें वह स्पेस में माइक्रोग्रैविटी (शून्य गुरुत्वाकर्षण) में बाल कटवाने का अपना रोचक अनुभव बताते नजर आए।

साल 2025 में 18 दिन के सफल मिशन के बाद भारत लौट चुके शुभांशु भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) के मानव मिशन के प्रमुख चेहरों में से एक हैं। उन्होंने बताया कि स्पेस स्टेशन पर बाल कटवाना एक रोचक लेकिन चुनौतीपूर्ण अनुभव था। शुभांशु ने बताया कि क्वारंटाइन में जाने से पहले उन्होंने पृथ्वी पर बाल कटवा लिए थे। उनका मानना था कि 14 दिन के क्वारंटाइन और 14 दिन के मिशन के दौरान बाल ठीक रहेंगे, लेकिन मिशन की अवधि बढ़ गई। फिर 28 दिन की योजना 32 दिन के क्वारंटाइन में बदल गई और उसके बाद स्पेस में भी 18 दिन का समय और लग गया। आखिरकार बाल इतने बढ़ गए कि हेयरकट जरूरी हो गया।

स्पेस में हेयरकट कैसे हुआ? इसकी जानकारी देते हुए शुभांशु शुक्ला ने बताया कि अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा की एस्ट्रोनॉट निकोल एयर्स, जिन्हें वेपर के नाम से जाना जाता है ने उनकी मदद की। निकोल एक अनुभवी फाइटर पायलट, वॉलीबॉल प्लेयर और अब एक बेहतरीन स्पेस बार्बर भी साबित हुईं। उन्होंने बेहद आत्मविश्वास के साथ बाल काटने का काम संभाला।

उन्होंने बताया कि माइक्रोग्रैविटी में बाल काटना आसान नहीं होता क्योंकि कटे हुए बाल हवा में तैरने लगते हैं। इसलिए खास तरह के क्लिपर इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें वैक्यूम सिस्टम लगा होता है जो बालों को तुरंत अंदर खींच लेता है। शुभांशु ने खुद असिस्टेंट का रोल निभाया और वैक्यूम चलाकर हर कटे बाल को पकड़ लिया। उन्होंने इसे इंटरनेशनल टीम वर्क का बेहतरीन उदाहरण भी बताया।

शुभांशु शुक्ला ने बताया कि यह अनुभव न सिर्फ रोचक है बल्कि अंतरिक्ष में रोजमर्रा की जिंदगी कितनी अलग और चुनौतीपूर्ण होती है, यह भी दिखाता है। इसका नतीजा भी काफी अच्छा निकला। 400 किलोमीटर ऊपर पृथ्वी की कक्षा में तैरते हुए एक परफेक्ट हेयरकट हो गया। उन्होंने इसे अपने बकेट लिस्ट का ऐसा आइटम बताया जिसके बारे में उन्हें पहले कभी पता नहीं था।

विश्व योग दिवस को 29 दिन शेष, आयुष मंत्रालय ने बताया कैसे करें 'चालन' क्रियाओं का अभ्यास

दिल्ली । विश्व योग दिवस 2026 अब सिर्फ 29 दिन दूर है। स्वस्थ भारत अभियान के तहत भारत सरकार का आयुष मंत्रालय नागरिकों से लागातर अपील कर रहा है कि वे योगासन को दिनचर्या में शामिल करें, जो न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक समस्याओं को दूर करने में भी कारगर है। इसी कड़ी में मंत्रालय ने 'चालन' क्रियाओं के अभ्यास के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

आयुष मंत्रालय ने योग साधना की शुरुआत 'चालन क्रियाओं' यानी शरीर को ढीला करने वाले बुनियादी अभ्यासों से करने की सलाह दी है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, चालन क्रियाएं शरीर को लचीला बनाने, जोड़ों की गतिशीलता बढ़ाने और रक्त संचार सुधारने में मदद करती हैं। इन अभ्यासों से शरीर का सूक्ष्म रक्त संचार यानी माइक्रो ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और योगासन करने से पहले शरीर तैयार हो जाता है। मंत्रालय ने खासतौर पर गर्दन की चालन क्रियाओं पर विस्तार से जानकारी दी है।

गर्दन की चालन क्रियाएं इस प्रकार करें:- गर्दन को आगे और पीछे झुकाना, सावधान मुद्रा में खड़े हो जाएं। पैरों को थोड़ा अलग रखें और हाथों को कमर पर रखें। सांस छोड़ते हुए गर्दन को धीरे-धीरे आगे झुकाएं और ठुड्डी को छाती से छूने की कोशिश करें। सांस लेते हुए गर्दन को जितना आरामदायक हो उतना पीछे ले जाएं और फिर सामान्य स्थिति में लाएं।

गर्दन को दाईं और बाईं ओर झुकाना: - सांस छोड़ते हुए गर्दन को दाईं ओर झुकाएं और कान को कंधे के जितना पास लाने की कोशिश करें। सांस लेते हुए वापस बीच में लाएं। इसी तरह बाईं ओर भी दोहराएं।

गर्दन को दाईं और बाईं ओर घुमाना: - सांस छोड़ते हुए गर्दन को दाईं ओर घुमाएं ताकि ठुड्डी कंधे की सीध में आ जाए। सांस लेते हुए बीच में लाएं। फिर बाईं ओर घुमाएं।

गर्दन का चक्राकार घुमाव:- गर्दन को आगे झुकाकर ठुड्डी छाती से लगाएं। सांस लेते हुए घड़ी की दिशा में (क्लॉकवाइज) घुमाएं। नीचे लाते समय सांस छोड़ें। इसके बाद घड़ी की विपरीत दिशा में (एंटी-क्लॉकवाइज) भी घुमाएं। इस दौरान गर्दन के जोड़ों और मांसपेशियों में खिंचाव महसूस करें।

मंत्रालय का कहना है कि चालन क्रियाएं रोजाना करने से शरीर तनावमुक्त रहता है, लचीलापन आता है और योगासन करने में आसानी होती है। हालांकि, खास चेतावनी दी है कि जिन लोगों को गर्दन में दर्द, स्पॉन्डिलाइटिस या कोई अन्य समस्या है, उन्हें सलाह के बाद ये अभ्यास बहुत धीरे और सावधानी से करने चाहिए।

ईबोला के बढ़ते खतरे के बीच तमिलनाडु में हाई अलर्ट, एयरपोर्ट्स और अस्पतालों में बढ़ाई गई निगरानी

चेन्नई । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से कुछ अफ्रीकी देशों से इबोला वायरस रोग (ईवीडी) के मामले सामने आने की संभावना के संबंध में जारी एक परामर्श के बाद तमिलनाडु सरकार ने हवाई अड्डों, बंदरगाहों और सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं पर निगरानी और एहतियाती उपायों को तेज कर दिया है।

राज्य में अभी तक कोई ईबोला केस न आने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां मजबूत कर दी हैं।

तमिलनाडु के पब्लिक हेल्थ डायरेक्टरेट (डीपीएच) ने सभी जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। ईबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों पर खास नजर रखी जा रही है। एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग और चेकिंग बढ़ा दी गई है, खासकर उन यात्रियों की जिन्होंने हाल में प्रभावित देशों का सफर किया हो। साथ ही, पूरे स्वास्थ्य विभाग में अतिरिक्त तैयारियां भी शुरू कर दी

गई हैं। किसी भी संदिग्ध मामले से निपटने के लिए प्रमुख सरकारी अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड और रैपिड रिस्पॉन्स टीमों को तैयार रखा गया है। मेडिकल कॉलेजों, जिला मुख्यालय अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे स्वास्थ्यकर्मियों को इस बीमारी के बारे में जागरूक करें, जिसमें इसके लक्षण, फैलने के तरीके और संक्रमण-नियंत्रण की प्रक्रियाएं शामिल हैं। डॉक्टरों, नर्सों और फील्ड स्टाफ के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं, ताकि यह पक्का किया जा सके कि संदिग्ध इन्फेक्शन की पहचान जल्दी हो जाए और उनकी रिपोर्ट तुरंत की जा सके। स्वास्थ्य अधिकारी फ्रंटलाइन मेडिकल स्टाफ की रिस्पॉन्स क्षमता को मजबूत करने पर भी ध्यान दे रहे हैं, ताकि इन्फेक्शन का पता लगाने और उसे फैलने से रोकने में कोई देरी न हो। प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों को सलाह दी गई है कि अगर उन्हें यात्रा के दौरान या पहुंचने के बाद कोई बीमारी के लक्षण महसूस हों, तो वे तुरंत इसकी जानकारी दें। इबोला से जुड़े लक्षणों में बुखार, अत्यधिक कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, गले में खराश, उल्टी, दस्त, त्वचा पर चकत्ते और गंभीर मामलों में शरीर के अंदर या बाहर रक्तस्राव शामिल हैं।

अधिकारियों ने सलाह दी कि जो लोग आगमन के 30 दिनों के भीतर ऐसे लक्षणों का अनुभव करते हैं, वे तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें और स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित करें।

इबोला एक अत्यंत गंभीर वायरल बीमारी है, जो संक्रमित व्यक्तियों के शारीरिक द्रवों या दूषित सतहों के सीधे संपर्क में आने से फैलती है। हालांकि तमिलनाडु में इबोला का कोई भी मामला दर्ज नहीं किया गया है, फिर भी अधिकारियों का कहना है कि बढ़ते अंतरराष्ट्रीय आवागमन को देखते हुए, अधिक सतर्कता और तैयारी की आवश्यकता है।

सरकार ने सीएनजी, एलएनजी और हाइड्रोजन डिस्पेंसर के सत्यापन का दायरा बढ़ाया, नई शुल्क लागू

नई दिल्ली। कार्यक्षमता को बेहतर बनाने और स्वच्छ ईंधन के बढ़ते इस्तेमाल को बढ़ावा देने के मकसद से केंद्र सरकार ने रविवार को कहा कि उसने 'लीगल मेट्रोलॉजी (सरकार द्वारा अनुमोदित परीक्षण केंद्र) नियम, 2013' में संशोधन किया है। इसका उद्देश्य भारत के लीगल मेट्रोलॉजी इकोसिस्टम को और मजबूत करना तथा देश में वजन और माप के सत्यापन संबंधी बुनियादी ढांचे का विस्तार करना है।

इस संशोधन की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें सरकारी-अनुमोदित परीक्षण केंद्रों (जीएटीसी) के दायरे का विस्तार किया गया है, ताकि अतिरिक्त ईंधन वितरण प्रणालियों के सत्यापन और पुन: सत्यापन को भी इसमें शामिल किया जा सके। उम्मीद है कि इस कदम से सत्यापन सेवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी।

इन संशोधनों के तहत राज्य सरकारों को यह अधिकार दिया गया है कि वे अपने-अपने नियमों के अनुसार जीएटीसी के माध्यम से सत्यापन के लिए वजन और माप की अतिरिक्त श्रेणियों को अधिसूचित कर सकें।

पेट्रोल और डीजल डिस्पेंसर के सत्यापन के लिए शुल्क 5 हजार रुपए प्रति नोजल निर्धारित किया गया है, जबकि सीएनजी, एलपीजी, एलएनजी और हाइड्रोजन डिस्पेंसर के लिए यह शुल्क 10 हजार रुपए प्रति नोजल तय किया गया है।

संशोधित नियमों के तहत उन उपकरणों की सूची में डिस्पेंसिंग सिस्टम की पांच श्रेणियां

जोड़ी गई हैं, जिनका सत्यापन जीएटीसी द्वारा किया जा सकेगा। इनमें पेट्रोल/डीजल डिस्पेंसर, सीएनजी डिस्पेंसर, एलपीजी डिस्पेंसर, एलएनजी डिस्पेंसर और हाइड्रोजन डिस्पेंसर शामिल हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने एक बयान में कहा कि इन उपकरणों को शामिल किए जाने के बाद जीएटीसी अब 'लीगल मेट्रोलॉजी' (वैधानिक माप-तौल) ढांचे के तहत वजन और माप की कुल 23 श्रेणियों का सत्यापन और पुन: सत्यापन कर सकेंगे। जीएटीसी ऐसी अनुमोदित सुविधाएं हैं, जिनके पास 'लीगल मेट्रोलॉजी एक्ट' और उससे संबंधित नियमों के तहत निर्धारित वजन और माप के सत्यापन तथा पुन: सत्यापन का कार्य करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा और तकनीकी विशेषज्ञता उपलब्ध है। योग्य निजी प्रयोगशालाओं और उद्योगों को शामिल करके जीएटीसी ढांचा देश की सत्यापन क्षमता का विस्तार करने तथा सत्यापन सेवाओं तक पहुंच बेहतर बनाने में मदद करता है।

पीठ-गर्दन के दर्द और अकड़न से मिलेगी राहत, दिनचर्या में शामिल करें 'चक्रासन'

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस को अब कुछ ही दिन शेष है। इस बीच स्वस्थ भारत मिशन के तहत भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लोगों को दिनचर्या में योगासनों को शामिल करने की अपील कर रहा है। इसी कड़ी में मंत्रालय लगातार आसनों के साथ प्राणायाम के बारे में जानकारी दे रहा है। मंत्रालय ने चक्रासन के बारे में जानकारी देते हुए उसके फायदों से भी अवगत कराया।

योग एक्सपर्ट्स के अनुसार, चक्रासन उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी है, जिन्हें पीठ, गर्दन या पैरों में दर्द, रीढ़ की हड्डी और कंधों में अकड़न या शरीर में लचीलापन कम होने की शिकायत है। मंत्रालय के अनुसार, आज की व्यस्त और बैठे-बैठे काम करने वाली जिंदगी में पीठ दर्द, गर्दन में खिंचाव और शरीर की अकड़न आम समस्या बन गई है। ये सभी लक्षण बताते हैं कि शरीर को पर्याप्त मूवमेंट और स्ट्रेचिंग की जरूरत है। चक्रासन इन समस्याओं से निपटने में

बहुत प्रभावी साबित होता है

मंत्रालय का कहना है कि चक्रासन न सिर्फ शरीर को मजबूत और लचीला बनाता है बल्कि मन को भी शांत रखने में मदद करता है। यह आसन नियमित रूप से करने से पोस्चर सुधरता है और रोजमर्रा की थकान भी दूर होती है।

इसके अलावा, चक्रासन के अभ्यास से पीठ और रीढ़ की हड्डी को मजबूती मिलती है, कंधों और गर्दन की अकड़न दूर होती है। साथ ही यह आसन शरीर के लचीलेपन को भी बढ़ाता है। छाती को खोलता है, जिससे सांस लेने में आसानी होती है। थकान और तनाव को कम करता है और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। जिन लोगों पूरे दिन थकान या सुस्ती लगती है उनके लिए और भी फायदेमंद है। यह आसन पूरे शरीर में ऊर्जा का संचार बढ़ाता है।

आयुष मंत्रालय ने सलाह दी है कि शुरुआती लोग किसी योग विशेषज्ञ की देखरेख में ही यह आसन करें। खासकर जिन लोगों को पीठ या गर्दन की गंभीर समस्या है, उन्हें डॉक्टर या योग ट्रेनर से सलाह लेकर ही अभ्यास शुरू करना चाहिए।

धूप, तनाव और गलत खानपान से बिगड़ता है स्किन का पीएच बैलेंस, हो सकती है मुंहासे-रूखेपन की समस्या

नई दिल्ली। आजकल लोग चमकदार और स्वस्थ त्वचा पाने के लिए तरह-तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं, लेकिन सिर्फ बाहरी चमक ही अच्छी स्किन की निशानी नहीं होती। अगर आपका स्किन का पीएच बैलेंस है, तो यह स्वस्थ होने की निशानी है। त्वचा का पीएच स्तर बिगड़ जाने पर रूखापन, जलन, मुंहासे, एलर्जी और समय से पहले बूढ़ी दिखने जैसी परेशानियां शुरू हो जाती हैं।

दरअसल, पीएच यह बताता है कि कोई चीज कितनी एसिडिक है या कितनी अल्कलाइन है। इसे 0 से 14 के पैमाने पर मापा जाता है। अगर किसी चीज का पीएच 7 है तो उसे सामान्य माना जाता है। 7 से कम स्तर एसिडिक और 7 से ऊपर अल्कलाइन माना जाता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, इंसानी त्वचा का प्राकृतिक पीएच हल्का एसिडिक होता है। आमतौर पर यह 4.5 से 5.5 के बीच बेहतर माना जाता है। इसी वजह से त्वचा के ऊपर एक पतली सुरक्षा परत बनी रहती है, जिसे स्किन बैरियर कहा जाता है। यह परत बैक्टीरिया, धूल, प्रदूषण और हानिकारक तत्वों से त्वचा को बचाने का काम करती है।

डॉक्टरों का कहना है कि अगर त्वचा का पीएच बैलेंस रहे तो त्वचा में नमी बनी रहती है और स्किन मुलायम होती है, लेकिन जब यह संतुलन बिगड़ने लगता है।

नागालैंड ने सुअर पालकों को भारी नुकसान की आशंका के मद्देनजर एएसएफ पर कड़े प्रतिबंध लगाए

कोहिमा/आइजोल । मिजोरम के बाद, नागालैंड सरकार ने राज्य के कई हिस्सों में अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) के प्रकोप के मद्देनजर निगरानी और रोकथाम के उपायों को तेज कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

नागालैंड के पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग (एएचवीएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों के जिला प्रशासन ने बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए सुअरों और सुअर के मांस उत्पादों के आयात, परिवहन और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है।

एएचवीएस निदेशालय ने कहा कि वह जिला पशु चिकित्सा अधिकारियों और फील्ड स्टाफ के माध्यम से प्रकोप की बारीकी से निगरानी कर रहा है, जो निगरानी, ??रोकथाम अभियान, जागरूकता अभियान, नमूना संग्रह और जैव-सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

एएसएफ एक अत्यधिक संक्रामक वायरल बीमारी है जो सुअरों को प्रभावित करती है, हालांकि यह मनुष्यों को संक्रमित नहीं करती है और इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा नहीं माना जाता है।

हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि यह बीमारी सुअर पालकों को गंभीर आर्थिक नुकसान पहुंचाती है और इसके लिए तत्काल रिपोर्टिंग और सख्त निवारक उपायों की आवश्यकता है।

विभाग ने सुअर पालकों, व्यापारियों, परिवहनकर्ताओं, ग्राम परिषदों, कॉलोनी अधिकारियों और आम जनता से अपील की है कि वे मौजूदा संकट के दौरान पशु चिकित्सा अधिकारियों के साथ पूर्ण सहयोग करें।

फीफा ने ईरान के पक्ष में लिया बड़ा फैसला, वर्ल्ड कप बेस कैंप को मेक्सिको स्थानांतरित किया

नई दिल्ली। फीफा ने ईरान के 2026 फीफा विश्व कप के लिए अपने ट्रेनिंग बेस को अमेरिका से मेक्सिको शिफ्ट करने के अनुरोध को मंजूरी दे दी है। यह फैसला यात्रा से जुड़ी मुश्किलों, वीजा प्रक्रियाओं और टूर्नामेंट से जुड़ी व्यापक भू-राजनीतिक संवेदनशीलताओं को लेकर बढ़ती चिंताओं के चलते लिया गया है।

इस फैसले की घोषणा इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के फुटबॉल फेडरेशन प्रमुख मेहदी ताज ने की। उन्होंने पुष्टि की कि इस्तांबुल में फीफा और टूर्नामेंट अधिकारियों के साथ बातचीत और फीफा के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ एक फॉलो-अप वर्चुअल मीटिंग के बाद ईरान के अनुरोध को मंजूरी मिल गई है।

फेडरेशन द्वारा जारी एक बयान में ताज ने कहा, 'वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाले देशों के सभी टीम बेस कैंप को फीफा से मंजूरी मिलना जरूरी है। सौभाग्य से, हमारे द्वारा किए गए अनुरोधों और इस्तांबुल में फीफा और वर्ल्ड कप अधिकारियों के साथ हमारी मुलाकातों के बाद, साथ ही कल तेहरान में फीफा के सम्मानित महासचिव के साथ हुई हमारी वेबिनार मीटिंग के बाद, यूनाइटेड स्टेट्स से मेक्सिको में टीम का बेस बदलने के हमारे अनुरोध को मंजूरी मिल गई।'

ताज ने आगे कहा कि टीम 'ईरान एयर की उड़ानों का इस्तेमाल करके मेक्सिको आ-जा भी सकती है।'

ईरानी फुटबॉल अधिकारियों का मानना ??है कि इस बदलाव से प्रतियोगिता के दौरान यूनाइटेड स्टेट्स में प्रवेश करने और यात्रा करने से जुड़ी परिचालन संबंधी मुश्किलें कम होंगी। फेडरेशन के अधिकारियों ने संकेत दिया कि टिजुआना में कैंप स्थापित करने से खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सहायक कर्मचारियों के लिए वीजा प्रक्रियाएं आसान हो सकती हैं, साथ ही यात्रा में भी ज्यादा लचीलापन आ सकता है।

फेडरेशन ने टिजुआना की भौगोलिक स्थिति के फायदों पर भी जोर दिया। सैन डिएगो के पास

हैम्बर्ग ओपनः टॉमी पॉल को हराकर इग्नासियो बुसे बने चैंपियन

हैम्बर्ग । इग्नासियो बुसे ने फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए हैम्बर्ग ओपन के खिताब को अपने नाम किया। उन्होंने दुनिया के 26वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल को 7-6(6), 4-6, 6-3 से हराया।

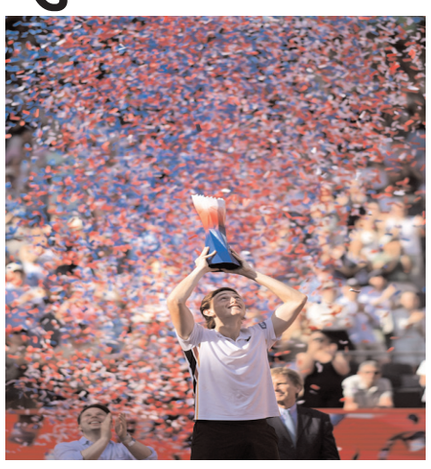

22 साल के पेरू के इस खिलाड़ी ने 3 घंटे और 3 मिनट तक चले शानदार फाइनल मैच में जीत हासिल की। वह क्वालिफायर के तौर पर एटीपी टूर का खिताब जीतने वाले साल 2026 के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। रोथेनबाम में ट्रॉफी उठाने वाले आखिरी क्वालिफायर 2018 में निकोलोज बेसिलशविली थे।

2007 में लुइस हॉर्ना के वीना डेल मार जीतने के बाद से बुसे पहले एटीपी टूर का खिताब जीतने वाले पेरू के पहले खिलाड़ी हैं। वह पाब्लो अर्रेया (एक टाइटल), जैमे यजागा (आठ टाइटल) और हॉर्ना (दो टाइटल) के साथ साउथ अमेरिकन देश के अकेले पुरुष टूर-लेवल सिंगल्स चैंपियन हैं। अर्रेया अपने देश के बुसे की जीत देखने के लिए हैम्बर्ग में स्टैंड में थे।

फाइनल मैच की पहली ही रैली से रोथेनबाम के दर्शकों को शानदार मुकाबला देखने को मिला। दोनों खिलाड़ियों ने बेसलाइन से जोरदार खेल दिखाया और तेज फोरहैंड शॉट्स के साथ एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। मैच के दौरान दोनों ने बेहद समझदारी और बेहतरीन रणनीति के साथ खेला। लगातार चार बार सर्विस ब्रेक होने से साफ दिखा कि दोनों खिलाड़ी पूरे जोश, आक्रामक अंदाज और शानदार तकनीकी समझ के साथ मुकाबला कर रहे थे।

एसएम कृष्णा मेमोरियल ओपनः आदिल-मुकुंद की जोड़ी ने जीता डबल्स खिताब

बेंगलुरु । आदिल कल्याणपुर और मुकुंद शशिकुमार की जोड़ी ने शनिवार को बेंगलुरु में एसएम कृष्णा मेमोरियल ओपन 2026 में डबल्स के खिताब को अपने नाम किया। आदिल-मुकुंद ने व्यक्तिगत और एटीपी चैलेंजर 50 टेनिस टूर्नामेंट के रूप में अपना पहला डबल्स खिताब जीता है।

इस गैर-वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने फाइनल में कजाकिस्तान के पेट्र बार बिरयुकोव और ग्रिगोरी लोमाकिन को 6-7(3), 6-4, 10-3 से हराया और एसएम कृष्णा केएसएलटीए टेनिस स्टेडियम में एक घंटे 37 मिनट तक चले खिताबी मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी ने टाई-ब्रेक में पहला सेट हारने के बाद जोरदार वापसी की। कल्याणपुर और मुकुंद ने दूसरे सेट में अच्छा प्रदर्शन किया और मैच को सुपर टाई-ब्रेकर तक पहुंचाया, जिसमें उन्होंने दबदबा बनाते हुए घरेलू मैदान पर खिताब जीता।

इससे पहले टूर्नामेंट में, कल्याणपुर और मुकुंद ने चौथी सीड वाली जापानी जोड़ी कोकोरो इसोमुरा और रयुकी मात्सुडा को 6-3, 7-6(4) से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। वहीं, सेमीफाइनल में दूसरी सीड वाली जोड़ी आयरलैंड के चार्ल्स बैरी और ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ चार्लटन को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया था।

इस बीच, भारत के निकी कलियांडा पूनाचा और साकेत माइनेनी सेमीफाइनल में बिरयुकोव और लोमाकिन से 6-3, 6-4 से हार गए। मुकुंद ने एसएम कृष्णा मेमोरियल ओपन में सिंगल्स में भी अच्छा प्रदर्शन किया।

29 साल के मुकुंद ने क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के एलेस्टेयर ग्रे के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन आखिर में दो घंटे 40 मिनट तक चले मैच में 2-6, 7-5, 7-6(3) से हार गए। सिंगल्स के फाइनल में पेट्र बार बिरयुकोव ने बेलारूस के इल्या इवाश्का को 7-6(0), 4-6, 6-4 से हराकर खिताब जीता।

इससे पहले शुक्रवार को पूर्व टॉप-50 खिलाड़ी इल्या इवाश्का ने दबाव में संयम दिखाते हुए ब्रिटेन के तीसरे सीड हामिश स्टीवर्ट को एक रोमांचक सेमीफाइनल में 6-3, 3-6, 6-2 से हराया था, जबकि चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पेट्र बार बिरयुकोव ने दूसरे सीड वाले एलेस्टेयर ग्रे को एक और मैराथन मुकाबले में 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया था। एसएम कृष्णा मेमोरियल ओपन इस साल बेंगलुरु में हुआ तीसरा चैलेंजर टूर्नामेंट था, इससे पहले जनवरी में बेंगलुरु ओपन और पिछले हफ्ते कर्नाटक ओपन हुआ था।

अच्छा लग रहा है कि पंजाब सरकार इतना सपोर्ट कर रही हैः हरमनप्रीत कौर

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान रविवार को 87 खिलाड़ियों को महाराजा रणजीत सिंह अवॉर्ड से सम्मानित करेंगे। अवॉर्ड के साथ-साथ खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इस इवेंट में शामिल होने के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भी पहुंचीं। हरमनप्रीत ने कहा कि सरकार की तरफ से मिल रहे सपोर्ट को देखकर अच्छा लग रहा है।

हरमनप्रीत ने 'आईएएनएस' संग बात करते हुए कहा, 'हम जब वनडे विश्व कप को जीतकर आए थे, तो सरकार ने हमको नकद पुरस्कार देने का ऐलान किया था और हम वहीं लेने के लिए यहां पहुंचे हैं। इसके साथ ही अन्य खेलों के कई खिलाड़ियों को महाराजा रणजीत सिंह अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। अच्छा लग रहा है कि हर खेल के खिलाड़ियों को ऐसे एक साथ मिलने का मौका मिल रहा है। देखकर अच्छा लग रहा है कि पंजाब सरकार खिलाड़ियों को इतना सपोर्ट कर रही है। हम कड़ी मेहनत करके जो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, उसके लिए सरकार से मिल रही सराहना के लिए हम शुक्रगुजार हैं।'

कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में गोल्ड और एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले रेसलर आदित्य कुंडू ने पंजाब सरकार के इस कदम की सराहना की। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री की तरफ से पहली बार अवॉर्ड मिल रहा है और बहुत खुशी है। काफी अच्छा लग रहा है कि सारे खिलाड़ियों को एकजुट करके हमें यह अवॉर्ड्स दिए जा रहे हैं। यह बहुत ही सराहनीय कदम है और मैं चाहता हूं कि ऐसा कार्यक्रम हर साल या 2 साल पर होना चाहिए,क्योंकि इससे खिलाड़ियों को काफी प्रोत्साहन मिलता है। महाराजा रणजीत सिंह अवॉर्ड लेने पहुंचीं आर्चरी की खिलाड़ी अवनीत कौर ने कहा कि वह मुख्यमंत्री भगवंत मान और पूरी पंजाब सरकार को धन्यवाद देना चाहती हैं, जिन्होंने सभी खिलाड़ियों के लिए यह खास पहल की।

डब्ल्यूएफआई ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश का सम्मान करते हुए विनेश फोगाट को ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति दी

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती नहीं देगा, जिसमें विनेश फोगाट को एशियाई खेल 2026 के चयन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई है। महासंघ के सूत्रों ने रविवार को इसकी पुष्टि की।

यह घटनाक्रम दिल्ली हाई कोर्ट के उस निर्देश के एक दिन बाद सामने आया है, जिसमें कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को ओलंपियन और दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता विनेश को ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति देने को कहा था। ये ट्रायल्स 30 और 31 मई को नई दिल्ली में होने हैं।

कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि पूरी चयन प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाए और इसकी निगरानी भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के स्वतंत्र पर्यवेक्षकों द्वारा की जाए।

कोर्ट के इस फैसले के बाद महासंघ के रुख की पुष्टि करते हुए डब्ल्यूएफआई के सूत्रों ने कहा कि संस्था कोर्ट के निर्देशों का पालन करेगी।

डब्ल्यूएफआई के सूत्रों ने आईएएनएस से ??कहा, 'हम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं और संघ इस फैसले को चुनौती नहीं देगा। विनेश फोगाट को ट्रायल्स में हिस्सा लेने दिया जाएगा।

हालांकि, महासंघ ने संकेत दिया कि अगर फोगाट ट्रायल्स के जरिए क्वालिफाई भी कर लेती हैं, तो भी लॉजिस्टिक्स से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं, क्योंकि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की सूची इस महीने की शुरुआत में ही जापान भेजी जा चुकी है।

यह पूछे जाने पर कि अगर फोगाट ट्रायल्स जीत जाती हैं, तो क्या उन्हें अंतिम टीम में शामिल किया जा सकता है, सूत्रों ने कहा, 'अब यह हमारे हाथ में नहीं है। अगर किसी तरह हम उन्हें एक 'आइकॉनिक खिलाड़ी' के तौर पर टीम में शामिल कर भी लेते हैं, तो उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग में ही मुकाबला करना होगा।'

कॉमनवेल्थ गेम्स की शानदार मेजबानी करेगा भारतः गुरजीत कौर

अहमदाबाद। अहमदाबाद में फिट इंडिया मूवमेंट के तहत चलाए जा रहे 'संडे ऑफ साइकिल' इवेंट के 75वें संस्करण में भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी गुरजीत कौर ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने लोगों को फिट रखने के लिए प्रेरित करने वाली सरकार की इस मुहिम की सराहना की।

गुरजीत ने इसके साथ ही कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि भारत कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की शानदार मेजबानी करने में सफल रहेगा। गुरजीत ने 'आईएएनएस' के साथ बात करते हुए कहा, 'अहमदाबाद आकर बहुत अच्छा लग रहा है। फिट इंडिया के तहत 'संडे ऑफ साइकिल' मुहिम में बहुत सारे लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और युवाओं को भी यह काफी पसंद आ रहा है। मैं लोगों को यही कहूंगी कि आप हर रविवार को साइकिल चलाइए और अगर हो सके, तो रोज साइकिल चलाने की कोशिश कीजिए। देखकर काफी बढ़िया लगा कि लोग घरों से बाहर आकर इस मुहिम को सपोर्ट कर रहे हैं।'

गुरजीत ने भारत की मेजबानी में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 को लेकर बात करते हुए कहा, 'कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन भारत में होना है, तो भारतीय खिलाड़ी जोरों-शोरों से तैयारियों में जुटे हुए हैं। मुझे पूरी उम्मीद है ।

आईआईटी गुवाहाटी में केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने 'संडे ऑन साइकिल' के 75वें संस्करण के दौरान कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 समारोह का नेतृत्व किया

गुवाहाटी । फिटनेस, युवाओं की भागीदारी और भारत की बढ़ती खेल महत्वाकांक्षाओं के एक शानदार उत्सव के रूप में, युवा मामले और खेल राज्य मंत्री, रक्षा खडसे ने आज भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी परिसर में 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के विशेष कॉमनवेल्थ गेम्स संस्करण का नेतृत्व किया।

आईआईटी गुवाहाटी के सहयोग से भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम, 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के राष्ट्रव्यापी 75वें संस्करण का हिस्सा था, जो अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की भारत द्वारा मेजबानी का जश्न मना रहा है। 'कॉमनवेल्थ गेम्स इन भारत 2030' के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में एथलीट, छात्र, साइकिल चालक, फिटनेस के प्रति उत्साही लोग और नागरिक एक साथ आए, जो राष्ट्रीय गौरव और सामुदायिक भागीदारी का एक जीवंत प्रदर्शन था।

सभा को संबोधित करते हुए, रक्षा खडसे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित 'फिट इंडिया आंदोलन' के महत्व पर प्रकाश डाला और पूरे देश में फिटनेस और खेलों में भागीदारी की बढ़ती संस्कृति पर जोर दिया।

रक्षा खडसे ने कहा, 'गुवाहाटी में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन कॉमनवेल्थ गेम्स का जश्न मनाने के लिए किया गया है, क्योंकि हम सभी जानते हैं कि भारत इनकी मेजबानी करने जा रहा है। खेल मंत्रालय के माध्यम से, 'संडे ऑन साइकिल' पहल का आयोजन पूरे देश में हर रविवार को किया जा रहा है। 'फिट इंडिया आंदोलन' की शुरुआत हमारे प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी ने की थी।'

उन्होंने प्रतिकूल मौसम की स्थिति के बावजूद युवाओं, एथलीटों और संस्थानों की भागीदारी की सराहना की और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए आईआईटी गुवाहाटी और साई की टीमों को धन्यवाद दिया। गुवाहाटी संस्करण में आईआईटी गुवाहाटी परिसर के माध्यम से एक विशाल साइकिल रैली निकाली गई, जो एक अधिक फिट और मजबूत खेल राष्ट्र की ओर भारत की सामूहिक यात्रा का प्रतीक थी। इस कार्यक्रम में योग सत्र, सांस्कृतिक गतिविधियां और एक विशेष 'थांग-ता' मार्शल आर्ट प्रदर्शन भी शामिल था, जिसने पूर्वोत्तर की समृद्ध खेल और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया। ओलंपियन और कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट जयंत तालुकदार और कॉमनवेल्थ गेम्स की मेडलिस्ट सुशीला देवी लिकमाबम भी इस जश्न में शामिल हुए और प्रतिभागियों से बातचीत की।

'हमारे बहादुर बेटे ने नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया', गुरिंदरवीर की ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दी बधाई

नई दिल्ली । रांची में आयोजित फेडरेशन कप 2026 में 100 मीटर फ्रीस्टाइल रेस में गोल्ड मेडल जीतने वाले गुरिंदरवीर सिंह को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बधाई दी है। गुरिंदरवीर ने 100 मीटर की रेस को सिर्फ 10.09 सेकंड में पूरा करके नया नेशनल रिकॉर्ड कायम किया।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरिंदरवीर की तारीफ करते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा, 'हमारे होनहार एथलीट गुरिंदरवीर सिंह को रांची में फेडरेशन कप में 100-मीटर फ्रीस्टाइल रेस में गोल्ड मेडल जीतने पर बहुत-बहुत बधाई। हमारे बहादुर बेटे ने सिर्फ 10.09 सेकंड में रेस पूरी करके नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया। गुरिंदरवीर 100 मीटर रेस को 10.10 सेकंड से कम समय में पूरी करने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। दो दिन में दूसरा नेशनल रिकॉर्ड तोड़कर पंजाब के इस बेटे ने नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर राज्य का नाम रोशन किया है। गुरिंदरवीर की इस ऐतिहासिक कामयाबी पर पूरे पंजाब को गर्व है। बहुत-बहुत बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं।'

गुरिंदरवीर 100 मीटर की रेस को पूरा करने वाले भारत के सबसे तेज धावक बन गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपने इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के बूते एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। रांची में आयोजित हो रहे टूर्नामेंट में गुरिंदरवीर और अनिमेष कुजूर के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। शुक्रवार को गुरिंदरवीर ने पहली हीट में 100 मीटर की रेस को 10.17 सेकंड में पूरा करके अनिमेष का रिकॉर्ड तोड़ा था। इसके ठीक 10 मिनट बाद ही अनिमेष ने 10.15 सेकंड में रेस को पूरा करते हुए फिर से इस रिकॉर्ड पर कब्जा जमा लिया। हालांकि, शनिवार को फाइनल में गुरिंदरवीर ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 10.09 सेकंड में रेस को पूरा करते हुए इतिहास रच दिया। अनिमेष फाइनल में गुरिंदरवीर को टक्कर देने में नाकाम रहे और वह रेस को 10.20 सेकंड में पूरा करके दूसरे नंबर पर रहे, जबकि प्रणव प्रमोद ने 10.29 सेकंड में रेस को पूरा करके तीसरे स्थान हासिल किया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415